रांची, सोमवार
01.12.2025
वर्ष : 11, अंक : 01 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका
11 बिहान भारत

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

कोहली के शतक और कुलदीप के धमाल से

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराया

बिभा संवाददाता

रांची। विराट कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित शर्मा व केएल राहुल के अर्धशतकों के बाद कुलदीप यादव की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने सीरीज के पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर तीन मैचों की वन डे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 350 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने शुरूआती तीन विकेट सिर्फ 7 रन पर खो दिए, लेकिन मैथ्यू ब्रीट्जके, मार्को यानसन और कॉर्बिन बॉश ने भारत को अंत तक दबाव में रखा।

भारत की तेज शुरूआत, कोहली-रोहित की शतकीय साझेदारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत दमदार रही। यशस्वी जायसवाल ने पहली ही गेंद पर चौका लगाया, लेकिन नांद्रे बर्गर ने उन्हें जल्द ही पवेलियन भेज दिया। रोहित शर्मा को भी जीवनदान मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। रोहित और कोहली ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में 80 रन जोड़े और जल्द ही शतकीय साझेदारी भी पूरी हुई।

इस दौरान रोहित (57) ने वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने अपनी लय बनाए रखी और 135 रन की बेहतरीन पारी खेली। राहुल (60) ने अंत में तेजी से रन जोड़ते हुए भारत को 349/8 तक पहुंचाया। कॉर्बिन बॉश ने आखिरी ओवरों में शानदार गेंदबाजी कर भारत को 350 तक पहुंचने से रोक दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत बेहद खराब रही। हर्षित राणा ने पहली ही ओवर में रयान रिकेलटन और क्विंटन डी कॉक को आउट किया, जबकि अर्शदीप सिंह ने कप्तान एडेन मार्करम को चलता किया। लेकिन ब्रीट्जके और टोनी डी जोरजी ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए टीम की वापसी कराई। कुलदीप यादव ने आते ही डी जोरजी को एलबीडब्ल्यू कर भारत को राहत दिलाई। डेवाल्ड ब्रेविस ने भी ताबड़तोड़ छक्के लगाए, लेकिन उनकी आक्रामकता ही उनके आउट होने का कारण बनी।

जब लग रहा था कि मैच भारत की पकड़ में है, तभी मार्को यानसन ने 26 गेंदों पर अर्धशतक जड़ते हुए भारतीय खेमे में खलबली मचा दी। कुलदीप ने एक ही ओवर में यानसन और ब्रीट्जके दोनों को आउट कर मैच पलटा, लेकिन कॉर्बिन बॉश ने संघर्ष जारी रखा। बॉश ने धुआंधार 67 रन ठोककर मैच को आखिरी ओवर तक रोमांचक बनाए रखा। दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में 18 रन चाहिए थे, लेकिन बॉश पांचवीं गेंद पर कैच दे बैठे और पूरी टीम 332 पर सिमट गई।

रोहित शर्मा ने रांची में रचा इतिहास, वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने एक बार फिर अपने बल्ले से इतिहास लिख दिया। रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले वनडे मुकाबले में रोहित ने तीन तूफानी छक्के लगाकर वनडे इतिहास का सबसे ज्यादा छक्का मारने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

रोहित अब वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा 352 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। यह रिकॉर्ड लंबे समय से पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी के नाम था, जिन्होंने 398 मैचों में 351 छक्के जड़े थे, लेकिन रांची की धरती पर रोहित ने यह मुकाम अपने अंदाज में ऊंचे और सीधी टाइमिंग वाले शॉट्स की बदौलत हासिल किया।

रोहित शर्मा के इंटरनेशनल आंकड़े भी अब एक नए मील के पत्थर की ओर बढ़ रहे हैं। 503 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 19,959 रन बनाने वाले रोहित अब 20,000 रन पूरे करने से सिर्फ 61 रन दूर हैं। उनसे पहले भारत के लिए यह उपलब्धि सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ हासिल कर चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोहित के बल्ले की धमक हमेशा खास रही है। अब तक इस टीम के खिलाफ उन्होंने 56 मैचों में 61 छक्के ठोके हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों देशों के बीच

सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड फिलहाल डेविड वॉर्नर (64) के नाम है। अगले मैच में सिर्फ चार छक्के लगाकर रोहित इस रिकॉर्ड को भी अपने नाम कर सकते हैं।

भारतीय सरजमीं पर रोहित का प्रदर्शन हमेशा बेहतरीन रहा है। अभी तक वे देश में खेले गए 95 एक दिवसीय मुकाबले में 4924 रन बना चुके हैं। अगर वे अगले मुकाबले में 76 रन और जोड़ते हैं, तो घरेलू मैदान पर 5000 वनडे रन पूरे करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे।

पहले वनडे में रोहित पूरी लय में दिखाई दिए। उन्होंने सिर्फ 51 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से शानदार 57 रन बनाए और रांची की भीगी-भीगी ठंडी शाम में दर्शकों को गर्मजोशी से झूमने पर मजबूर कर दिया।

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने विपक्ष से की सहयोग की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले हुई सर्वदलीय बैठक को सौहार्दपूर्ण बताते हुए उम्मीद जतायी है कि सत्र के सुचारू संचालन में सभी दलों का सहयोग मिलेगा। बैठक में विपक्षी नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठाया। इसके अलावा विपक्ष ने सुरक्षा, लोकतंत्र और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। सरकार ने विपक्ष से सहयोग की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सभी मुद्दों पर विचार करेगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रविवार को संसद भवन के संसदीय सौध में आयोजित बैठक में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा, संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई सहित विभिन्न पार्टियों के फ्लोर लीडर ने भाग लिया।

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि इस सत्र के दौरान विधायी और अन्य कामकाज को मिलाकर 14 मदों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार दोनों सदनों के नियमों के अनुसार सदनों के पटल पर किसी भी अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है।

रिजिजू ने कहा कि बैठक सोहार्दपूर्ण महौल में सम्पन्न हुई। विपक्ष ने अपनी ओर से कई मुद्दे उठाए और सुझाव रखे। इन पर चर्चा के बाद आज शाम होने वाली कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में इन्हें रखा जाएगा। वे सरकार की ओर से आश्वासन देते हैं कि हम विपक्ष के साथ सभी मुद्दों पर बातचीत करेंगे और उनसे अपेक्षा करते हैं कि संसद को सुचारू ढंग से संचालित करने में वे सहयोग करेंगे।

एसआईआर के मुद्दे पर रिजिजू ने कहा कि वे इस समय इस पर कुछ नहीं कहेंगे। शाम को कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होगी जिसमें कुछ मुद्दों पर सहमति बन सकती और कुछ मुद्दे चेयर के समक्ष उनकी अनुमति के लिए भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष एसआईआर के मुद्दे पर संसद नहीं चलने देगा ऐसा कोई विषय बैठक में नहीं आया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में गतिरोध संभव है और अगल-अलग एजेंडा होने के कारण मतभेद भी संभव हैं लेकिन हम विपक्ष से अनुरोध करते हैं कि वे सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करेंगे।

बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेताओं को सूचित किया कि संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार, एक दिसंबर से शुरू होगा और सरकारी कामकाज की तात्कालिकता के अधीन सत्र शुक्रवार, 19 दिसंबर को समाप्त हो सकता है। सत्र में कुल 19 दिनों की अवधि में 15 बैठकें होंगी।

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता

छत्तीसगढ़ में 65 लाख के 27 इनामी समेत 37 नक्सलियों ने किया सरेंडर

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। रविवार को 65 लाख रुपए के कुल 27 इनामी सहित 37 हार्डकोर नक्सलियों ने हथियार डालकर समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। सभी ने डीआरजी कार्यालय दंतेवाड़ा में अधिकारियों के सामने औपचारिक आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित कैडरों में चार 8 लाख, एक 5 लाख, और कई 2 लाख व 1 लाख के इनामी शामिल हैं।

इनमें कंपनी नंबर-6, कंपनी नंबर-10, प्लाटून-16, आमदई एरिया कमेटी और इंद्रावती एरिया कमेटी जैसे कोर नक्सली ढांचे के सक्रिय सदस्य हैं। कुछ महिलाएं भी हैं, जो एसजीसीएम कमलेश की बॉडीगार्ड और डीवीसीएम निर्मला की गार्ड रह चुकी हैं। इन आतंकियों पर 2019-2024 के बीच कई बड़ी वारदातें दर्ज हैं।

इनमें 2020 में मिनपा में टीसीओसी टीम पर हमला (26 जवान शहीद, 20 घायल, हथियार लूट), 2024 में गोबेल-थुलथुली जंगल में पुलिस पार्टी पर फायरिंग और सड़कें खोदना, पेड़ गिराना, बंद सप्ताह में बैनर-पोस्टर लगाना शामिल हैं। आत्मसमर्पण समारोह में डीआईजी दंतेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप, डीआईजी सीआरपीएफ राकेश चौधरी, एसपी दंतेवाड़ा गौरव राय, कमांडेंट 111, 230 व 80वीं वाहिनी सीआरपीएफ सहित तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

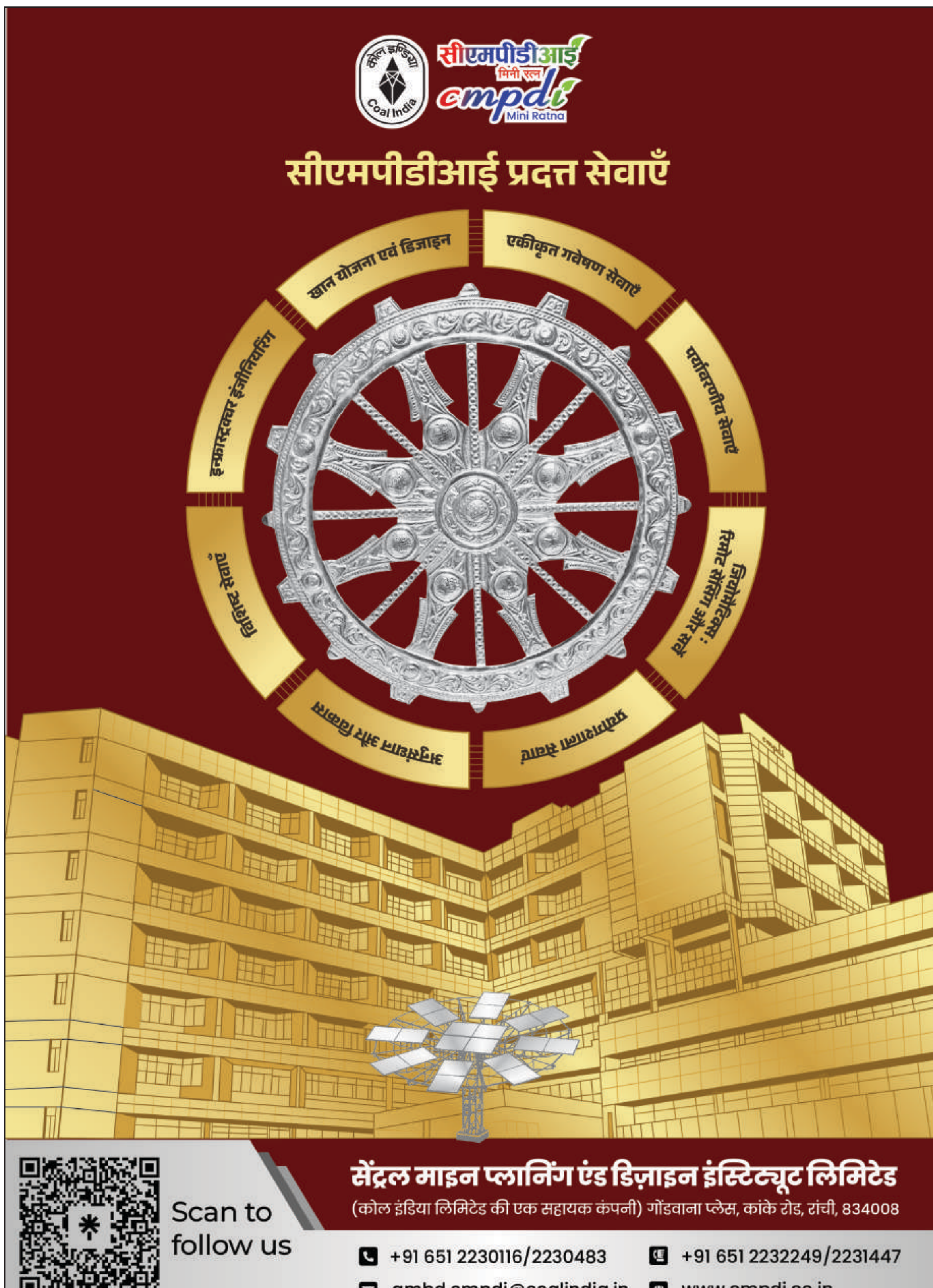

टाटा स्टील ने आयोजित किया जमशेदपुर हाफ मैराथन का 10वां संस्करण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः टाटा स्टील ने आज टाटा स्टील जमशेदपुर रन का 10वाँ संस्करण आयोजित किया, जिसे जमशेदपुर हाफ मैराथन के नाम से ब्रांडेड किया गया, जिसने इस क्षेत्र में डिस्टेंस रनिंग के एक प्रमुख केंद्र के रूप में शहर की स्थिति को मजबूत किया। अब अपने दूसरे वर्ष में, हाफ मैराथन श्रेणी को लोकप्रिय 10-किमी, 5-किमी और 2-किमी इवेंट्स के साथ आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न आयु समूहों और क्षमताओं के कुल 3,834 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 932 महिलाएँ और 2,902 पुरुष शामिल थे।

इस कार्यक्रम को टाटा स्टील के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर और प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन, रुचि नरेंद्रन, टाटा स्टील, कॉर्पोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट डी बी सुंदरा रामम, शैलजा रामम, टाटा स्टील, मेडिकल सर्विसेज की जेनरल मैनेजर डॉ. विनीता सिंह, टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक रितु राज सिन्हा, और टिनप्लेट के एग्जीक्यूटिव-इन-चार्ज उज्ज्वल चक्रवर्ती, के साथ-साथ टाटा इकोसिस्टम के अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इन लीडर्स ने 10वें संस्करण के प्रति मजबूत सामुदायिक प्रतिक्रिया की सराहना की और जमशेदपुर में स्वास्थ्य, समावेशन और नागरिक गौरव को बढ़ावा देने में खेल की भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस वर्ष की दौड़ में सभी श्रेणियों में जोरदार प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। हाफ मैराथन (पुरुष) में, मोहित यादव 1:04:05 के समय के साथ विजेता बने, उसके बाद सचिन यादव 1:04:15 पर, रवि कुमार पाल 1:04:59 पर, शुभम सिंधु 1:05:18 पर, और धनंजय महतो 1:16:05 पर रहे। हाफ मैराथन (महिला) में, भारती नैन ने 1:16:38 के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, उसके बाद रेनू सिंह 1:18:38 पर, अंजलि पाटीदार 1:21:03 पर, अनिता दास 1:27:27 पर, और गुड़िया कुमारी 1:37:08 पर रहीं।

10-किमी दौड़ में प्रभावशाली प्रदर्शन दर्ज किए गए, जिसमें पुरुष वर्ग में बलराम ने 30:06 के समय के साथ जीत हासिल की, उसके बाद नवरत्न (30:13), प्रशांत चौधरी (30:23), मोहन सांगवान (30:42) और चंदन यादव (32:12) रहे। महिला वर्ग में, ज्योति ने 36:16 के साथ पहला स्थान प्राप्त किया, उसके बाद संगीता पाल (36:22), अनामिका देवी (39:14), पानो बास्के (42:45) और शोभा महतो (44:22) रहीं।

5-किमी दौड़ ने लगातार युवा और उभरते हुए धावकों को आकर्षित करना जारी रखा। पुरुष वर्ग में, अभिषेक ने 14:47 के समय के साथ चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया, उसके बाद बबलू टुडू (14:53), एस. प्रताप राव (15:28), शिव गुप्ता (16:09) और बगराई मुर्मू (16:14) रहे। महिला वर्ग में, मनाली सिंघा ने 18:55 के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया, उसके बाद मनीषा (20:56), दिलकी परैया (21:18), चाइना गोप (22:04) और लक्ष्मी मुर्मू (22:32) रहीं।

सभी श्रेणियों में, कुल भागीदारी मजबूत बनी रही, जिसमें 10 किमी में 1,398 धावक, 5 किमी में 957, 2 किमी फन रन में 1,047 और हाफ मैराथन में 432 धावक शामिल थे, जो शहर की बढ़ती हुई रनिंग संस्कृति को दशार्ता है। महिला भागीदारी एक प्रमुख फोकस क्षेत्र बनी रही, जिसमें सभी दूरियों पर उनकी मजबूत उपस्थिति दर्ज की गई।

2025 के संस्करण को टाटा कॉपर ने हाइड्रेशन पार्टनर के रूप में, टाटा ग्लूको+ ने एनर्जी पार्टनर के रूप में, जिंजर होटल्स ने हॉस्पिटैलिटी पार्टनर के रूप में और कोरु फाउंडेशन ने सस्टेनेबिलिटी पार्टनर के रूप में समर्थन दिया। कोरु फाउंडेशन और ऑपरेशनल टीमों के सहयोग से, आयोजकों ने सिंगल-यूज सामग्री को कम करके, पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करके और पूरे आयोजन स्थल तथा मार्ग पर वेस्ट सेग्रीगेशन और रीसाइक्लिंग सुनिश्चित करके लगभग जीरो-वेस्ट दौड़ की दिशा में काम किया। 10 संस्करणों में, टाटा स्टील जमशेदपुर रन एक विशिष्ट सामुदायिक फिटनेस पहल के रूप में विकसित हुआ है जो कर्मचारियों, परिवारों, नागरिकों और एथलीटों को एक साझा मंच पर एक साथ लाता है। हाफ मैराथन श्रेणी के निरंतर विस्तार के साथ, टाटा स्टील स्वस्थ जीवन शैली को प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही जमशेदपुर को एक हरे-भरे, सक्रिय और समावेशी लौह नगरी के रूप में प्रदर्शित कर रही है।

अज्ञात पिकअप के टक्कर से दो सगे भाइयों की मौत, गोविंदपुर गांव में पसरा मातम

बिभा संवाददाता

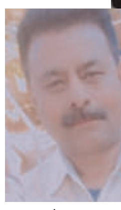

खूँटी । जिले के जरियागढ़ थाना क्षेत्र अन्तर्गत सड़क दुघर्टना में गोविंदपुर निवासी दो सगे घायल भाइयों की मौत से परिवार में दुःख का पह ड़ टूट पड़ा है। बीते वृहस्पतिवार को गोविंदपुर रोड पेट्रोल पम्प के समीप गुरुवार शाम को हुई व्यावसायिक दो सगे भाई सुभान खान और समसु खान घायल हो गए थे। जिसमें सेवा सदन अस्पताल राँची इलाज के लिए ले गए थे जिसमें इलाज के दौरान 50 वर्षीय सुभान खान की मृत्यु शुक्रवार को ही हो गयी थी जबकि दूसरे भाई 48 वर्षीय समसु खान की मृत्यु रविवार सुबह को इलाज के क्रम में हो गयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार गुरुवार शाम को गोविन्दपुर रोड़ पेट्रोल पम्प के आगे एक अज्ञात पिकअप वाहन ने जम्हार बाजार से लौट रहे स्कूटी सवार दोनों भाइयों को जोरदार टक्कर मार दिया. जिससे गोविन्दपुर गाँव निवासी दो सगे भाई सुभान खान एवं समसु खान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद पिकअप चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और मौके से फरार हो गया. हादसा इतना गंभीर था कि दोनों भाई सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए.स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया.डॉक्टरों के अनुसार सुभान खान की हालत ज्यादा गंभीर थी और उनकी मौत शुक्रवार को हो गयी जबकि समसु खान ने दो दिन तक जीवन के लिए संघर्ष किया, लेकिन रविवार को उन्होंने भी दम तोड़ दिया. दोनों भाइयों की मौत की खबर जैसे ही गोविंदपुर गांव पहुंची,पूरे गांव में शोक का माहौल छा गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. शोक स्वरूप रविवार को ग्रामीणों ने स्वेच्छा से साप्ताहिक बाजार जम्हार में अधिकतर दुकान बंद रहा.ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि फरार पिकअप चालक की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जाए और कैंची मोड़ पर सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया जाए। लेकिन अज्ञात पिकअप वैन की जब्ती नहीं हो पाई है ।

संक्षिप्त खबरें

प्रकाश टुटी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में बने राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

खूँटी (बिभा)। जिले के विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता प्रकाश टुटी को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया है । यह घोषणा विद्यार्थी परिषद् के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन, देहरादून में की गयी। प्रकाश टुटी को राष्ट्रीय स्तर पर समिति में मनोनित किये जाने से विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं में उत्साह है। वहीं लोगों ने प्रकाश टुटी को बधाई दी है।

सड़क का धूल से परेशान विद्यार्थी एवं शिक्षक

खूँटी(बिभा) । पैलोल के पास नदी में पुल नहीं बनने से एक तो आवागमन में काफी समस्या हो रही है तो दूसरी ओर ग्रामीण सड़कों पर वहां की अत्यधिक परिचालन से घरों में धूल भरा जा रहा है। वही कुंजला स्थित विश्व जागृति मिशन आदिवासी पब्लिक स्कूल उक्त सड़क के किनारे होने के कारण सड़कों का धूल विद्यालय के अंदर उड़ कर पहुंच रहा है। इससे विद्यालय में धूल भरा जा रहा है। जिससे निजात पाने के लिए विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका एवं विद्यार्थी काफी कोशिश करते रहे हैं लेकिन इससे निजात नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण विद्यालय के लोग परेशान हैं।

मुक्ति संस्था ने 34 शवों का किया अंतिम संस्कार

रांची(बिभा)। मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 34 अज्ञात शवों का पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्य रिम्स के मोर्चरी से शवों को निकालकर पैक कर नदी तट तक लेकर पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने सभी शवों को मुखाग्नि दी, जबकि अंतिम अरदास आशीष भाटिया द्वारा की गई। प्रवीण लोहिया ने बताया कि संस्था अब तक 2098 अज्ञात शवों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कर चुकी है। उन्होंने कहा कि संस्था मानवीय सेवा की भावना से लंबे समय से जरूरतमंदों और पहचानहीन शवों का अंतिम संस्कार करती आ रही है। कार्यक्रम में रवि अग्रवाल, हरीश नागपाल, आर.के. गांधी, संदीप कुमार, आदित्य शर्मा, आशीष भाटिया, सुदर्शन अग्रवाल, अमित किशोर, बलबीर जैन, मोती सिंह, विजय धानुका और सुनील अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

झारखंड आदिवासी छात्र संघ ने केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम को सौंपा विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन

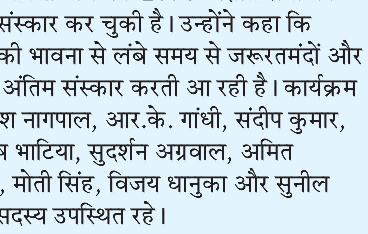

रांची(बिभा)। झारखंड आदिवासी छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में केंद्रीय आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओराम से रांची में मुलाकात की और आदिवासी छात्रों की छात्रवृत्ति, शिक्षा, रोजगार और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। झारखंड आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा कि झारखंड देश के कुल खनिज भंडार का लगभग 40 प्रतिशत देता है, लेकिन राज्य की 26.3 प्रतिशत आदिवासी आबादी शिक्षा और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने आरक्षित पदों की रिक्तता और प्रमोशन में आरक्षण न मिलने की समस्या भी उठाई। झारखंड के ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट (टीआरआई) सर्वे के हवाले से विवेक तिर्की ने बताया कि अधिकांश आदिवासी परिवार गरीबी, निरक्षरता, कुपोषण और भोजन संकट से जूझ रहे हैं, और केवल 16 फीसदी छात्र मैट्रिक के बाद आगे पढ़ाई कर पाते हैं। संघ के प्रतिनिधिमंडल ने पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति की लंबित राशि जारी करने, पेसा एक्ट को लागू करने, ट्राइबल सब प्लान और डिस्ट्रिक मिनिरल्स फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड के पारदर्शी उपयोग तथा बाहरी विस्थापन (18.6 प्रतिशत) की समस्या पर केंद्र सरकार से कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में जलेश्वर भगत, मनोज उरांव, विवेक तिर्की, प्रकाश भगत, मनीष उरांव, सुलेखा कुजूर, कार्तिक उरांव, दिनेश उरांव, रंजीत उरांव सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

लड़कियों को फंसाकर ब्लैकमेल करने वाला युवक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रामगढ़। प्रेम संबंध बनाकर लड़कियों को ब्लैकमेल करने का धंधा आज के दिनों में काफी बढ़ गया है। कई लड़कियां इस ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर अपना जीवन भी खत्म करने के लिए विवश हो जा रही हैं। रामगढ़ पुलिस ने ऐसे ही एक ब्लैकमेलर को गिरफ्तार किया है, जो कई लड़कियों की जिंदगी तबाह कर चुका है। गिरफ्तार युवक रंजन कुमार उर्फ रंजन श्रीवास्तव बिहार राज्य के सितामढ़ी जिला अंतर्गत बरगनिया गांव का रहने वाला है। उसने रामगढ़ थाना क्षेत्र के रांची रोड के रहने वाली एक लड़की

की जिंदगी ब्लैकमेल कर तबाह कर दी थी। वर्ष 2021 में पीड़िता की ओर से ब्लैकमेलर रंजन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पिछले चार वर्षों से रंजन पुलिस को चकमा दे रहा था और दूसरे राज्य में जाकर छुप गया था। रामगढ़ पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उस शातिर व्यक्ति को गिरफ्तार किया। रंजन के खिलाफ रामगढ़ थाने में कांड संख्या 149/21 दर्ज था। पुलिस इसी मामले में उसे कई वर्षों से तलाश रही थी।

कई राज्यों में लड़कियों को कर चुका है ब्लैकमेल

रंजन कुमार उर्फ रंजन श्रीवास्तव कई राज्यों में लड़कियों को ब्लैकमेल कर चुका है। झारखंड के अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली व अन्य राज्यों में भी उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। सबसे पहले वह कुंवारी लड़कियों को सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजता था। सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद वह लड़कियों के करीब आने की कोशिश करता था। किसी होटल या कमरे में उन्हें बुलाकर बड़े ही शातिर तरीके से वह लड़कियों का अश्लील वीडियो भी बना लेता था।

शादी तय होने के बाद लड़कों को भेजता था अश्लील वीडियो

प्रेम जाल में फंसी लड़कियां जब घर वालों के दबाव में कहीं और शादी करती थी, तब रंजन का असली खेल शुरू होता था। वह बातों बातों में लड़कियों से ही होने वाले दुल्हे का मोबाइल नंबर लेता था। इसके बाद लड़कियों को ब्लैकमेल करना शुरू करता था। अगर उसे मनमाना पैसा नहीं मिलता, तो वह होने वाले दूल्हे के पास अश्लील फोट और विडियो भेजता था।

पुलिस निरीक्षक आनंद मिश्रा हॉफ मैराथन में दौड़े, दो घंटे चार मिनट में दूरी तय की

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। साकची थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक आनंद मिश्रा जमशेदपुर टाटा स्टील द्वारा आयोजित, दिल से दौड़ फोर जमशेदपुर, हाफ मैराथन में शामिल हुए। 21.09 किलोमीटर की दूरी 2 घंटा 4 मिनट 44 सेकंड में तय की। आनंद मिश्रा देश भर में होने वाले दौड़ में भागीदारी देते रहते हैं और आप उनकी तैयारी कोलकाता एवं मुंबई मैराथन को लेकर है।

दौड़ के प्रति उनके समर्पण भाव को इस तरह समझा जा सकता है कि वह प्रतिदिन 10 से 15 किलोमीटर की दौड़ लगाते हैं। उनके अनुसार इससे शरीर फिट एवं तंदुरुस्त तथा चुस्त रहता है और विभाग के नौजवानों को प्रेरणा भी मिलती रहती है।

रांची में आगामी 22 फरवरी को होगा वृहद क्षत्रिय गौरव महासम्मेलन

बिभा संवाददाता

खूँटी । आगामी 22 फरवरी 2026 को राँची में क्षत्रिय गौरव महासम्मेलन राजपूत क्षत्रिय समाज द्वारा किया जाएगा। उक्त महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए खूँटी में जिला स्तरीय बैठक किया गया। जिसमें उक्त सम्मेलन को सफल बनाने के बारे चर्चा की गयी। जिसमें सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गयी। रांची के महासम्मेलन में 25 हजार से अधिक लोगों का महाजुटान करने की बात कही गयी । वहीं उक्त कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लोगों से आवाह्न किया गया।

मौके पर प्रवीण सिंह ने कहा कि पूरे झारखंड में राजपूत समुदाय कुछ ऐसी ही समस्याओं से जूझ रहा है।

इसी क्रम में प्रवीण सिंह ने कहा कि गाँव को विकसित करने में समाज का जीवन बीत गया,

लेकिन शहर आने पर एहसास हुआ कि गाँवों में उनकी पहचान ही मिटती जा रही है। 16 राजपूत संगठन अलग-अलग चल रहे हैं, जबकि जरूरत सभी को एक मंच पर लाने की है।

उन्होंने कहा कि साथ ही कहा कि हर गांव में सप्ताहिक रामायण पाठ हो, संस्कारों को न छोड़ा जाए। जमीन विपत्ति में बेची जाए, पर जल्दबाजी में नहीं।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुनील सिंह मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि समाज की आर्थिक और सामाजिक एकजुटता को लेकर ही सबों को एक मंच पर आना है। इसके लिए राजपूत समाज एकजुट हो। इसके लिए जरूरी है कि धरातल में सभी एकमत होकर आगे आएँ।

मौके पर लाल विजय नाथ शाहदेव ने कहा कि समाज की एकजुटता बहुत जरूरी है। समय बदल चुका है। राजनीतिक भागीदारी तभी मिलेगी। जब राजपूत समाज एकजुट होंगे। उक्त बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता रुपेन्द्र नाथ शाहदेव और धन्यवाद ज्ञापन लाल ज्योतेन्द्र नाथ शाहदेव ने किया।

नारायण आईटीआई लुपुंगडीह चांडिल में जगदीश चंद्र बसु एवं राजीव दीक्षित की जयंती मनाई गई

बिभ संवाददाता

सरायकेला/चांडिलः नारायण आईटीआई लुपुंगडीह चांडिल में जगदीश चंद्र बसु एवं राजीव दीक्षित की जयंती मनायी गयी डॉ. जटाशंकर पांडे ने दोनों के जीवन-विचारों पर विस्तार से प्रकाश डाला . पांडे ने जगदीश चंद्र बसु और राजीव दीक्षित के जीवन, उनके संघर्ष, योगदान व विचारों पर विस्तार से चर्चा की। जगदीश चंद्र बसु पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा। बसु जी भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए वैज्ञानिक चेतना के प्रतीक थे। उन्होंने ऐसे समय में प्रयोग किए जब पश्चिमी दुनिया विज्ञान पर अपना आधिपत्य स्थापित कर रही थी। पौधों में जीवन और संवेदना साबित कर दुनिया को चौंका देने वाला कार्य उन्होंने किया। ह्यक्रेस्कोग्राफह्न जैसे यंत्र का आविष्कार विश्व विज्ञान के इतिहास में एक मील का पत्थर है।उनके माइक्रोवेव और रेडियो

तरंगों पर किए गए प्रयोगों ने वायरलेस कम्युनिकेशन की नींव रखी। आज मोबाइल, इंटरनेट और आधुनिक वायरलेस सिस्टम जिस विज्ञान पर आधारित हैं, उसकी जड़ें बसु जी के शोध में दिखाई देती हैं।

राजीव दीक्षित भारतीय स्वदेशी आंदोलन की आत्मा थे। उन्होंने अपने जीवन का हर क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। उनके भाषणों में भारत का गौरव, इतिहास, विज्ञान, संस्कृति, अर्थशास्त्र और समाज सुधार—सब कुछ एक साथ मिलता है। उन्होंने देश को बताया कि विदेशी कंपनियों द्वारा भारत के संसाधनों का शोषण कैसे होता है भारतीय उद्योग, आयुर्वेद और स्वदेशी तकनीकें हमें फिर से विश्वगुरु बना सकती हैं।राजीव दीक्षित केवल वक्ता नहीं थे, वे एक शोधकर्ता थे। उन्होंने हजारों ग्रंथों, वैज्ञानिक शोधपत्रों और भारतीय ग्रंथों का अध्ययन किया। उनका उद्देश्य था—स्वदेशी अपनाओ, भारत को आत्मनिर्भर बनाओ।ह्नउनके विचार आज भी युवाओं को प्रेरित करते हैं, विशेषकर आईटीआई और तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों को, जिन्हें देश के विकास की इंजीनियरिंग करनी है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मौजूद रहे जयदीप पांडे,शांति राम महतो, प्रकाश महतो, शुभम साहू, देवाशीष मंडल, संजीत महतो,पवन महतो, शशि प्रकाश महतो, आदि मौजूद रहे।

श्री शनि देव भक्त मंडली रैली के साथ खूंटी पहुंच किया रक्तदान

बिभा संवाददाता

खूँटी ।जिले के सदर अस्पताल खूँटी स्थित ब्लड बैंक में रविवार को एक अनोखी पहल को आगे बढ़ाते हुए रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें श्री शनिदेव भक्त मंडली के 25 सदस्यों ने अपनी निजी वाहन से सड़क के रास्ते से रैली के रूप में खूँटी पहुँची ।जहाँ सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी और रक्त संग्रहण केन्द्र प्रभारी व उपाधीक्षक डॉ आनन्द किशोर उराँव की विशेष देखरेख व उपस्थिति में रक्तदान किया गया।

खूँटी की पवित्र धरती में मंडली आज सुबह 9 बजे अपने 25 साथियों के साथ सड़क के रास्ते निकली सदर अस्पताल खूंटी के लिए उद्देश्य जनसेवा के लिए। आज

का यह शिविर उन रक्तदाताओ को समर्पित के अपने रक्त को किसी को समर्पित करने कही भी जा सकते है। यह मंडली का अब तक का 73वाँ वर्ष में इस बार 23वाँ रक्तदान शिविर लगाया गया। इसलिए मंडली रक्तदान करने हेतु आदित्यपुर से खूँटी पहुँची और उत्साह पूर्वक रक्तदान किया। जिसमें कुल 21 यूनिट रक्त इकट्ठा को गई।

उज्जवल घोष ने बताया कि मंडली इसी तरह झारखंड राज्य के 24 जिलों में जागरूकता अभियान के तहत हर एक सदर अस्पतालों के साथ काम से कम एक रक्तदान शिविर अवश्य करेगी। इस शिविर में 5 सदस्यो ने 8 निजी वाहनों से अपने उपस्थिति दी। शिविर का संचालन 12:30 दुपहर से दुपहर के 2बजे तक की गई।मंडली आभार व्यक्त करती है डॉक्टर नागेश्वर माझी(सिविल सर्जन), डॉक्टर आनंद किशोर उराँव (उपाधीक्षक), सुशांत कुमार, बिकास साहू, पूनम भेंगरा, कोमल कुमारी, सुनीता देवी, जोस्फिना भेंगरा आदि खुदी सदर ब्लड सेंटर सहयोगी आदि ने रक्तदान कराया।

जिसमें मंडली संस्थापक सह संरक्षक के साथ मंडली सचिव उज्जवल घोष ,मंटू सिंह मोदक , मिलन कांति शांतरा, सुनियां नायक ,इंदरजीत पात्रों,पुरोसोत्तोम कुमार, भीम महतो,रतन सिंह मुंडा ,रविन्द महतो,राजू रंजन,ललित यादव ,आशीष बैनर्जी ,मिलन बेरा,कैलाश नाथ मंडल,धीरेंद्र बेहेरा,बिस्वजीत, पुरोसोत्तम कुमार, पुराण मुखी, बिस्वजीत परामानिक, बीबी लाल पॉल,संजय गोंजु, सुरेश सिंह, प्रकाश प्रधान, अमित कुमार, सतरूघन कुमार आदि ने रक्तदान किया।

योगदा सत्संग शाखा आश्रम में गीता जयंती मनाई गई

बिभा संवाददाता

राँची : योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इण्डिया (वाईएसएस), राँची आश्रम ने 30 दिसम्बर को आयोजित एक विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम के साथ गीता जयंती – श्रीमद्भगवद्गीता के प्राकट्य की पवित्र वर्षगांठ – मनाई गई।

गीता जयंती भारत और विश्वभर में लाखों लोगों द्वारा उस दिन के रूप में मनाई जाती है, जब भगवान कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में अर्जुन को भगवद्गीता के अमर उपदेश दिए थे। यह दिन गीता के सार्वभौमिक और शाश्वत संदेश की याद दिलाता है – जो मानवता को धार्मिक कार्य, आंतरिक संतुलन और आध्यात्मिक अनुभूति (आत्मा का साक्षात्कार) की ओर मार्गदर्शन करता है।

उत्सवों के भाग के रूप में, वाईएसएस संन्यासी स्वामी ईश्वरानन्द गिरि द्वारा हिन्दी में ह्ननिष्काम कर्म : आत्मा की मुक्ति का मार्गह्न शीर्षक से एक सीधा प्रसारण ऑनलाइन प्रवचन आयोजित किया गया। परमहंस योगानन्द की ईश्वर-अर्जुन संवाद : श्रीमद्भगवद्गीता में दी गई गहन व्याख्या से लेते हुए, स्वामी ईश्वरानन्द ने अध्याय क्क के श्लोक 47 से 51 तक की व्याख्या की। उन्होंने समझाया कि कैसे गीता जीवन के कर्तव्यों में पूरी तरह से संलग्न रहने के साथ-साथ परिणामों के प्रति आंतरिक रूप से अनासक्त रहने की शिक्षा देती है।

रांची में भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज, स्टेडियम में उमड़ा जनसैलाब

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शुरू हो गया है। मैच को लेकर शहर में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सुबह होते ही स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई और माहौल क्रिकेट रंग में रंग गया। विराट कोहली और रोहित शर्मा की झलक पाने के लिए हजारों प्रशंसक जर्सी पहनकर लाइन में खड़े नजर आए। स्टेडियम के भीतर और बाहर नीली जर्सियों का सागर उमड़

पड़ा। खास बात यह है कि इस मैच को देखने देश के कई राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी दर्शक पहुंचे हैं।

सुबह 9 बजे से ही दर्शकों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। पूरा स्टेडियम परिसर पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। लगभग 5000 पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। हर प्रवेश द्वार पर सख्त जांच की व्यवस्था की गई है। ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। क्विक रिस्पॉन्स टीम लगातार गश्त पर है। सुरक्षा व्यवस्था की खुद रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

स्टेडियम के बाहर बच्चों और युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कई लोग अपने चेहरे पर तिरंगा पेंट करवा रहे हैं। दुकानों पर टीम इंडिया की जर्सी, झंडे और बैंड की खूब बिक्री हो रही है। अंदर स्टेडियम में भी भारतीय तिरंगा लगातार लहराता दिखाई दे रहा है।

इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली लगभग 9 महीने बाद भारतीय घरेलू मैदान पर इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं, जिससे दर्शकों में उत्साह और बढ़ गया है।

सीएनटी-एसपीटी की रक्षा नहीं होगी तो समिति 3 जनवरी से मनाएगी उलगुलान वर्ष : लक्ष्मीनारायण

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य स्थापना की रजत जयंती पर आदिवासी समन्वय समिति, आदिवासी जन परिषद और झारखंड उलगुलान संघ की ओर से रविवार को रांची में झारखंड के 25 वर्ष : क्या खोया, क्या पाया, विषय पर चिंतनझमंथन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने राज्य गठन के बाद भी आदिवासी-मूलवासी समुदायों के अधिकारों की अनदेखी पर गहरी चिंता जताई।

कार्यक्रम में आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक लक्ष्मीनारायण मुंडा ने कहा कि झारखंड में लूट-खसौट की सरकार चल रही है। राजनेता और अफसर संवैधानिक नियमों का उल्लंघन कर माफिया राज स्थापित करने में लगे हैं।

उन्होंने ने कहा कि झारखंड ने हमने राज्य तो प्राप्त कर लिया, पर स्वराज खो दिया है। सम्मान, हक और पहचान की जगह आदिवासियों को हाशिये पर धकेला गया।

कार्यक्रम में निर्णय लिया गया कि यदि राज्य सरकार तत्काल सीएनटीझएसपीटी की रक्षा, 1932 आधारित स्थानीय नीति और पेसा का पूर्ण क्रियान्वयन नहीं करेगी, तो तीन जनवरी 2026 से उलगुलान वर्ष मनाया जाएगा।

वहीं आदिवासी जन परिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि अलग राज्य मिलने के बावजूद जनता को अबुआ राज नहीं मिल पाया। पेसा और जमीन कानून अब भी कागजों में सिमटा हुआ हैं।

उलगुलान संघ के संयोजक अलेयस्टर बोदरा ने आरोप लगाया कि नौकरशाही संवैधानिक अधिकारों को कुचल रही है और न्यायिक आदेशों तक की अनदेखी हो रही है। वहीं कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुंडा ने झारखंड को लूटखंड की संज्ञा देते हुए कहा कि राज्य बदहाली के कगार पर है। परिचर्चा में कई लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

इसीजी व टीएमटी मशीन से लैस स्थायी स्वास्थ्य सेवा परियोजना का शुभारंभ

रांची(बिभा)। लायंस क्लब ऑफ रांची, एकलव्य ग्रेटर ने स्थायी स्वास्थ्य सेवा परियोजना के तहत इसीजी व टीएमटी मशीन लगाई। इस बारे में क्लब के अध्यक्ष श्रवण बर्णवाल ने बताया कि कांके ब्लॉक में उपलब्ध इस सुविधा को क्लिनिकल रिसर्च यूनिट फॉर होमियोपैथी (मिनिस्ट्री ऑफ आयुष, भारत सरकार) के अन्तर्गत शुरू किया गया है। जिसमें आम जनता को रियायती दरों पर जाँच सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि स्थायी स्वास्थ्य सेवा परियोजना के अन्तगर्त इसीजी व टीएमटी मशीन से संबंधित जाँच सेवायें रियायती दरों पर मिल सकेंगी। जिससे जरुरतमंदों को इस सुविधा का लाभ मिल सके। कार्यक्रम में लायन माधव लखोटिया व लायन वी.के. गद्यान बतौर मुख्य अतिथि और लायन सिद्धार्थ मजूमदार, लायन कमल जैन व पूर्व एफजेसीसीआइ अध्यक्ष किशोर मंत्री बतौर सम्मानित अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुजीत कुमार, गणेश सिंह, सुनील वर्मा, अमित साहू एवम-प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर क्लब की नीलिमा जायसवाल, बाला सिंह, पुष्पलता वर्मा, अनिता साहू, विजेता बर्णवाल, राकेश बिहारी, रिंकू, गौरव अग्रवाल, शेखर सुमन, रिकीण पटेल, पवीदीप सिंह, बिनोद बर्णवाल समेत कई गणमान्य सदस्य मौजूद थे।

श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर में महाप्रसाद का हुआ वितरण

रांची (बिभा): श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 240 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा ट्रस्ट के सदस्यों के सौजन्य से आयोजित किया गया।श्री राधा कृष्ण जी का दिव्य अलौकिक श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात मेवायुक्त केसरिया खीर महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तथा मंदिर परिसर में उपस्थित 2 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों ने मनमोहक सुमधुर भजनों श्रोताओं को खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय एवं भक्तिमय बन गया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आज श्री राधा कृष्ण मंदिर में 4 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किये। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। उन्होंने कहा कि 1 दिसंबर सोमवार को गीता जयंती के अवसर पर श्री राधा कृष्ण मंदिर में विशेष पूजा अनुष्ठान का आयोजन किया गया है।

झारखंड राज्य क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता के लिए 18 एथलीट चयनित

रांची(बिभा)। होटवार जेल रोड में रांची जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में रविवार को रांची जिला क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के धावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता से कुल 18 एथलीटों का चयन किया गया है, जो आगामी सात दिसंबर को लातेहार में आयोजित होने वाली झारखंड राज्य क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में रांची जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। संघ के अधिकारियों ने चयनित खिलाड़ियों को आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। संघ के प्रभाकर वर्मा ने बताया कि चयनित एथलीटों में अमित कुमार, रोशन कुमार रविदास, रोहन पाहन, चिराग भेंगरा, अनूप उरांव, सिरील टोप्पो, प्रकाश मुंडा, रंजीत महतो, प्रीतम उरांव, हरीश महतो, संजय महतो, रोहित पाहन, सुमन कुमारी, सीमा कुमारी, मंजू कुमारी, अंजलि कुमारी, रिया कुमारी और रितु कुमारी के नाम शामिल हैं। प्रतियोगिता को सफल बनाने में तकनीकी पदाधिकारियों में विशेष रूप से प्रभाकर कुमार वर्मा, विनोद कुमार, राकेश सिंह, राम प्रसाद, राजू साहू, अगनू उरांव, राघवेंद्र कुमार, नरेश कुमार, प्रेम कुमार, विकास कुमार और श्याम उरांव सहित अन्य लोगों का अहम योगदान था।

विराट ने जड़ा शतक तो फैन ने मैदान में घुसकर छू लिए पैर

बिभा संवाददाता

रांची : रांची में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अचानक एक पिच इनवेडर मैदान में घुस आया और भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के पैरों को छू लिया। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए उस व्यक्ति को मैदान से बाहर ले जाया। घटना के कारण खेल कुछ समय के लिए रुका, हालांकि थोड़ी देर बाद मैच सामान्य रूप से जारी हो गया। बता दें ऐसा तब हुआ जब कोहली अपना शतक पूरा करके सेलिब्रेट कर रहे थे।

विराट कोहली ने जैसे ही मार्को जेनसन की गेंद को थर्ड-मैन की दिशा में खेलकर रन पूरा किया, पूरा स्टेडियम तालियों से गूंज उठा. हेलमेट उतारकर जश्न मनाते हुए उन्होंने अपनी गर्दन में पहनी चेन को चूमा, जो उनके हर शतक का पहचान चिन्ह बन गया है. इस पारी के साथ कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ अब अपने छह शतक पूरे कर लिए हैं. वह सचिन तेंदुलकर और डेविड वॉर्नर (दोनों के 5-5 शतक) को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष पर पहुंच गए.

बुजुर्गों की सेवा करना तीर्थ यात्रा के समान : रोहित

बिभा संवाददाता

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण जागृति महिला शाखा ने रविवार को बरियातू स्थित डीएवी नंदराज के आवासीय परिसर में वृद्धा आश्रम में भव्य भंडारा और भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। मंच की सदस्यों ने आश्रम में रह रहे सभी वृद्धजनों के लिए श्रद्धा के साथ भोजन की व्यवस्था की।

भोजन में दाल, चावल, आलू-गोभी की सब्जी, कोफ्ता, खीर, रोटी और नारंगी शामिल थी। मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष रोहित शारदा ने इस मौके पर कहा कि वृद्धजनों की सेवा तीर्थ दर्शन के समान पवित्र कार्य है।

कार्यक्रम में कैलाश प्रसाद रामुका (सरायकेला) मुख्य सहयोगी के रूप में उपस्थित रहे और उनके योगदान की मंच ने सराहना की। आयोजन की अध्यक्षता प्रमिला सराफ ने की, मंच संचालन निर्मल अग्रवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन उर्मिला मोटानी व बिना शारदा ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर रांची दक्षिण शाखा के अध्यक्ष ऋषभ रामपुरिया एवं कोषाध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

विभिन्न जिलों का दौरा कर राज्य भर के व्यापारियों की समस्याओं का निदान करेंगे चेंबर अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के वर्तमान सत्र की कार्यकारिणी समिति की तीसरी बैठक, अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा की अध्यक्षता में चेंबर भवन में रविवार को हुई।

बैठक में राज्य भर के व्यापारियों की समस्याओं पर त्वरित पहल के उद्देश्य से दिसंबर माह से चेंबर अध्यक्ष की ओर से विभिन्न जिलों का दौरा कर जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के साथ संवाद स्थापित करने की बात कही गई।

बैठक के दौरान वर्तमान सत्र के लिए कुल 17 उप-समितियों के गठन और उनके चेयरमैन के मनोनयन को कार्यकारिणी समिति ने स्वीकृति दी। मौके पर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया और राम बांगड़ ने संयुक्त रूप से कहा कि उप-समितियों की सक्रियता के कारण राज्यस्तरीय समस्याओं के समाधान में चेंबर को निरंतर सफलता मिल रही है।

संथाल परगना के कुछ जिलों, विशेषकर गोड्डा और पाकुड़ में परिषद की ओर से एंट्री और एग्जिट टैक्स के नाम पर वाहनों से अवैध टोल वसूली जारी रहने पर भी चिंता व्यक्त की गई। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (संथाल परगना) संजय अग्रवाल ने बताया कि फेडरेशन के प्रयासों से पूर्व में साहेबगंज में ऐसी वसूली रोक दी गई थी, लेकिन विभागीय निर्देश के बावजूद अन्य जिलों में यह अब भी जारी है, जबकि विभाग का निर्देश सभी जिलों के लिए प्रभावी होना चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए चेंबर अध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि विभागीय सचिव से जल्द मुलाकात कर इस पर त्वरित समाधान का आग्रह किया जाएगा।

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (कोयलांचल) अमरजीत सिंह सलूजा ने कोयलांचल क्षेत्र के व्यापारियों की समस्याओं से कार्यकारिणी को अवगत कराया। अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने आश्वस्त किया कि त्वरित कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर विभागीय मंत्री एवं सचिवों से मिलकर समाधान निकाला जाएगा। बैठक में सह-सचिव नवजोत अलंग और रोहित पोद्दार ने 16 आजीवन सदस्य और 2 साधारण सदस्यों के सदस्यता आवेदन प्रस्तुत किए, जिन्हें सर्वसम्मति से स्वीकृति दी बैठक में चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह-सचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

प्राचीनता,नवीनता और सनातन की विरासत से परिपूर्ण मन की बात : बाबूलाल मरांडी

बिभा संवाददाता

रांची : प्रदेश भाजपा के द्वारा रविवार को राज्य के बूथों पर मन की बात के 128वें एपिसोड कार्यक्रम को सुना गया जिसमें आम जनता के साथ पार्टी के पदाधिकारी, हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने दुमका में मन की बात कार्यक्रम को सुना। कार्यकारी अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू ने अपने पैतृक गांव कुचु ओरमांझी में जबकि क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम ने कार्यकताओं के साथ मिलकर मन की बात कार्यक्रम को सुना।

प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हर बार की तरह मन की बात का 128 वाँ एपिसोड भी अद्भुत जानकारियों ,प्रेरणाओं से परिपूर्ण रहा। श्री मरांडी ने कहा कि भाजपा के करोड़ों कार्यकताओं और जनता को इसका बेसब्री से इंतजार रहता है। उन्होंने कहा कि आज के एपिसोड में भारत के उत्तर से दक्षिण,पूरब से पश्चिम सभी भूभाग की विशेषताओं की ज्ञानवर्धक चर्चा हुई। कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, प्रतिभावान युवाओं उपलब्धियां, खेल खिलाड़ियों की उपलब्धियां,श्री राम मंदिर पर धर्म ध्वजा आरोहण, काशी के तमिल संगम ,जैसे सनातन संस्कृति की चर्चा हुई। कहा कि त्योहारों में वोकल फॉर लोकल के प्रचार प्रसार ने आत्म निर्भर भारत को मजबूती प्रदान की है। कहा कि विदेशी मेहमानों को भारत के सांस्कृतिक विरासत से जुड़े उपहार देकर प्रधानमंत्री जी ने सांस्कृतिक विरासत को विश्व में महिमा मंडित किया है।

राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में झारखंड की सविता ने जीता जैवलिन थ्रो में रजत पदक

बिभा संवाददाता

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की अगुवाई में 69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को सविता मुर्मू ने अंडरझ19 बालिका जैवलिन थ्रो में रजत पदक जीता।

हरियाणा के भिवानी स्थित भीम स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में सविता मुर्मू ने अपनी मजबूत तकनीक, बेहतर थ्रो नियंत्रण और अदम्य जज्बे का परिचय देते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए सोरेंग ने सविता की सफलता पर

खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि राज्य की खेल नीतियों और सतत प्रशिक्षण का सकारात्मक परिणाम है।

सविता भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी बड़े पदक जीतने की क्षमता रखती हैं।

सविता मुर्मू की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी सच्चिदानंद द्विवेदी तिग्गा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए सोरेंग, राज्य खेल कोषांग के सदस्य, कोच ज्ञान प्रकाश, सिद्धू किस्कू, मैनेजर हिमाद्री और नीरज कुमार ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विश्वजीत राज सिंह ने जीता कांस्य पदक

रांची : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अधीन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की अगुवाई में अरुणाचल प्रदेश के इटानगर स्थित खेलो इंडिया इंडोर स्टेडियम में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता में झारखंड के ताइक्वांडो खिलाड़ी विश्वजीत राज सिंह ने अपने उत्कृष्ट कौशल और अदम्य जज्बे का परिचय देते हुए अंडरझ17 बालक वर्ग के63 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर राज्य को गौरवान्वित किया है। विश्वजीत ने पूरे टूनार्मेंट में बेहतरीन स्पीड, स्ट्राइक और डिफेंस का प्रदर्शन कर विरोधियों को चकित किया। विश्वजीत ए पहले मैच में गोवा को 2-0 से पराजित किया,दूसरे मैच में पुडुचेरी को 2-0 से हराया, क्वार्टर फाइनल में चंडीगढ़ को 2-0 से मात दी, सेमीफाइनल में मणिपुर से कड़े संघर्ष में 1-2 से पराजय किया ।लगातार तीन जीत के बाद सेमीफाइनल तक पहुँचकर विश्वजीत ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया और झारखंड के लिए एक और राष्ट्रीय उपलब्धि सुनिश्चित की।

70 पुड़िया गांजा के साथ एक युवक गिरफ्तार

राँची : चुटिया थाना क्षेत्र में स्टेशन रोड पटेल चौक के पास से करीब 70 पुड़िया गांजा के साथ चुटिया पुलिस ने एक युवक गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।गिरफ्तार युवक अंकित कुमार दत्ता अयोध्यापुरी चुटिया का रहने वाला है।बताया जाता है कि पटेल चौक के पास एक गुमटी में गांजा और ब्राउन शुगर बिक्री होने की सूचना एसएसपी को मिली थी।इसी सूचना के आधार पर सिटी डीएसपी केवी रमन और चुटिया थाना प्रभारी पूनम कुजूर ने छापेमारी कर आरोपी को दबोचा है।

शिक्षा में बदलाव से ही बेरोजगारी की चुनौती पर विजय संभव : रेल डीजी

बिभा संवाददाता

बोकारो : औपचारिक शिक्षा आज की परिस्थिति का एक हिस्सा मात्र है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीनी युग में जहां नौकरियों पर संकट है, ऐसे में कौशल-आधारित ज्ञान तथा शिक्षा की मौजूदा व्यवस्था में परिवर्तन अत्यंत आवश्यक है। बदलते समय की मांग के मुताबिक अगर हम ऐसा नहीं करेंगे, तो आनेवाले समय में भारत में बेरोजगारों की फौज बढ़ती चली जाएगी। इस चुनौती पर विजय के लिए शिक्षा का पुनर्उन्मुखीकरण (री-ओरिएंटेशन) करने की नितांत आवश्यकता है। उक्त बातें झारखंड के महानिदेशक (रेल) अनिल पालटा ने कहीं। श्री पालटा शनिवार देर शाम डीपीएस बोकारो में विद्यालय के गंगा, जमुना व रावी सदन की ओर से आयोजित द्विवार्षिक सदनोत्सव 'संगम' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बच्चे केवल पारंपरिक किताबी ज्ञान और घर में केवल मोबाइल और इंटरनेट पर ही सिमटे न रहें। कौशल-विकास पर ध्यान दें तथा केवल सकारात्मक उद्देश्यों के लिए ही मोबाइल का इस्तेमाल करें। बाह्य सक्रियता अत्यंत आवश्यक है और इस दिशा में अभिभावकों की भूमिका तथा विद्यालयों का सहयोग काफी अहम है।

श्री पालटा ने बोकारो में अपने छात्र-जीवन के अनुभव साझा करते हुए एजुकेशन हब के रूप में बोकारो की प्रतिष्ठा तथा इसमें डीपीएस बोकारो की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया। हालांकि, उन्होंने बोकारो में प्लस टू के बाद महाविद्यालय स्तर की अच्छी पढ़ाई तथा उच्चतर शिक्षा की कमी के कारण छात्रों के पलायन पर चिंता भी व्यक्त की। सांस्कृतिक विरासत विषयवस्तु पर आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपनी मनोहारी रंगारंग प्रस्तुतियों के जरिए भारत की कलात्मक व सांस्कृतिक विविधता की बहुरंगी छटा बिखेरी। मुख्य अतिथि श्री पालटा ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए और उनके समग्र विकास की दिशा में डीपीएस बोकारो की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

अपने संबोधन में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने मुख्य अतिथि, अभिभावकों एवं समस्त अभ्यागतों का स्वागत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के प्रति विद्यालय की कटिबद्धता जताते हुए उन्होंने इस दिशा में कला-संगीत की महत्ता रेखांकित की तथा संगम के इस आयोजन को विद्यालय की गौरवपूर्ण उपलब्धियों का महोत्सव बताया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों के समग्र उत्थान के लिए ऑनलाइन शिक्षा की बजाय विद्यालयी शिक्षा पर विशेष बल दिया। साथ ही, अभिभावकों से अपने बच्चों के साथ समय बिताने व मित्र बनकर उनका मार्गदर्शन करने की अपील भी की। इस क्रम में विद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका - जेनिथ के नए संस्करण का विमोचन भी किया गया। प्राचार्य ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंटकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

शहर में खाली पड़ी जमीन को विस्थापित बेरोजगार युवाओं को व्यवसाय के लिए आवंटित करें: मंटू यादव

बिभा संवाददाता

बोकारो : दिशोम जाहेर गढ़, सेक्टर-4 में आज जय झारखंड विस्थापित मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक लालमोहन हेम्ब्रम की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में विस्थापितों से जुड़ी ज्वलंत समस्याओं पर विस्तृत विमर्श किया गया और प्रबंधन के प्रति कड़ा रुख अख्तियार किया गया।

बैठक में उपस्थित झामुमो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने विस्थापितों की लगातार उपेक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विस्थापितों का बोकारो प्लांट की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, फिर भी उन्हें लगातार हाशिये पर धकेला जा रहा है।

मंटू यादव ने बीएसएल प्रबंधन पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि ठेका मजदूरों पर बाइक स्टैंड संचालन के नाम पर मनमानी की जा रही है, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने तत्काल मांग की कि बीएसएल प्रबंधन को ठेका मजदूरों के लिए गेट से कार्य स्थल तक जाने हेतु निशुल्क बस सेवा शुरू करनी चाहिए ताकि उन्हें कार्य स्थल तक पहुंचने में सहूलियत हो सके। मंटु यादव ने आगे कहा कि यदि प्रबंधन वास्तव में सामाजिक दायित्व निभाना चाहता है तो उसे बाइक स्टैंड या अन्य ऐसे संचालन की जिम्मेदारी विस्थापित संगठनों को सौंपनी चाहिए और इसका पूरा संचालन व्यय उरफ मद से वहन करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने शहर के अंदर खाली पड़ी जमीनों को विस्थापित बेरोजगार युवाओं को व्यवसाय हेतु आवंटित करने का भी आग्रह किया, ताकि वे सम्मानजनक तरीके से अपनी आजीविका चला सकें।

महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि विस्थापितों की समस्याओं को प्रबंधन द्वारा गंभीरता से नहीं लिया गया तो संगठन एक बड़े आंदोलन को तेज करने के लिए बाध्य होगा। बैठक को संबोधित करते हुए लालमोहन हेम्ब्रम ने कहा कि विस्थापित अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है प्रबंधन समय रहते चैत जाए नहीं तो सारे विस्थापित गोल बंद होकर बोकारो प्लांट प्रबंधन के विरोध जोरदार आंदोलन का रुख अख्तर करेगी जिसका जवाब दे स्वयं प्रबंधन होंगे विस्थापित नौजवान अब प्रबंधन के मनमानी बर्दाश्त नहीं करेगी।

संक्षिप्त खबरें

मोतियाबिंद के 30 मरीजों का सफल ऑपरेशन

बोकारो(बिभा)। जिला अंधापन नियंत्रण समिति के सहयोग से हाजी एआर मेमोरियल नेत्र रोग अस्पताल, बेरमो कथारा ने रविवार को तुपकाडीह स्थित मां सरस्वती विद्या मंदिर के प्रांगण में निःशुल्क नेत्र रोग जांच शिविर आयोजित किया ।शिविर का उद्घाटन होते ही डॉ. अरोफिल, डॉ. राजेश कुमार एवं डॉ. रामप्रसाद यादव ने कुल 58 लोगों की आंखों की जांच की। जांच में 30 लोगों को मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई, जिन्हें लेंस प्रत्यारोपण विधि से ऑपरेशन के लिए अस्पताल ले जाया गया ।डॉ. अरोफिल ने बताया कि आंखें ईश्वर की अनमोल देन हैं, और उनकी देखभाल हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आसपास फैले धूलकण, खासकर कारखानों की वजह से मोतियाबिंद की समस्या बढ़ रही है ।मुख्य अतिथि, मुखिया शांति देवी ने कहा कि इस स्कूल में सालाना इस प्रकार के शिविर लगाना आदर्श कार्य है। उन्होंने प्राचार्य कामदेव महतो और मुफ्त इलाज करने वाले डॉक्टरों की प्रशंसा की ।इस मौके पर लक्ष्मीकांत सिन्हा, कृष्णा अग्रवाल, बीके सिंह, मनोज अग्रवाल समेत अन्य सामाजिक लोग भी उपस्थित थे ।यह शिविर क्षेत्र में नेत्र स्वास्थ्य सेवा को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया है।

तम्बाकू का असली काम-आज स्वाद जायेगा, कल आवाज भी, तो हो जाए सावधान: जिला परामर्शी

बोकारो(बिभा) : सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के आदेशानुसार पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय धवैया, गोमिया में तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने हेतु सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को तम्बाकू से होने वाले जनित रोगों से अवगत कराया गया। सोशल वर्कर छोटेलाल दास ने सभी बच्चों को बताया कि चबाने वाला तम्बाकू का असली काम जीभ को सुन्न करने और गला जलाने का है। इसका ज्यादा उपयोग से आज स्वाद जायेगा कल आवाज भी जाएगा। यदि कोई बच्चा तम्बाकू का उपयोग करता है तो तम्बाकू छोड़ने के लिए तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र या अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क करें और परामर्शी सेवा के साथ-साथ तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ लें। स्कूल प्राचार्य ने अपने सम्बोधन मे बच्चों को बताया कि तम्बाकू का उपयोग से कैंसर, टीबी, अस्थमा, उच्च रक्तचाप एवं अलसर जैसे घातक बीमारियां होती हैं। हम सभी बच्चों को सलाह देंगे कि जिन्दगी जियें भरपूर, गुटखा-खैनी की लत से रहें दूर। आज ही पहला कदम उठायें और तम्बाकू छोड नई जीवन की शुरूआत करें। कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य के साथं स्वास्थ्य विभाग के सोशल वर्कर छोटेलाल दास, दन्त सहायक विक्की कुमार एवं विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

मोबाइल दुकान की छत तोड़कर चोरी, हजारों के मोबाइल और सामान पर किया हाथ साफ

खलारी(बिभा)। खलारी थाना क्षेत्र के डकरा गुरुद्वारा चौक स्थित मोबाइल केयर दुकान में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान की छत तोड़कर भीतर प्रवेश किया और करीब 50 हजार रुपये मूल्य के मोबाइल फोन व एसेसरीज चोरी कर फरार हो गए। घटना का पता रविवार सुबह तब चला जब दुकान मालिक दुकान खोलने पहुंचे और अंदर बिखरा सामान देखकर दंग रह गए। संबंध में दुकानदार तबरेज अंसारी ने बताया कि चोरों ने पूरी योजना के तहत फिल्मी अंदाज में चोरी की घटना को अंजाम दिया। उन्होंने कहा, ह्लरात तक सब ठीक था, लेकिन सुबह देखा तो छत टूटी हुई थी और दुकान से मोबाइल व अन्य सामान गायब थे। इससे पहले भी मेरी दुकान में दो बार चोरी हो चुकी है। हर बार प्रशासन केवल आश्वासन देता है, लेकिन चोरों की गिरफ्तारी नहीं होती ।ह्वघटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुकान तथा आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। पुलिस ने कई संदेहास्पद लोगों से पूछताछ भी की है, हालांकि अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। स्थानीय व्यापारियों ने लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए रात्रि गश्ती और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि पुलिस यदि समय रहते कठोर कार्रवाई करे तो ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है।

बोकारो में सात जुआरी गिरफ्तार, भरी मात्रा में अवैध शराब बरामद

बिभा संवाददाता

बोकारो। माराफारी थाना क्षेत्र के धोईचा टोला में शनिवार देर रात पुलिस ने छापेमारी कर सात लोगों को जुआ खेलते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर माराफारी थाना प्रभारी मोहम्मद आजाद खान के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई, जिसने राम राय होनहागा के घर के पास बने अहाते में छापेमारी की। इस कार्रवाई में सात जुआरियों को पकड़कर उनके कब्जे से ताश के पत्ते, 5530 रुपये नगद, 23 विदेशी शराब की बोतलें, सात मोबाइल फोन और एक हॉन्डा रढ 125 मोटरसाइकिल बरामद की गई है ।गिरफ्तार किया गया व्यक्ति विकास कुमार (पिता डोमन प्रसाद), मिथलेश कुमार (पिता स्व. राम बहादुर सहानी), गुलशन कुमार (पिता उपेन्द्र कुमार सिंह), संतोष पासवान (पिता देव नारायण पासवान), राम राय होनहांगा (पिता स्व. राम लाल होनहांगा), शंकर कुमार साव (पिता राजेन्द्र साव) और राम कुमार (पिता स्व. सुर्दशन प्रसाद) हैं। ये सभी माराफारी थाना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों रितुडीह, झोपड़ी कॉलोनी, धोईचा टोला तथा बीएस सिटी के निवासी हैं ।पुलिस ने इस मामले में माराफारी थाना में कांड संख्या 86/25 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 112(2), 292 बीएनएस०, बंगाल सार्वजनिक अधिनियम 1867 एवं उत्पाद शुल्क अधिनियम 47ए के तहत मुकदमा दर्ज किया है। छापेमारी दल में उपनिरीक्षक बदरूजामा, सहायक निरीक्षक अरविंद प्रसाद यादव, सहायक निरीक्षक संतोष कुमार, हवलदार कामेश प्रसाद यादव और आरक्षी रहबर खान, अबोध रजवार, सुरेश हेम्ब्रम, शत्रुधन कुमार शामिल थे ।पकड़ी गई शराब में प्रमुख रूप से रॉयल चैलेंज 180 एमएल की 10 बोतलें, आइकॉनिक व्हाइट 375 एमएल की 11 बोतलें, ब्लेंडर प्राइड 375 एमएल की एक बोतल और किंगफिशर बीयर 650 एमएल की एक बोतल शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से माराफारी थाना क्षेत्र में जुआ और अवैध शराब के खिलाफ सख्ती का संदेश गया।

जनवादी लेखक संघ बोकारो ने दी कथाकार नारायण सिंह को श्रद्धांजलि

बोकारो : जनवादी लेखक संघ बोकारो द्वारा सेक्टर 4 एफ में साहित्यकार प्रहलाद चंद्र दास के आवास पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर हाल ही में दिवंगत हुए झारखंड के प्रसिद्ध कथाकार नारायण सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। सभा में उपस्थित साहित्यकारों ने साहित्यकार नारायण सिंह के कृतित्व और उनके व्यक्तित्व पर चर्चा की। विशेष रूप से उनके उपन्यास ₹ये धुआं कहां से उठता है₹ और उनकी अद्यतन कृति ₹सीता बनाम राम₹ पर चर्चा हुई। अंत में सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोकारो में हिन्दी और मगही के वरिष्ठ कवि आर. पी.वर्मा की सद्यः प्रकाशित पुस्तक ₹धनियां आ होरी देखली (मगही कविता संग्रह) का लोकार्पण किया गया। मौके पर कथाकार प्रहलाद चंद्र दास, ललन तिवारी, कुमार सत्येन्द्र, शांति भारत, आर पी वर्मा, अजय यतीश इत्यादि लोग उपस्थित थे।

बोकारो: स्वास्थ्य विभाग के लैब तकनीशियन संतोष कुमार लम्बे समय से लापता, प्रशासन मौन

बिभा संवाददाता

बोकारो : स्वास्थ्य विभाग, बोकारो के लैब तकनीशियन संतोष कुमार कुछ दिनों से लापता हैं, लेकिन प्रशासन उनकी खोज में अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। इस वजह से स्थानीय समाज में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थिति को लेकर ब्रह्मर्षि परिवार ने विकट चिंता जताई है और आंदोलन की चेतावनी दी है। आज सेक्टर 4जी, 3175 में ब्रह्मर्षि परिवार की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर एन के राय ने की और संचालन आयोजक मंडल सदस्य प्रेम कुमार ने संभाला। प्रेम कुमार ने बताया कि संतोष कुमार की गुमशुदगी को लेकर प्रशासन की निष्क्रियता समाज में भारी असंतोष का कारण बन रही है। उन्होंने बताया कि आगामी 7 दिसंबर को चास मगध मंडप, अविनाश जीके आवास पर बैठक कर आंदोलन की तिथि और रूपरेखा तय की जाएगी। इस आंदोलन में समाज के लोग उपायुक्त कार्यालय के समक्ष सिविल सर्जन, उपायुक्त और एसपी की गैर जिम्मेदाराना रवैये के खिलाफ अपनी मांगें लेकर प्रदर्शन करेंगे। ब्रहमर्षि परिवार के सदस्य एन एन पी साही ने बताया कि ऐसे मुद्दों पर समाज को एकजुट करने के लिए हर 15 दिन में विभिन्न क्षेत्रों में बैठकें आयोजित की जाएंगी। बैठक में एच के चौधरी, अशोक कुमार राय, सुशील कुमार ठाकुर, पियूष राय, श्याम मनोहर सिंह, बाल कृष्णा मुरारी, रचित कुमार, सुधीर कुमार, के के सिंह, सर्वेश चौधरी, संजय कुमार, मदन प्रसाद सिंह, शैलेन्द्र कुमार, विकास ठाकुर, अनिल कुमार सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे ।स्थानीय समाज सरकार और प्रशासन से संतोष कुमार की खोज में तत्परता दिखाने व जल्द से जल्द उनकी सकुशल वापसी सुनिश्चित करने की मांग कर रहा है।

दुगार्पुर पंचायत में पीयर लीडर कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। कसमार प्रखंड के दुगार्पुर पंचायत में सहयोगिनी संस्था द्वारा किशोरी पीयर लीडर्स के लिए एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में विभिन्न गांवों से आई किशोरियों एवं पीयर लीडर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोरियों में नेतृत्व क्षमता का विकास, कैपेसिटी बिल्डिंग, जीवन में आने वाली चुनौतियों का सकारात्मक रूप से सामना करना, समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना तथा उनके अंदर आत्मविश्वास में वृद्धि करना था।

प्रशिक्षण का संचालन ट्रैनर प्रेम कुमार महतो द्वारा किया गया। उन्होंने टीमवर्क, प्रभावी संवाद कौशल, निर्णय लेने की क्षमता एवं समस्या समाधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा पीयर लीडर्स समाज में परिवर्तन की वाहक होती हैं। यदि वे आत्मनिर्भर और जागरूक बनेंगी, तो गांव की हर लड़की और महिला सशक्त हो सकेगी।

उन्होंने कहा इस प्रकार की कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग से किशोरियाँ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती हैं और अपने समुदाय में बदलाव की मिसाल पेश करती हैं।

ट्रेनिंग के दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि वे अपने-अपने गांवों में बाल विवाह, बाल श्रम एवं बाल यौन शोषण जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं।

सहयोगिनी संस्था की एनिमेटर बिनीता देवी ने बताया कि संस्था दुगार्पुर पंचायत में किशोरी एवं महिला समूहों के साथ मिलकर जीवन कौशल और नेतृत्व क्षमता के विकास पर कार्य कर रही है, ताकि वे हिंसा और भेदभाव के खिलाफ सशक्त आवाज उठा सकें।

कार्यक्रम ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा, जिसने प्रतिभागी किशोरियों में नेतृत्व और आत्मविश्वास की नई ऊर्जा भर दी।

इस अवसर पर संस्था की एनिमेटर बिनीता देवी, बिंदु कुमारी, लाडली खातून, प्रीति कुमारी, खुशबू कुमारी, मनीषा कुमारी, मालवती कुमारी, नेहा कुमारी, पूनम कुमारी, वर्षा कुमारी, डोली कुमारी सहित कई किशोरियाँ उपस्थित रहीं।

झारखण्ड पब्लिक स्कूल डकरा में चौथी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का रंगारंग आयोजन

बिभा संवाददाता

खलारी : झारखंड पब्लिक स्कूल, मोहन नगर डकरा में रविवार को विद्यालय की चौथी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता हर्षोल्लास और जोरदार उत्साह के साथ आयोजित की गई ।इस अवसर पर एन.के. एरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य,बूढ़मू तथा भारतीय जनता पार्टी रांची जिला महामंत्री ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।कार्यक्रम का शुभारंभ रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ किया गया , इसके उपरांत विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभिषेक कुमार चौहान एवं खेल शिक्षक गणेश कुमार महतो ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि एन के एरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता ने 600 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने कहा कि झारखंड पब्लिक स्कूल मोहन नगर डकरा शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। पिछले वर्ष मैट्रिक परीक्षा में 100 प्रतिशत परिणाम देने के बाद अब खेल के क्षेत्र में भी विद्यालय के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय, सीबीएसई जोनल तथा क्लस्टर स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खलारी प्रखंड का नाम रोशन किया है ।प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच 100 मीटर, 200 मीटर, 600 मीटर दौड़, कनिष्ठ वर्ग में 60 मीटर दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, भाला फेंक, तथा छोटे बच्चों के लिए बिस्किट दौड़ एवं मार्बलझ्चम्मच दौड़ जैसी रोचक प्रतिस्पधाएं आयोजित की गईं ।समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में खलारी के पुलिस उपाधीक्षक रामनारायण चौधरी ने मौजुद विजेता खिलाड़ियों को पदक व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। फुटबॉल, क्रिकेट, कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया ।कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों ने विभिन्न खेलों में निर्णायक एवं संचालन की जिम्मेदारी निभाई। संचालन की भूमिका शिक्षिका पूजा मंडल एवं प्रिया कुमारी ने निभाई। विद्यालय प्रबंधन की ओर से स्थापना दिवस से लेकर अब तक की उपलब्धियों को मंच पर विस्तारपूर्वक बताया गया तथा भविष्य में छात्रों को शिक्षा एवं खेल दोनों क्षेत्रों में कोयलांचल का नाम रोशन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया ।इस मौके पर राजू देवी ट्रस्ट के सचिव ज्योति चौहान, संस्थापक सदस्य संजय चौहान, समाजसेवी कृष्णा चौहान सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद थे ।

बोकारो स्टील प्लांट में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

बिभा संवाददाता

बोकारोः बोकारो स्टील प्लांट के डिप्लोमा इंजीनियरों द्वारा आयोजित टेनिस बॉल क्रिकेट टूनामेंट ₹स्टील चैंपियंस ट्रॉफी₹ का भव्य शुभारंभ सेक्टर 4 क्रिकेट स्टेडियम में हुआ। उद्घाटन समारोह में बीजीएच के सीएमओ डॉक्टर अनिंदा मंडल और डॉक्टर इंद्रानिल चौधरी ने संयुक्त रूप से गुब्बारा उड़ा कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में ईटीएल के महाप्रबंधक भी उपस्थित थे ।पिछले तीन वर्षों से सफलतापूर्वक यह टूर्नामेंट बोकारो स्टील प्लांट के डिप्लोमा कर्मचारियों द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस बार कुल 28 टीमों ने हिस्सा लिया है, जो प्लांट के विभिन्न विभागों के नॉन-एग्जीक्यूटिव कर्मचारियों से बना है। टूर्नामेंट में टीम रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 13 नवंबर निर्धारित की गई थी, जिसके बाद नई टीमों के पंजीकरण नहीं लिए गए ।टूर्नामेंट कुल 62 मैचों का होगा, जिसमें 40 लीग मैच, 15 सुपर 13 मैच, 4 क्वार्टर फाइनल, 2 सेमीफाइनल और 1 फाइनल मैच शामिल है। लीग और सुपर 12 के मैच 12-12 ओवर के होंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल मैच 14-14 ओवर के होंगे। प्रत्येक टीम में 11 मुख्य खिलाड़ी और 3 अतिरिक्त खिलाड़ी शामिल हैं। सभी टीमों के ग्रुप लॉटरी के माध्यम से बनाए गए हैं ।पहले दिन का पहला मैच मशीन शॉप और एसीवीएस विभाग के बीच हुआ, जिसमें एसीवीएस टीम ने 32 रन से शानदार जीत हासिल की। दूसरे मैच में एचएसएम (आरएचएफ) ने स्टोर की टीम को सात विकेट से हराया। तीसरे मैच में बीपीएससीएल और आरईडी की टीमें एक-दूसरे से भिड़ीं, जिसमें आरईडी ने एक विकेट से जीत दर्ज की। दिन का अंतिम मुकाबला एचआरसीएफ और नगर सेवा भवन की टीम के बीच खेला गया ।इस प्रकार ₹स्टील चैंपियंस ट्रॉफी₹ का रोमांचक आगाज हो चुका है, जिसमें कर्मठ कर्मचारियों की लड़ाई देखने को मिल रही है। टूर्नामेंट अगले कई दिनों तक इसी प्रकार उत्साह और जोश के साथ जारी रहेगा।

धनबाद सदर अस्पताल कैंपस में बनेगा पीपीपी मोड में मेडिकल कॉलेज : अपर मुख्य सचिव

बिभा संवाददाता

धनबाद। महंगे अस्पतालों में इलाज करा पाने में असमर्थ रहने पर सरकारी अस्पतालों का रुख करनेवाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, धनबाद सदर अस्पताल जोकि वर्तमान में 100 बेड का अस्पताल है, वह जल्द ही डेढ़ सौ बेड का अस्पताल हो जायेगा। यही नहीं मेडिकल कॉलेज बनने के बाद बेडो की संख्या बढ़कर 420 हो जाएगी। रविवार को धनबाद दौरे पर पहुंचे अपर मुख्य सचिव ने इसके संकेत दिए हैं। तीन दिवसीय दौरे में धनबाद पहुंचे राज्य के विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने धनबाद के सदर अस्पताल के निरीक्षण के दौरान बताया कि 16 करोड़ की लागत से सदर अस्पताल के कैंपस का सौन्दर्यकरण कार्य होना है, जिसमे कई भवन भी बनने हैं, जिसके बाद सदर अस्पताल 100 बेड से डेढ़ सौ बेड का अस्पताल हो जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि सदर अस्पताल कैंपस में ही पीपीपी मोड, यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप में मेडिकल कॉलेज भी बनना है, जिसकी स्वीकृति भारत सरकार से मिल भी चुकी है और राज्य सरकार से इसकी स्वीकृति प्रक्रिया में है। मेडिकल कॉलेज बन जाने से पूरा अस्पताल 420 बेड का हो जायेगा। अपर मुख्य सचिव के हाथों से सदर अस्पताल कैंपस में निर्मित आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र का भी उद्घाटन हुआ। इस दौरान कुपोषण उपचार केंद्र के साथ साथ सदर अस्पताल के विभिन्न विभागों का उन्होंने निरीक्षण भी किया। अपर मुख्य सचिव ने निरीक्षण के दौरान सदर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था को संतोषजनक पाया। साथ ही उन्होंने धनबाद डीसी आदित्य रंजन के द्वारा किये गए प्रयासों की भी सरहाना की। बहरहाल, अपर मुख्य सचिव ने अपने दौरे में यह स्पष्ट कर दिया है कि अगले छह माह में सदर अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था में कई और परिवर्तन देखने को मिलेंगे।

स्वास्थ्य विभाग के मुख्य सचिव ने एसएनएमएमसीएच और सुपर स्पेशियलिटी परिसर का किया निरीक्षण

धनबाद। झारखंड स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने रविवार को शहीद निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) और सुपर स्पेशियलिटी परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में चल रही स्वास्थ्य सेवाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर, ओपीडीझआईपीडी संचालन और सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्य सचिव ने बताया कि वर्तमान ओपीडी को अगले 6 महीने के भीतर नए ओपीडी भवन में शिफ्ट कर दिया जाएगा, जबकि आईपीडी सेवाएं अभी मौजूदा भवन में ही जारी रहेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए अस्पताल में 420 बेड क्षमता वाले नए आईपीडी भवन का निर्माण कराया जाएगा, जिससे मरीजों को अधिक और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। मुख्य सचिव ने कहा कि अगले 4 महीने में सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी। इसके लिए डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया खढरउ के माध्यम से पूरी की जाएगी। उन्होंने स्वीकार किया कि धनबाद में सुपर स्पेशियलिटी भवन का निर्माण लगभग 12 साल पहले पूरा हो गया था, लेकिन सेवाएं अब तक शुरू नहीं हो सकीं। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि अगले 6 महीने में ये सेवाएं हर हाल में जनता को समर्पित कर दी जाएंगी। इसके अलावा मुख्य सचिव ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी सीटों के विस्तार का बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पीजी(पोस्ट ग्रेजुएशन) सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 250, और यूजी(अंडर ग्रेजुएशन) सीटों को 19 से बढ़ाकर 100 किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

यातायात नियमों के विरोध चलने वाले वाहन चालकों को लातेहार पुलिस ने माला पहनाया

लातेहार(बिभा) : यातायात नियमों का अनुपालन कराने के लिए लातेहार पुलिस ने अब गांधीगिरी का तरीका अपनाया है. यातायात नियमों का प्रभावी ढंग से अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लातेहार पुलिस ने एक अभिनव और रचनात्मक दृष्टिकोण बरतना शुरू कर दिया है. पुलिस ने अब गांधीगिरी की अवधारणा को अपनाया है, जो अहिंसक प्रतिरोध और नैतिक अनुनय पर आधारित है.रविवार को थाना प्रभारी रामाकांत गुप्ता ने उन वाहन चालकों को फूलों की माला पहनाई, जो बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल चला रहे थे और बिना सीट बेल्ट के चार पहिया वाहन चला रहे थे. यह प्रतीकात्मक इशारा चालकों को उनके उल्लंघन के प्रति संवेदनशील बनाने और उन्हें यातायात सुरक्षा के महत्व को समझाने के लिए किया गया था. इस अवसर पर थाना प्रभारी ने वाहन चालकों से विनम्रतापूर्वक और दृढ़ता से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की. थाना प्रभारी ने कहा कि जिले में बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं में जानमाालकी क्षति को कम करने के उदेश्य से जिल में उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कई प्रयास स किये जा रहे हैं. यह उसी प्रयास कर एक हिस्सा है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने से अक्सर गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप न केवल जान का नुकसान होता है, बल्कि संपत्ति का भी भारी नुकसान होता है. उन्होंने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के साथ-साथ सड़क पर मौजूद अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें. यह अपील एक सकारात्मक और गैर-टकराव वाले तरीके से की गई थी, जिसका उद्देश्य लोगों को भयभीत करने के बजाय उन्हें शिक्षित और प्रेरित करना था. मौके पर एसआई कुबेर पोद्दार के अलावा पुलिस बल के जवान शामिल थे.

चोरी की मोटरसाइकिलों की खरीद बिक्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार एक फरार

लोहरदगा(बिभा) : रविवार को पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि शनिवार को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चरिमा बगीचा के पास की गई छापामारी में चोरी की मोटरसाइकिलों के खरीद बिक्री नेटवर्क का पदार्फाश किया है ।छापामारी के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया गया,जबकि एक आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया।पुलिस ने मौके से कुल चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं ।गुप्त जानकारी प्राप्त होने पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) श्रद्धा केरकेट्टा के नेतृत्व में कैरो थाना प्रभारी कुंदन कुमार रवानी सहित पुलिस टीम ने चरिमा बगीचा में छापामारी की गई ।इस दौरान पुलिस को देखते ही दो युवक भागने लगे,जिनमें से एक को बल प्रयोग कर पकड़ लिया गया ।गिरफ्तार युवक की पहचान जसीम अंसारी (20 वर्ष),पिता रयुम अंसारी निवासी चरिमा नाथुटोला,थाना कैरो के रूप में की गई ।पूछताछ में जसीम ने बताया कि फरार युवक उसका मित्र मेराज खान,पिता रहमान खान,निवासी घाघरा, थाना बेड़ो राँची का है। मौके से पुलिस ने दो बाइक बरामद की है। पूछताछ में जसीम ने आगे बताया कि चोरी की दो अन्य मोटरसाइकिलें उसके घर के आंगन में भी खड़ी हैं,जिन्हें समसुल अंसारी उर्फ शंभु,पिता सबुत अंसारी उर्फ लंगड़ा (चरिमा नाथुटोला) और फैजल खान, पिता समसुद्दीन खान (घाघरा थाना बेड़ो राँची) ने बेचने के लिए दिया था। पुलिस टीम ने दोनों मोटरसाइकिलों को भी बरामद किया है। वही पुलिस ने बताया की जसीम अंसारी का पहले भी आपराधिक इतिहास है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी जारी है ।इस छापामारी दल शामिल श्रद्धा केरकेट्टा एसडीपीओ लोहरदगा,कुंदन कुमार रवानी थाना प्रभारी कैरो,पु०अ०नि० अमित कुमार मुर्मू,स०अ०नि० रंजन कुमार सिंह,हवलदार गुड्डू कुमार शर्मा,आ.180 सुजीत उराँव तथा कैरो थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

सदर अस्पताल परिसर में आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र का हुआ उद्घाटन

बिभा संवाददाता

धनबाद। सिविल सर्जन कैंपस में सदर अस्पताल के नव निर्मित आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र का रविवार को राज्य के विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह तथा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस दौरान अपर मुख्य सचिव अजय कुमार ने रिसेप्शन एरिया, वार्ड 1 तथा 2, किचेन एरिया, प्ले एरिया, डॉक्टर चैंबर समेत पूरे परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने उपायुक्त के प्रयास से तैयार इस आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र की व्यवस्था देखकर सराहना की।

अपर मुख्य सचिव ने इलाजरत बच्चों तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर स्वास्थ्य सुविधाओं तथा बच्चों का हाल चाल जाना। उन्होंने इलाजरत बच्चों के बीच पोषक आहार किट का वितरण भी किया जिसका प्रयोग बच्चे डिस्चार्ज होने के बाद अपने घरों में करेंगे।

इस आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) में बेड से लेकर बच्चों के इलाज और मनोरंजन की तमाम व्यवस्था की गई है। जिसमे मॉड्यूलर किचेन है ताकि साफ - सफाई का ध्यान रखा जाए। सभी चीजें व्यवस्थित हो और बच्चों के पोषण से संबंधित खाना बना सके। साथ ही साथ पूरे क्षेत्र को बच्चों से संबंधित (चाइल्ड फ्रेंडली)चिजो (खेल कुद, शिक्षा, आदि) में डेवलप किया गया है ताकि बच्चो बच्चो का मन लगे । प्रतिदिन यहां उनका ग्रोथ रेट देखा जाएगा। आने वाले समय मे यह आदर्श कुपोषण केन्द्र पूरे राज्य के लिए बनेगा इस सोच के साथ कार्य किया जा रहा है। जिला के बाकि कुपोषण केन्द्र को भी इसी तरह सुदृढ्ढ किया जाएगा।

इस आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) में बैंक ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड की भी सहायता ली गई है। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर बैंक ऑफ इंडिया ने कुपोषण उपचार केंद्र में उपायोगी सामग्री उपलब्ध कराई है।

मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा, सदर उपाधीक्षक डॉक्टर संजीव कुमार, आंचलिक प्रबंधक, बीओआई दिनेश प्रसाद, उप आंचलिक प्रबंधक, बीओआई अवरातनु चंद्र समेत अन्य पदाधिकारी तथा कर्मी मौजूद रहें।

अवैध शराब के विरुद्ध उत्पाद विभाग ने सघन छापेमारी अभियान चलाया

बिभा संवाददाता

हजारीबागः उपायुक्त हजारीबाग शशि प्रकाश सिंह के निदेर्शानुसार जिले में अवैध शराब की बिक्री, निर्माण, संचय एवं परिवहन पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने हेतु आज सहायक आयुक्त उत्पाद, हजारीबाग के नेतृत्व में चौपारण थाना अंतर्गत ग्राम वृंदा एवं डोमापहाड़ी में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया ।छापेमारी के दौरान ग्राम क्षेत्र में संचालित अवैध महुआ चुलाई शराब की कई भट्ठियाँ पाई गईं। मौके पर एवं आस-पास छुपाकर रखे गए लगभग 4000 किलोग्राम किन्वयण योग्य जावा महुआ को विनष्ट किया गया। साथ ही 200 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा शराब निर्माण में प्रयुक्त विभिन्न उपकरण एवं समग्रीयाँ जब्त की गईं ।अवैध शराब कारोबार में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत फरार अभियोग दर्ज किया जा रहा है। जिले में अवैध शराब की रोकथाम के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे ।छापेमारी दल में शामिल अधिकारी/कर्मचारीःअवर निरीक्षक, उत्पाद झ सुमितेश कुमार,सहायक अवर निरीक्षक सय्यद बसीरुद्दीन,उत्पाद आरक्षी झ अनूप कुमार सिंह,सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान मौजूद थे ।जिला प्रशासन द्वारा अवैध शराब माफियाओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हेतु सभी प्रखंडों में निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

कांग्रेस संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत दारू प्रखंड में आयोजित बैठक में संगठन मजबूत करने पर जोर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : कांग्रेस संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत दारू प्रखंड में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन विस्तार और स्तर पर पार्टी को मजबूत करने से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक का संचालन दारू पंचायत के मुखिया सह कांग्रेस नेता सुनील कुमार उर्फ. भोला कुशवाहा ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग कांग्रेस ओबीसी जिला अध्यक्ष अजय प्रजापति शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन सृजन कार्यक्रम का मूल उद्देश्य गांव से लेकर जिला स्तर तक कांग्रेस की पकड़ मजबूत करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं, इसलिए उन्हें संगठित और सक्रिय रखने की जरूरत है। प्रजापति ने क्षेत्र की समस्याओं, संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन पर भी विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि दारू प्रखंड कांग्रेस का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और यहां सक्रिय कार्यकताओं की मौजूदगी पार्टी के लिए सकारात्मक संदेश देती है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे एकजुट होकर सामाजिक मुद्दों और जनता के हितों के लिए आवाज उठाएँ। इस अवसर पर कांग्रेस ओबीसी मोर्चा दारू प्रखंड कमिटी का भी गठन किया गया। वहीं बैठक में विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधियों और कांग्रेस कार्यकताओं ने भी अपने सुझाव रखे और संगठन को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। मौके पर राजन राम, अरुण कुमार, कर्मवीर वर्मा, प्रमोद प्रसाद, प्रेमचंद प्रसाद, किशोरी राम, मोहम्मद शाकदत, मोहम्मद शमशुल, खगिया देवी, गौतम कुमार, मनोज राम, सुनील राणा, मोहम्मद जाकिर सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धनबाद में पश्चिम बंगाल पुलिस भर्ती परीक्षा फर्जीवाड़ा रैकेट का भंडाफोड़, 17 गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

धनबाद। झारखंड पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान धनबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 29 नवंबर को झरिया थाना क्षेत्र के घनुवाडीह पुल के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर पूछताछ की गई। वाहन में सवार लोगों से पूछताछ में पता चला कि पश्चिम बंगाल में आयोजित होने वाली पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा में बड़े स्तर पर फजीर्वाड़ा करने के लिए एक संगठित रैकेट सक्रिय है, जो झरिया के एक लॉज में बंगाल से लाए गए अभ्यर्थियों को रखकर प्रश्नपत्र और उत्तर याद करवाने का काम कर रहा था।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने झरिया स्थित बंधन लॉज में त्वरित छापामारी की, जहां से फजीर्वाड़े का पूरा नेटवर्क उजागर हुआ। मौके से भारी मात्रा में प्रवेश पत्र, नोट्स, रजिस्टर, मोबाइल फोन, कलाई घड़ियां, अभ्यर्थियों के मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और बैंकिंग से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए। सभी दस्तावेज रैकेट के सदस्य अपने कब्जे में रखकर परीक्षा को प्रभावित करने की योजना बना रहे थे।

कार्रवाई के दौरान कुल 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें अधिकांश पश्चिम बंगाल के नदिया, राणाघाट, चाकदाहा और हसखली क्षेत्रों के निवासी हैं, जबकि एक आरोपी धनबाद का भी है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि यह गिरोह कई अभ्यर्थियों को गलत तरीके से परीक्षा में सफलता दिलाने के लिए बड़े स्तर पर संचालन कर रहा था।

धनबाद पुलिस के अनुसार, यह पूरे नेटवर्क पर की गई एक बड़ी कार्रवाई है और इस फजीर्वाड़े से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

10वीं जिला तीरंदाजी चैंपियनशिप सफलतापूर्वक संपन्न

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर के कर्जन ग्राउंड में 10वीं जिला तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025-26 का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। 20 से 50 मीटर दूरी तक की विभिन्न स्पधाओं में मिनी,जूनियर तथा कंपाउंड सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में जिला खेल पदाधिकारी एवं कैलाश राम, युवा समाजसेवी सह जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा शामिल हुए वहीं विशिष्ट अतिथि में चंदेश्वर दास,अजित साहू, पूर्व मुखिया गोपाल प्रसाद, थाना प्रभारी अजित कुमार, जिला तीरंदाजी संघ के सचिव मनोज कुमार, दुर्गेश कुमार, नीलम कुमारी, आर्यन कुमार और अलीशबा टुडू सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम से पूर्व सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। इसके बाद अतिथियों ने तीरंदाजी का अभ्यास भी किया, जिसमें उन्होंने खिलाड़ियों के निर्देशन में लक्ष्य भेदन का अनुभव प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किए। कम्पाउंड सीनियर बालिका वर्ग में ज्योति बाला प्रथम और रानी कुमारी द्वितीय रहीं। कम्पाउंड जूनियर बालिका वर्ग में भी ज्योति बाला प्रथम और रानी कुमारी द्वितीय रहीं। कम्पाउंड सीनियर बालक वर्ग में अमन कुमार ने प्रथम, रुपेंद्र कुमार टुरी ने द्वितीय और प्रियांशु कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रिकर्व जूनियर वर्ग में सोनिया कुमारी प्रथम और अभय कुमार यादव द्वितीय रहे। मिनी जूनियर बालक वर्ग में जिग्याशु रंजन प्रथम, सूरज चौधरी द्वितीय और करण राणा तृतीय रहे। मिनी बालिका वर्ग में परिष्मा सिन्हा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।जूनियर बालक 30 मीटर में अभिषेक कुमार प्रथम, सौरभ कुमार द्वितीय और उमांग कुमार तृतीय रहे। बालिका 30 मीटर वर्ग में सपना कुमारी प्रथम और ऋतिका रानी रंजन द्वितीय रहीं। जूनियर बालिका 30 मीटर में मनीषा कुमारी प्रथम रहीं। बालक 50 मीटर वर्ग में सुवीत कुमार प्रथम, सौरभ कुमार द्वितीय और मंजीत कुमार तृतीय रहे। बालिका 40 मीटर वर्ग में मनीषा कुमारी ने प्रथम स्थान हासिल किया। इंडियन राउंड सीनियर बालिका 50 मीटर एवं 30 मीटर दोनों वर्गों में फुलमती कुमारी प्रथम और अंबिका कुमारी द्वितीय रहीं। बालक 50 मीटर से 30 मीटर वर्ग में रियान अख्तर प्रथम, आयुष्मान कुमार द्वितीय और निकुंज नारायण देव तृतीय स्थान पर रहे। सम्मिलित वर्ग 30 से 50 मीटर में निकुंज नारायण देव प्रथम, रियान अख्तर द्वितीय और आयुष्मान कुमार तृतीय रहे। युवा समाजसेवी सह जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने कहा कि हजारीबाग के खिलाड़ी खेल प्रतिभा और अनुशासन में किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि तीरंदाजी हजारीबाग की पहचान बन चुकी है और यहां के युवा खिलाड़ियों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जिला ओलंपिक संघ खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, संसाधन तथा अवसर बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों का उत्साह, प्रशिक्षकों की मेहनत और आयोजकों की प्रतिबद्धता इस आयोजन की सफलता का आधार है। हजारीबाग खेल की धरती है और हम सभी मिलकर इसे राज्य का प्रमुख खेल केंद्र बनाने के लिए लगातार कार्य करेंगे

हजारीबाग में दिनदहाड़े दो चैन स्नैचिंग की घटनाएं, शहर में दहशत पुलिस ने जांच तेज की

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर में रविवार को दिनदहाड़े दो चैन स्नैचिंग की घटनाओं ने शहर में भय और असुरक्षा की स्थिति पैदा कर दी है। कुछ ही घंटों के अंतराल पर हुई इन वारदातों ने पुलिस प्रशासन की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहली घटना कालीबाड़ी रोड स्थित सुशांत कुमार सिंह के घर के पास हुई, जहाँ उनकी मां राजकुमारी देवी बुढ़वा महादेव से लौट रही थीं। जैसे ही वे घर के मुख्य द्वार पर पहुंचीं, दो अज्ञात युवक अचानक उनके पास आए और बातचीत का बहाना बनाकर उनका ध्यान भटकाया। इसी दौरान अपराधियों ने उनके गले से एक भारी के सोने की चैन झपट ली और बाइक से फरार हो गए। यह पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना के बाद उनकी मां के गले में हल्की चोट और दाहिने हाथ में दर्द की शिकायत पाई गई है। सुशांत कुमार सिंह ने तत्काल इस घटना की सूचना संबंधित थाने में दी है। दूसरी घटना पहली वारदात के कुछ ही घंटे बाद कानी बाजार स्थित मुनका बगीचा के पास घटी। यहां पिस्ता देवी को अपराधियों ने निशाना बनाया और मौका पाकर उनके गले से चैन छीनकर फरार हो गए। लगातार दो घटनाओं से स्थानीय लोग स्तब्ध हैं और क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पिस्ता देवी ने भी इस संदर्भ में थाना में आवेदन दिया है। दोनों घटनाओं की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने कहा कि दोनों मामलों की जांच के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही दोनों मामलों का उद्वेदन किया जाएगा। इन घटनाओं के बाद हजारीबाग शहर के लोग भयभीत हैं। लगातार हो रही ऐसी चैन स्नैचिंग ने शहर की कानून-व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। नागरिकों ने पुलिस से गश्ती बढ़ाने और अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है ताकि शहर में सुरक्षा की भावना बहाल हो सके।

संसद का शीतकालीन सत्र : एसआईआर पर बढ़ता संग्राम

विनोद कुमार सिंह

राजनीतिक तापमान दिल्ली की गुलाबी सर्द हवाओं के बीच इन दिनों राजधानी की राजनीतिक फि जा में असामान्य रूप से गरमाहाट से भरी है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी दिल्ली एक ओर वायु प्रदूषण और सुरक्षा चुनौतियाँ दुनिया भर का ध्यान खींच रही हैं,वहीं दूसरी ओर भारतीय लोकतंत्र का मंदिर भारतीय संसद ,1 दिसंबर से19 दिसंबर तक चलने वाले अपने शीतकालीन सत्र के लिए तैयार है। शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले ही सत्ता के गलियारों का माहौल में सभी राजनीतिक दल ने कमर कस ली है।रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य भले ही सहयोग, समन्वय और सुचारू संचालन सुनिश्चित करना था,परंतु पूरी बैठक का केंद्र बिंदु एसआईआर–मतदाता सूची संशोधन विवाद–बनकर उभरा।जिस अंदाज में विपक्ष ने सरकार को घेरा,उससे संकेत साफ हैं कि यह सत्र शांत,सरल या सामान्य नहीं होने जा रहा।सर्वदलीय बैठक की शुरूआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सौहार्दपूर्ण अपील के साथ की।उन्होंने आग्रह किया कि सभी राजनीतिक दल संसद को चलने दें और गरिमामय बहस के साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाएं।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है,विपक्ष जो भी बात उठाना चाहे,उस पर सरकार सदन में संवाद करेगी। उनका कहना था कि बहस होगी, मतभेद भी होंगे,परंतु ये मतभेद व्यवधानों का रूप न लें–यही आशा है।आज की बैठक में जेपी नड्डा, अर्जुन मेघवाल,एल. मुरुगन,कांग्रेस की ओर से प्रमोद तिवारी,जयराम रमेश और गौरव गोगोई, टीएमसी के डेरेक ओह्लब्रायन,आरजेडी के मनोज झा,सपा के रामगोपाल यादव,आप के सुशील गुप्ता सहित तमाम दलों के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।हालाँकि विपक्ष की ओर से अपेक्षित मुद्दों–राष्ट्रीय सुरक्षा,विदेश नीति,प्रदूषण संकट,आर्थिक चुनौतियों–का उल्लेख तो हुआ,लेकिन एसआईआर विवाद ने इन सभी चचाओं को पीछे धकेल दिया।जैसे ही बैठक शुरू हुई, एसआईआर पर उठे प्रश्नों ने माहौल गरमा दिया।विपक्ष का आरोप था कि मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया संदिग्ध है और इससे लोकतांत्रिक ढाँचे की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं।कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी का बयान विशेष रूप से तीखा था–ह्लअब सिर्फ वोट चोरी नहीं, बल्कि डकैती हो रही है।ह्व यह टिप्पणी केवल आरोप नहीं,बल्कि विपक्ष की व्यापक रणनीति की झलक भी थी,जो बताती है कि वह इस मुद्दे को संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह प्रमुख राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करेगा।

टीएमसी,डीएमके और समाजवादी पार्टी ने भी इसी स्वर में सरकार से जवाब माँगा।उनका कहना था कि एसआईआर के बहाने बड़े पैमाने पर जोड़-घटाव किए जा रहे हैं,जिससे चुनावी पारदर्शिता प्रभावित होगी और मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर आंच आएगी।विपक्ष ने मांग की कि सरकार इस विषय पर विस्तृत वक्तव्य दे और सभी असमंजस दूर करे।इस आक्रामकता के बीच जेडीयू नेता संजय झा ने विपक्ष की चिंताओं को अनावश्यक करार देते हुए कहा कि पिछले सत्र में भी विपक्ष ने एसआईआर पर खूब शोर मचाया था,परंतु कोई भी ठोस तथ्य सामने नहीं आ पाया।उन्होंने बिहार चुनाव परिणामों का हवाला देते हुए कहा कि जनता ऐसे आरोपों से प्रभावित नहीं हुई और उसने भ्रम फैलाने वालों को नकार दिया।बैठक समाप्त होने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने और भी स्पष्ट शब्दों में आरोप लगाया कि सरकार धीरे-धीरे संसदीय परंपराओं को कमजोर कर रही है।उनका कहना था कि शीतकालीन सत्र को अनावश्यक रूप से छोटा रखा गया है ताकि गंभीर विषयों पर चर्चा से बचा जा सके।उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा,वायु प्रदूषण, लोकतंत्र की रक्षा और मतदाता सूची सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक बहस की मांग करेगी।माकपा नेता जॉन ब्रिटास ने हाल ही में लालकिले के पास हुए विस्फोट का हवाला देते हुए कहा कि इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को जगजाहिर कर दिया है,इसलिए संसद में इस पर गहन,तथ्यपूर्ण चर्चा होना आवश्यक है।उनका कहना था कि यदि सरकार इन विषयों को टालने की कोशिश करेगी और सत्र बाधित होगा,तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।दूसरी ओर,टीएमसी और डीएमके ने भी विपक्षी एकजुटता का संकेत देते हुए कहा कि यदि संसद जवाबदेही सुनिश्चित नहीं करती तो विपक्ष किसी भी मंच पर अपनी आवाज बुलंद करेगा।विपक्ष अपने मुद्दों को केवल सदन में नहीं,बल्कि जनमानस के स्तर पर भी ले जाने का मानस बना चुका है,और एसआईआर इसका केंद्रबिंदु है।

इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच सरकार अपने विधायी एजेंडे को लेकर पूरी तरह तत्पर दिखाई दे रही है।इस सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत करने जा रही है।इनमें सबसे उल्लेखनीय असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का प्रस्ताव है,जिसके बारे में सरकार का मानना है कि इससे भारत वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में बेहतर स्थान हासिल करेगा।एटॉमिक एनर्जी बिल सहित कुल दस नए विधेयक सदन में रखे जाने की योजना है।सीमित समय को देखते हुए सरकार चाहती है कि अधिकतम विधायी कार्य पूरा किया जा सके और लंबित बिलों को आगे बढ़ाया जाए।यह सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब बिहार विधान सभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने भारी जीत दर्ज की है।इस जीत ने सत्तापक्ष को नई ऊर्जा दी है,लेकिन विपक्ष अपने आरोपों के साथ और भी सशक्त होकर संसद में उतरने की तैयारी कर रहा है।विपक्ष के निशाने पर न केवल एसआईआर है,बल्कि हाल में दर्ज सोनिया और राहुल गांधी पर प्राथमिकी,दिल्ली का प्रदूषण संकट,दिल्ली में आतंकी हमले, सुरक्षा चूक,और चुनावी पारदर्शिता से जुड़े प्रश्न भी हैं।विपक्ष इन सभी मुद्दों को केंद्र में रखते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा करना चाहता है।सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य सहयोग था,परंतु बैठक में उभरे सुरों ने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक सहमति बनना आसान नहीं।अधिकांश नेताओं ने यह अवश्य कहा कि संसद लोकतांत्रिक विमर्श का मंच है और विधेयकों को जल्दबाजी में पास करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए,परंतु यह विचार शायद आने वाले सत्र की वास्तविकता को नहीं बदल सकेगा। किरेन रिजिजू ने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि सरकार हर विषय पर चर्चा को तैयार है बशर्ते विपक्ष अपनी भूमिका रचनात्मक रखे। लेकिन विपक्ष के तीखे सुरों से संकेत मिलता है कि टकराव लगभग तय है।1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में कुल15 बैठकें प्रस्तावित हैं।इतने कम समय में व्यापक मुद्दों पर समग्र चर्चा कर पाना चुनौतीपूर्ण होगा।सरकार जहां अपने सुधारवादी विधेयकों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है,वहीं विपक्ष यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जनता के हित और लोकतांत्रिक मूल्य केंद्र में बने रहें।इन दो ध्रुवों के बीच संसद की कार्यवाही गर्मागरम बहसों,तीखे आरोप-प्रत्यारोपों और कई अवसरों पर व्यवधान से भरी रहने की संभावना है।शीतकालीन सत्र केवल विधायी कामकाज का अवसर नहीं,बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता की परीक्षा भी होगा।सत्ता और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि वे देश की संवैधानिक गरिमा और संसदीय परंपराओं को सर्वोपरि रखें।यह सत्र बताएगा कि क्या राजनीतिक दल इन आदर्शों पर खरे उतरते हैं या फिर राजनीति की गहमागहमी संसद के संचालन पर हावी हो जाती है। ऐसे माहौल में राजनीतिक तापमान दिल्ली की गुलाबी सर्द हवाओं के बीच इन दिनों राजधानी की राजनीतिक फि जा में असामान्य रूप से गरमाहाट से भरी है।

संपादकीय

कानून की परिभाषा अक्सर बदल जाती है

पुनरीक्षण याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 2-1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। नतीजतन, पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो-यह चलन जारी रहेगा। कानून यह है कि कोई किसी भी निर्माण परियोजना पर काम पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद ही होना चाहिए। मगर सरकार ने पहले 2017 में एक अधिसूचना और फिर 2021 में ऑफिस मेमॉरेंडम के माध्यम से प्रावधान कर दिया कि बिना पर्यावरण संबंधी हरी झंडी लिए जिन परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ चुका है, उन्हें बाद में ऐसी मंजूरी दी जा सकेगी। मुद्दा है कि कोई परियोजना जब पर्यावरण को क्षति पहुंचा चुकी हो, तो फिर उसे मंजूरी देने या ना देने की क्या अहमियत है? बहरहाल, सरकार ने ऐसा प्रावधान किया, तो उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। इस वर्ष मई में सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान को रद्द कर दिया।

दो जजों की बेंच ने उचित निर्णय दिया कि ऐसा करना कानून और उसकी भावना के खिलाफ है। मगर चूंकि इस फैसले से बड़े-बड़े हित प्रभावित हो रहे थे, तो पुनरीक्षण याचिका पर कोर्ट ने तीन जजों की बेंच बनाई। अब उस बेंच ने 2-1 के बहुमत से मई में दिए गए फैसले को पलट दिया है। यानी पर्यावरण मंजूरी की बिना परवाह किए काम शुरू करो और बाद में मंजूरी ले लो-यह चलन जारी रहेगा। मई में फैसला देने वाली बेंच में शामिल रहे जज जस्टिस उज्जल भुइंया नई बेंच में भी थे। उन्होंने असहमत फैसला दिया। इसमें उचित ही उन्होंने दिल्ली में छाये स्मॉग का उदाहरण देते हुए देश में गहराते जा रहे पारिस्थितिकीय संकट का हवाला दिया।

उन्होंने इस दलील को ठुकरा दिया कि मई का फैसला लागू रहने पर अरबों रुपये का निर्माण तोडा होगा, इसलिए फैसले को उलट दिया जाए। लेकिन बाकी दो जजों ने 20 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति के दांव पर लगे होने का तर्क देते हुए निर्णय को पलट दिया। वैसे उनके सामने विकल्प यह भी था कि कानून के हुए उल्लंघन पर भारी जुमार्ना लगाते, उल्लंघन होने देने के दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तय करते, और निर्णय देते कि आगे से ऐसा करने की अनुमति नहीं होगी। संदेश साफ है, जब धनी-मानी लोगों के हित जुड़े हों, तो अक्सर कानून की परिभाषा बदल जाती है!

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

2030 तक एड्स महामारी को समाप्त करना: भारत का अगला बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसर

लेखिका
वी हेकाली झीमोमी

भारत एचआईवी/एड्सके खिलाफ अपनी लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। पहली घटना की रिपोर्ट होने के चार दशकों बाद, देश ने राष्ट्रीय एचआईवीरोकथाम और उपचार कार्यक्रमका निर्माण किया है, जो दुनिया के सबसे व्यापक और मजबूतउपचार कार्यक्रमों में से एक है। राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) ने निर्विवाद उपलब्धियाँ हासिल की हैं। नई संक्रमण दर 2010 की तुलना में लगभग आधी रह गई है, एड्स से संबंधित मृत्यु दर में 80% की कमी दर्ज की गयी है, उपचार पर रहने वाले लोगों में वायरस नियंत्रण अब 97% से अधिक हैऔर भारत ने पूरी तरह से डोल्यूटेग्राविर-आधारित उपचार योजनाओं को अपनाने के साथ बड़ा बदलाव किया है–जिससे यह उपचार प्रभावकारिता में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है।

हालांकि, आत्मसंतुष्टि की कोई जगह नहीं हो सकती। देश 2026झ31 के लिए एनएसीपीचरण-श्क (एनएसीपी श्क) में प्रवेश कर रहा है, लेकिन इसके साथ ही यह सच्चाई भी स्वीकार करनी होगी कि भारत में महामारी अभी भी विकसित हो रही हैऔर कुछ जगहों पर यह तेजी से बढ़ रही है। महामारी की मौजूदगी का राष्ट्रीय औसत केवल 0.20% है, लेकिन यह उभरते हुए हॉटस्पॉट और नई कमजोर स्थितियों को छिपाता है। असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और पंजाब जैसे राज्यों में मुख्य रूप से सुई से नशीली दवाओं के सेवन के कारण घटनाओं के बढ़ने की रिपोर्ट मिली है। सुई से नशीली दवा लेने वाले लोगों में, एचआईवी होने की दर राष्ट्रीय औसत से चालीस गुना अधिक हैऔर कुछ खास स्थानों में इसमें गुणात्मक वृद्धि देखी जा रही है। एक ही सुई साझा करने की घटना से संक्रमण का अनुमानित 1-में-160 मौका होने के कारण, सुई से नशीली दवाओं के सेवन से जुड़ी एचआईवी महामारी तेजी से फैल सकती है, यदि इसके खिलाफ प्रभावी ढंग से जवाबी कारवाई नहीं की जाती है।

इसके अलावा, नए संक्रमणों का बढ़ता हुआ हिस्सा अब उन व्यक्तियों में देखने को मिल रहा है जो अपने आकस्मिक या नियमित साथियों से एचआईवी प्राप्त कर रहे हैं–जो पारंपरिक 'मुख्य जनसंख्या' से परे बदलाव का संकेत देता है। भारत की युवा जनसांख्यिकी - हर साल 15झ25 आयु वर्ग में 2.25 करोड़ किशोर प्रवेश कर रहे हैं - संवेदनशील बनी हुई है, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म तक आसान पहुँच जोखिम से भरे यौन व्यवहार और मादक पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा देती है। भारत ने ऊर्ध्वाधर मातृ-शिशु संचरण को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। गर्भवती माताओं के लिए एचआईवी और सिफलिस की सार्वभौमिक जांच और उपचार, शिशु का प्रारंभिक निदान और बालरोग निवारक उपायों ने माताओं से बच्चों में संचरण को 2020 के 25% से अधिक से कम करके 2024 में 10% तक कर दिया है। फिर भी, यह उन्मूलन की पांच प्रतिशत सीमा से ऊपर है।

सीधे तौर पर कहें तो, वायरस ने खुद को अनुकूलित कर लिया है। यह युवाओं को प्रभावित करता है, अधिक फैलाव वाला हैऔर नई कमजोरियों का फायदा उठा रहा है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए एक नई रणनीति की आवश्यकता है। एनएसीपी-श्क्क्री परिकल्पना भारत की सबसे साहसी और सबसे भविष्य-अनुकूल एचआईवी रणनीति के रूप में की गयी है। यह 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के लक्ष्य (एस डी जी 3.3) के अनुरूप है–और यह चार बड़े बदलावों में निहित है।

सबसे पहले, भारत की विविध संवेदनशीलता प्रोफाइल यह मांग करती है कि रोकथाम को श्रेणियों के बजाय लोगों के अनुसार बदला जाए। पारंपरिक 'उच्च-जोखिम समूहों' से अलग, कार्यक्रम को सामाजिक और संरचनात्मक कारकों द्वारा पैदा होने वाली तथा एक-दूसरे से जुड़ी कमजोरियों को संबोधित करना होगा। संपूर्ण सुरक्षा रूपरेखा के तहत, सार्वभौमिक रोकथाम यह सुनिश्चित करेगी कि हस्तक्षेप,समूहों के बजाय जोखिम वाले व्यक्तियों तक पहुंचे। एआई-संचालित स्वयं जोखिम आकलन, वर्चुअल पहुंच, नए दवा उपकरण और हॉटस्पॉट या सबसे ज्यादा संक्रमण फैलाने वाले संभावित लोगों (सुपर-स्प्रेडर) का पता लगाने के लिए रोग निगरानी प्लेटफॉर्म, रोकथाम और सेवाओं को आपस में जोड़ने के अगली पीढ़ी के प्रयासों को सशक्त करेंगे। छह नशीली दवाओं के उपयोग से उत्पन्न महामारियों पर लक्षित रणनीतियाँ,एनएसीपी-श्क्के तहत महामारी को तेजी से कम करने के लिए केंद्रीय होंगी।

दूसरा, एनएसीपी-श्क्को जल्दी पहचान, प्रभावी इलाज, जीवन भर बनाए रखने के दृष्टिकोण पर आधारित होना चाहिए। उच्च गुणवत्ता वाले, मुफ्त एंटीरिट्रोवायरल उपचार और वायरल-कमी (वायरल सप्रेशन) को बढ़ाने में भारत की सफलता अभूतपूर्व है। फिर भी, उपचार का पालन करने और प्रारंभिक निदान के लिए रोगियों को बनाए रखने का काम अभी भी जारी है। आभा, टेलीमेडिसिन और एआरटी वितरण के लिए डिजिटल फॉलो-अप का उपयोग करते हुए आपस में जुड़े तरीके सेवा अदायगी बाधाओं को दूर करने में मदद करेंगे। आभा और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के साथ एनएसीपी-श्क का एकीकरण,एचआईवी देखभाल को व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकोसिस्टम की मुख्य-धारा में लाने का मौका देता है।

तीसरा, एचआईवीऔर सिफलिस के ऊर्ध्वाधर संचरण को समाप्त करना एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनिवार्यता है। आरएमएनसीएच+ए के साथ तालमेल बढ़ाकर, निजी क्षेत्र से डेटा-प्रवाह और जांच किट्स के लिए विकेंद्रीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से, भारत 2030 तक उन्मूलन का लक्ष्य हासिल कर सकता है। हालांकि, इसके लिए हर गर्भवती महिला तक–स्थान, जाति, आय या वैवाहिक स्थिति की परवाह किए बिना–पहुंचना आवश्यक है।

चौथी बात, कार्यक्रम को कलंक समाप्त करने पर अपने जोर को फिर से शुरू करना चाहिए। कलंक अदृश्यता, देरी से निदान और गैर-उपचार संक्रमण का सबसे बड़ा कारण है। एचआईवी और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017;एचआईवी और एड्स से संक्रमित और प्रभावित लोगों के लिए अधिकार-आधारित कानून है। यह अधिनियम कलंक और भेदभाव से मुक्त वातावरण में सेवा प्राप्त करने को प्रोत्साहित करता है। फिर भी यह कलंक घरों, अस्पतालों, कार्यस्थलों और यहां तक कि नीतियों में भी मौजूद है और इससे निपटने के लिए मजबूत और लगातार प्रयास करने की आवश्यकता है।

एचआईवी रोकथाम में भारत की यात्रा कई साहसिक उपलब्धियों से परिपूर्ण रही है। एचआईवी नियंत्रण और रोकथाम में शुरूआती निवेश ने महामारी की दिशा को पलटने में मदद की, जिससे एक पूरी पीढ़ी को पीड़ा और रुग्णता से बचाया गया। इसके परिणामस्वरूप एक स्वस्थ जनसांख्यिकीय लाभ हुआ, जो आर्थिक विकास में योगदान देता है। बड़े पैमाने पर सेवा वितरण में स्पष्ट उपलब्धियों का एनएसीपी का ट्रैक रिकॉर्ड अंतिम प्रयास के लिए आधार मजबूत करता है। अब विज्ञान, पहले से कहीं अधिक भारत के एचआईवी/एड्स उन्मूलन विजन के पक्ष में है। हमारी जैव प्रौद्योगिकी और दवा उद्योग की क्षमता दवाओं, वैक्सीन और डायग्नोस्टिक्स का तेजी से विकास कर सकती है और पैमाने का तेज विस्तार कर सकती है, जिससे उन्मूलन प्रयासों के लिए सहायता मिलती है।

फिर भी, हजार मील की यात्रा में, आखिरी मील हमेशा सबसे कठिन होता है। एचआईवी/एड्स को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने की आखिरी कोशिश केवल जैव-चिकित्सीय नहीं है–यह सामाजिक, डिजिटल, व्यवहारिक और संरचनात्मक भी है। एनएसीपी-श्क्एक आगामी रोडमैप प्रदान करता है, जो तकनीकी रूप से आधुनिक, महामारी विज्ञान के दृष्टिकोण से सटीक और सामाजिक रूप से जमीन से जुड़ा है। अडिग सरकारी प्रतिबद्धता और एक सुदृढ़ सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के समर्थन के साथ, भारत इस अवसर का साहसपूर्वक लाभ उठाएगा–दुनिया को यह दिखाने के लिए कि जब विज्ञान, समुदाय और नीति मिलकर कार्य करते हैं, तो एक महामारी को समाप्त करना संभव है।

लेखिका, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) की महानिदेशक हैं।

युगों -युगों तक मानव को अमर कर देती है अच्छाई व सच्चाई

नरेन्द्र भारती

अच्छाई युगो-युगों तक मानव को अमर कर देती है।मानव को हमेशा अच्छाई व सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए।मानव जीवन अनमोल है।कहते है कि एक पत्थर सिर्फ एक बार मंदिर जाता है और भगवान बन जाता है इंसान हर रोज मंदिर जाते है फिर भी पत्थर ही रहते हैं ।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उडाई जाती है प्रत्येक इन्सान का एक स्वाभिमान होता है उसे बनाए रखना चाहिए भले ही कितनी ही विपति आ जाए अपना स्वाभिमान बरकरार रखना चाहिए मानव को अपने स्वाभिमान के आसू हर जगह नहीं बहाने चाहिए।आधुनिक इंसान पत्थर दिल व आत्मकेन्द्रित होता जा रहा है।मानव सवेंदनहीनता की हदें लाघ रहा है।यह समाज के लिए अशुभ संकेत है।मानव आज मानवता के खिलाफ होता जा रहा है।मानव नंगा आता है नंगा ही चला जाता है इस संसार में जो पैदा हुआ है उसे एक दिन इस नश्वर संसार को छोडना ही है आधुनिक युग में जीवन मूल्यों में गिरावट समाज में विष घोल कुंठा उत्पन्न कर रही है तनिक लाभ के लिए लोग अपना जमीर बेच रहे हैं। मानव को अपनी मयार्दा में रहना चाहिए।समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है।जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी।जरुरतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है।मगर आधुनिक इंसान फितरती होता जा रहा है। मानव विलासिता पर धन खर्च कर रहा है। सुख में तो सभी साथ होते है मगर दुख में साथ छोड देते है ,कहते अपने ही काम आते है मगर आज आदमी ही आदमी से नफरत कर रहा है कुते बिस्किट खा रहे है मगर मानव भूख से त्रस्त है क्या मजाल की कोई भूखे को रोटी का निवाला दे। आदमी नरभक्षी बनता जा रहा है प्रतिदिन शराब,मांस ,मदिरा का प्रयोग कर रहा है। आदमी आज गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव ने भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है। आदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विश्वास रखना चाहिए। अतः प्रत्येक इन्सान की जितनी सहायता हो सके करनी चाहिए। आदमी को कभी भी किसी का निरादर नहीं करना चाहिए ,प्रत्येक मानव का आदर -सत्कार करना चाहिए। जीवन बार-बार नहीं मिलता है,ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है। यह एक शाश्वत सत्य है और बेईमानों का सत्यनाश हुआ है। खुदा के घर में देर है अन्धेर नहीं है।आदमी को समय से डरना चाहिए क्योकि वक्त का कोई पता नहीं कि कब कौन मिट्टी में मिल जाए। समाज की रचना के लिए सादगीपूर्ण जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए। मानव को हमेशा समानता व एक समान व्यवहार करना चाहिए। क्योकि जो आदमी भेदभाव करता है वह मानवता के नाम पर कलंक है।कहते है कि व्यक्ति को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए भले ही आदमी कितनी ही उंचाईयां छू लें।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगीं।हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए क्योकि सच्चाई की सदा जीत हुई है।सांच को आंच नहीं आती।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए।भूखे को रोटी खिलाओं, हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ।पैसे से गुजरा हुआ समय खरीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए।ताकि विपतीयों का अहसास होता रहे। वर्तमान परिवेश में मानव इतना स्वार्थी व मौकापरस्त होता जा रहा है कि खुद को खुदा से उपर समझने लगा है। आज वह भगवान के साथ छल -कपट तक करने से नहीं चुकता मगर जब उसकी मार पडती है तो होश ठिकाने आ जाते हैं। ऐसे लोगों के आदमियों की पहचान नहीं होती कि कौन अच्छा है कौन बुरा है। आज चापलूस लोगों का बोलबाला हो गया है लेकिन खुदा सब देख रहा है समय ने करवट बदली और उनका भाग्य भी बदल गया लेकिन वह लोग अपनी औकात भूल गये कि एक समय ऐसा भी था कि उनके पास एक जोडी कपडे होते थे।खाने के लाले पडे होते थे। आज अच्छे दिन आ गये तो अपनों को भूल गये और हवा में उडने लगें लेकिन असली व नकली पंखों में फर्क होता है कार-कोठी को ही जीवन का लक्ष्य मान अन्य लोगो कों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे व्यक्तियों की पोल आखिकार खुल जाती है, समाज में आत्मकेन्द्रीत लोगों का जमावडा बढता जा रहा है ऐसे लोग सिर्फ अपनों के सिवाय दूसरों का अच्छा नहीं कर सकते ऐसे लोग जानवरों से भी बदतर हैं।मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है।इंन्सानियत को हमेशा जिंदा रखें किसी गरीब को न सताएं।मानवता ही मानव की असली पूंजी है।समाज के हर मानव की सहायता करनी चाहिए। यह अटल सच्चाई है।

(वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा

पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।

दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए :

पूर्व दिशा :

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा :

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें :

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा :

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें : यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें : सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें : सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप : यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रामाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।

वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अत : वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अत : घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।

पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं । अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।

अंधी रफ्तार से दौड़ रही बीएमडब्ल्यू ने फुटपाथ पर सो रहे 3 लोगों को कुचल डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमीरों के लिए गरीब आदमी कीड़े मकोड़े की तरह होता है साहबज्जब मर्जी कोई रहीस आदमी अपनी करोड़ों की कार से आता है और फुटपाथ पर सो रहे गरीबों कों रौंदता चला जाता है। ये शब्द उन चश्मदीदों के हैं जिन्होंने बीती रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में बीती रात तेज रफ्तार का कहर देखा है। एंबियंस मॉल के सामने एक बीएमडब्ल्यू कार ने फुटपाथ पर सो रहे तीन लोगों को कुचल दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात करीब 2 बजे वसंत कुंज इलाके में हुआ। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि कार बेहद तेज रफ्तार से आ रही थी। कार चला रहे शख्स ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे फुटपाथ पर चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से फुटपाथ पर सो रहे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार के चालक को तुरंत मौके पर ही हिरासत में ले लिया। उससे आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार हिमाचल प्रदेश नंबर पर पंजीकृत है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किस गति से हुआ और क्या चालक शराब या किसी अन्य नशे के प्रभाव में था।

अचानक दो हिस्सों में बंट गई ट्रेन, झटका लगते ही यात्रियों में मची हलचल

-बिहार में कारीसाथ स्टेशन के पास कपलिंग टूटी, बड़ा हादसा होने से बचा

आरा (एजेंसी)। पटना-आरा-डीडीयू रेल खंड पर शनिवार शाम रेल दुर्घटना होने से बाल-बाल बची, जब दानापुर से बेंगलुरु जा रही बेंगलुरु सिटी स्पेशल ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। घटना कारीसाथ रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। तेज रफ्तार दौड़ रही ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्री दहशत में आ गए। इंजन और आगे के कुछ डिब्बे काफी दूर निकल गए, जबकि पीछे का बड़ा हिस्सा ट्रैक पर ही रुक गया। मीडिया रिपोर्ट में रेल सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रेन आरा स्टेशन से खुलकर बक्सर की ओर तेज रफ्तार में बढ़ रही थी। इसी दौरान कारीसाथ स्टेशन के पास ट्रेन की कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटने के साथ ही एक झटके में ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन का हिस्सा आगे की और करीब 500 मीटर तक चला गया। हालांकि झटका लगने से तुरंत लोको पायलट को कुछ असहज लगा और उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अपलाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई, जिसके कारण पटना—डीडीयू रूट पर कई ट्रेनें प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने कपलिंग टूटने की वजह की जांच शुरू कर दी और बचाव एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर किया गया। काफी प्रयास के बाद इंजन को पीछे लाकर दूसरे हिस्से से जोड़ा गया। रेलवे सूत्रों का कहना है कि समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। यदि ट्रेन और तेज गति में होती तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अप लाइन पर परिचालन बहाल कर दिया गया। इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांचों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीआईएसएफ जवान ने नाबालिग की गोली मारकर की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में एक सीआईएसएफ के हेड कांस्टेबल ने नाबालिग लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसके पास से पिस्टल भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि 29 नवंबर को एक शख्स से जानकारी मिली कि कम्युनिटी सेंटर डीडीए मार्केट, एमएस पार्क के पास एक बच्चे को गोली मार दी गई है। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। क्राइम टीम को बुलाया गया। जांच में पता चला कि मृतक 17 साल का नाबालिग है, जो न्यू मॉडर्न शाहदरा का रहने वाला था। नाबालिग लड़के को कम्युनिटी सेंटर के सामने हो रही शादी के दौरान गोली लगी थी। इस मामले में आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, जो सीआईएसएफ में हेड कांस्टेबल है और अभी कानपुर में तैनात है। उसके पास से एक पिस्टल भी बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लगता है कि लड़के और आरोपी के बीच कहासुनी हुई थी, जिसके बाद आरोपी ने उसे गोली मार दी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कट्टरपंथियों की खतरनाक साजिश को बेनकाब करेंगी 12 पीड़ित युवतियां

-दिल्ली में लव जिहाद की शिकार लड़कियां डिटेल में बयां करेंगी अपनी कहानियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत समेत कई देश कट्टरपंथ की साजिश का शिकार हैं। डेमोग्राफिक्स को बदलने की साजिशें रची जा रही है। चिंता की बात यह है कि इस मामले में डॉक्टर और इंजीनियर जैसे बहुत पढ़े-लिखे लोग भी इस साजिश में शामिल हैं। इसका उदाहरण लाल किले के पास हुआ आतंकवादी हमला है। इन सबको देखते हुए देश में पहली बार ऐसा इवेंट हो रहा है जैसा पहले कभी नहीं हुआ। आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लव जिहाद की शिकार लड़कियां अपनी कहानियां डिटेल में बताएंगी और इसके तरीकों का खुलासा करेंगी। इस खास इवेंट में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और विश्व हिंदू परिषद के स्टेट प्रेसिडेंट कपिल खन्ना खास तौर पर शामिल होंगे। उनके साथ लव जिहाद की शिकार लड़कियों को बचाने वाले लोग भी होंगे। विहिप दिल्ली के मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि 12 लड़कियां, खासकर केरल की, जो लव जिहाद की शिकार हुई हैं, अपनी कहानियां बताएंगी, ताकि हर कोई इस साजिश के बारे में जान सके और समय रहते अपनी बेटियों को बचा सके। दिल्ली एनसीआर की चार और पीड़ित भी इस इवेंट में मौजूद रहेंगी। केरल भारत में लव जिहाद का सेंटर है, जहां हजारों लड़कियों को बहला-फुसलाकर इस्लाम कबूल करवाया गया है और फिर उन्हें इस्लामिक देशों में ट्रैफिकिंग के लिए भेज दिया गया।

चारपाई की तरह कड़ा और लचीला, यही संतुलन लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति

-सीजेआई सूर्यकांत ने की न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत ने न्यायिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक ढांचे की स्वदेशी व्याख्या की है। उन्होंने लोकतंत्र की तुलना एक पारंपरिक चारपाई से की, जहां मजबूत लकड़ी का फ्रेम, टिकाऊ पायों और लचीली लेकिन मजबूत रस्सियों के सहारे एक ऐसा ढांचा तैयार करता है जो कड़ा भी है और लचीला भी। सीजेआई के मुताबिक यही संतुलन भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की असली शक्ति है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत हरियाणा में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में एक अनोखा सत्र आयोजित किया गया था, जिसमें सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट के 13 जज केशवानंद भारती केस की ऐतिहासिक बहस का री-एनैक्टमेंट करने के लिए एक साथ मंच पर आए थे। इस सत्र में उस बहस को पुनर्जीवित किया गया जिसने भारतीय संविधान में 'बेसिक स्ट्रक्चर' का सिद्धांत स्थापित किया था।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि केशवानंद केस में भारत संवैधानिक जीवन के सिर्फ 23वें वर्ष में था। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने संस्थानों को परिभाषित कर रहा था, आदर्शवाद और शक्ति के बीच संतुलन साधना सीख रहा था। उन्होंने कहा कि असल सवाल एक सभ्यतागत प्रश्न था- क्या संसद का बड़ा बहुमत संविधान के नैतिक डीएनए को फिर से लिख सकता है?

सीजेआई ने अमेरिका और ब्रिटेन में भी समय-समय पर एक्जीक्यूटिव द्वारा न्यायिक स्वतंत्रता की सीमाएं परखने की बहस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केशवानंद केस की 13 जजों की बेंच ने संवैधानिक परिपक्वता और नैतिकता दोनों का रास्ता चुना। उन्होंने संविधान को सुविधा के हिसाब से मोड़ने से इनकार कर दिया। इसी एक संयम ने दिखाया कि लोकतंत्र को बुद्धिमान बनने के लिए बूढ़ा होने की जरूरत नहीं होती।

सुप्रीम कोर्ट की एकमात्र महिला जस्टिस बी वी नागरत्ना ने कहा कि केशवानंद फैसला न्यायपालिका की स्वतंत्रता के दो केंद्रीय पहलुओं को उजागर करता है। पहला- निर्णय लेने में स्वतंत्रता और दूसरा- संस्थागत स्वतंत्रता। जस्टिस नागरत्ना ने यह भी कहा कि न्यायाधीशों का आचरण बेंच पर भी और बेंच से बाहर भी न्यायपालिका की छवि को तय करता है। उनका कहना था कि जज का आचरण सिर्फ कानूनसम्मत नहीं, बल्कि उससे ऊपर होना चाहिए। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की आर्थिक मजबूती तभी सुनिश्चित होती है जब सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय तीनों मिलकर एक त्रिमूर्ति की तरह संतुलित हों।

महिला विधायक पल्लवी पटेल ने कहा- एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी, बताई वजह

गोंडा (एजेंसी)। बिहार के बाद अब उत्तर प्रदेश समेत देश के 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य जारी है। इसी बीच अपना दल (कमेरावादी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और सिराथू विधानसभा सीट से विधायक पल्लवी पटेल ने एसआईआर का विरोध किया है।

विधायक पल्लवी ने स्पष्ट कहा, कि एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी। ऐसा नहीं करने की उन्होंने वजह भी बताई। महिला विधायक पल्लवी ने गोंडा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए, कि एसआईआर फार्म नहीं भरूंगी और मैं इस प्रक्रिया का विरोध करती हूं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, मुझे एसआईआर फार्म क्यों भरना चाहिये? मेरे पास वो सारे दस्तावेज मौजूद हैं, जो बतलाते हैं कि मैं भारत की नागरिक हूं। ऐसे में एसआईआर फार्म मुझे क्यों भरना चाहिए? अभी तक सभी चुनव प्रक्रिया में मैं वोट डालती चली आ रही हूं, तो अब एसआईआर का फार्म क्यों भरुं? इसी के साथ ही सिराथू विधायक पल्लवी ने मतदाताओं से अपील की, यदि आपको एसआईआर समझ आए तो भरिये, नहीं आए तो मत भरिये। उन्होंने दावा किया, कि जिस तरह से महिला आरक्षण कागजों में रह गया है, वैसे ही एसआईआर भी जमीन पर नहीं उतरने वाला है। इसी के साथ उन्होंने एसआईआर को सरकार का जुमला बताया और कहा कि इसके जरिए सत्तारुढ़ पार्टी लोकतंत्र पर हमला कर रही है। पल्लवी ने कहा कि विपक्ष इसका विरोध इसलिए कर रही है क्योंकि सरकार की नीयत पर शक है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में उन्हें ज्यादा सीट चाहिए वहां एसआईआर कराया जा रहा है। एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ पर अनावश्यक प्रेशर बनाया जा रहा, जो अमानवीय कृत्य है।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोग चिंतित, कुछ तो गड़बड़ है

-पहले भी हुआ है एसआईआर, सचिन पायलट ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाया कि फील्ड स्टाफ पर अनावश्यक दबाव और जल्दबाजी में समयसीमा तय करने से पता चलता है कि प्रक्रिया में कुछ तो गड़बड़ है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर देश में पहले भी कई बार हुआ है। लेकिन कोई चर्चा नहीं होती थी, लोगों के मन में कोई आशंका नहीं रहती थी। पहली बार निर्वाचन आयोग का जो रवैया रहा है। उससे लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में लोगों के नाम काटे गए। कई राज्यों में लोग तनाव में हैं, और कुछ तो इस दबाव के कारण आत्महत्या भी कर रहे हैं। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

सचिन पायलट ने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संस्था के रूप में काम करना चाहिए क्योंकि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम निर्वाचन आयोग का है, किसी राजनीतिक दल का नहीं। पायलट ने कहा कि कांग्रेस देश भर में अभियान चला रही है ताकि यह तय किया जा सके कि कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि हम यह तय करना चाहते हैं कि गरीब लोग, दलित, आदिवासी और बुजुर्ग जागरुकता की कमी के कारण या किसी के द्वारा उनका नाम हटाने की मंशा के कारण मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित न हों।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्षता से काम करना चाहिए और यदि विचारधारा, सरकार और नेता के दबाव में काम करोगे तो यह जनता और कांग्रेस पार्टी को स्वीकार नहीं होगा।

राहत सामग्री लेकर कोलंबों पहुंचे भारतीय विमान, फंसे हुए भारतीयों को वापस भी लाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने जमकर तबाही मचाई। इसमें करीब 150 लोगों की जान चली गई। कुछ भारतीय भी यहां फंस हुए है। केंद्र की मोदी सरकार ने तत्काल ऑपरेशन सागर बंधु की शुरुआत की और मदद की लिए हाथ बढ़ाया। वायुसेना के मुताबिक दिल्ली के निकट हिंडन एयर बेस से सी-130 और आईएल-76 विमान राहत सामग्री लेकर श्रीलंका के लिए रवाना हुए हैं। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और 8 टन उपकरण हैं। रविवार सुबह को दी गई जानकारी में वायुसेना ने बताया कि राहत सामग्री लेकर निकले इन विमानों ने कोलंबो में लैंड किया है। भारतीय वायुसेना के विमानों के जरिए न केवल राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, बल्कि एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम श्रीलंका में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने की कोशिशों में लगी हुई है। इसके अलावा तमिलनाडु में भी राहत और बचाव की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

वायुसेना के अनुसार श्रीलंका में मदद के लिए भेजी गई सामग्री में आवश्यक राशन, दवाइयां, मेडिकल किट, भिष्म क्यूब्स और अन्य आपदा राहत उपकरण शामिल हैं। वहीं, 17 ग्लोबमास्टर ने पुणे से चेन्नई तक एक और एनडीआरएफ टीम तथा भारी उपकरण

पहुंचाए हैं। यह अभियान इसलिए शुरू किया गया है ताकि दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्रों में भी राहत प्रयासों को तेज किया जा सके।

30 नवंबर की सुबह हिंडन एयरबेस से एक सी-130 विमान राहत सामग्री लेकर रवाना हुआ। वहीं आईएल-76 विमान पहले ही कोलंबो पहुंच चुका था। यह दल विमान से राहत सामग्री उतारने के साथ-साथ फंसे हुए भारतीय नागरिकों को वापस लाने का काम भी करेगा। अतिरिक्त सहायता के तौर पर एक और सी-17 विमान वडोदरा में एनडीआरएफ टीम और उनके उपकरणों के साथ लोड किया जा रहा है, जिसे चेन्नई भेजा जाएगा। सभी एयरलिफ्ट मिशन लगातार संचालित हैं ताकि श्रीलंका एवं तमिलनाडु दोनों स्थानों पर समयबद्ध सहायता सुनिश्चित की जा सके। यह मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय वायुसेना ने स्पष्ट किया है कि वह जीवन बचाने और संकटग्रस्त पड़ोसी देशों को हर संभव समय पर सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑपरेशन सागर बंधु, भारत व श्रीलंका की मैत्री और क्षेत्रीय सहयोग का संवेदनशील और मानवीय उदाहरण बनकर सामने आया है।

भारतीय वायुसेना के विमान यहां आवश्यक उपकरण एवं राहतकर्मियों को लेकर पहुंचे हैं। भारत ने 'पड़ोसी प्रथम' की भावना को दोहराते हुए आपदा में लोगों को राहत पहुंचाने की पहल की है। भारतीय वायुसेना के विमान व हेलीकॉप्टर बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाने और आपदा राहत अभियान में जुटे हुए हैं। इस पूरे अभियान को ऑपरेशन सागर बंधु नाम दिया गया है। ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल बचाव अभियान को अंजाम देने वाले दल की तैनाती और राहत सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। भारतीय वायुसेना ने राहत कार्यों की गति तेज करने के लिए कोलंबो में एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। इससे तेजी से प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा सकेगी। इसी के साथ, बड़े पैमाने पर भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए वायुसेना के सी-17, सी-130 और आईएल-76 परिवहन विमान तैयार रखे गए हैं। वायुसेना की ओर से साझा जानकारी के अनुसार 29 नवंबर की रात सी-130 और आईएल-76 विमान हिंडन एयर बेस से रवाना हुए। इन विमानों में 21 टन राहत सामग्री व 80 से अधिक एनडीआरएफ के कर्मी मौजूद थे। इसके अलावा, बाढ़ व तूफान आदि के कारण जटिल इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए विशिष्ट उपकरण भेजे गए हैं।

राजनीति से संन्यास लेकर बोले अवध ओझा: अब जो मन में आएगा, वही बोलूंगा...

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और शिक्षक अवध ओझा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात्र एक पारी खेली और उसके तुरंत बाद राजनीति से संन्यास ले लिया। अब वे फिर से अपनी पुरानी आज़ादी में लौट आए हैं और इसे लेकर बेहद खुश नज़र आ रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने खुलकर बताया कि राजनीतिक दल में रहते हुए उन्हें जो 'बोलने की बंदिश' लगी थी, उससे मुक्ति मिलने का अहसास है कि अब वे बिना किसी दबाव के जो मन में आएगा, वही बोलेंगे।

अवध ओझा ने साफ कहा, भैया मैं राजनीति ही नहीं करूंगा। बहुत दूर रहूंगा, बहुत खुश हूं। पहली बात तो बोलना बंद हो गया था। पार्टी लाइन के बाहर कुछ नहीं बोल सकते। ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकतेज हम बोलेंगे नहीं तो मर जाएंगे। अब मैं इतना अच्छा महसूस कर रहा हूं। अब कोई फोन करके नहीं कहेगा कि ये बोलो, वो मत बोलो। अब तो बस वही बोलेंगे जो दिल कहेगा।

उन्होंने उस वायरल इंटरव्यू का भी ज़िक्र

किया जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीच में दखल देकर इंटरव्यू रुकवा दिया था। मजबूरन ओझा को कैमरे पर कहना पड़ा था कि पार्टी लाइन वही लोग तय करेंगे, मैं उसी के मुताबिक बोल सकता हूं। उस घटना को याद करते हुए ओझा ने हंसते हुए कहा, अच्छा बताओ वो इंटरव्यू कितना अच्छा चल रहा था। बीच में रोक दिया। भगवान बचाए राजनीति से दादा!

भाजपा में जाने की अटकलों पर भी उन्होंने पूरी तरह विराम लगा दिया। स्पष्ट शब्दों में बोले, 'न 'मैं कहीं टिकट नहीं मांगूंगा। राजनीति से पूरी तरह दूर रहूंगा। चुनावी खर्च के सवाल पर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मेरा खुद का एक रुपया नहीं लगा। सारे दोस्तों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की खाली हुई पटपड़गंज सीट से उन्होंने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। हार के बाद से ही वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में नज़र नहीं आए और धीरे-धीरे कोचिंग क्लासेस में वापस लौट गए। पिछले दिनों उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि महज़ चुनाव लड़ने की उत्कंठा और जिज्ञासा की वजह से वे राजनीति में आए थे, लेकिन एक बार मैदान में उतरने के बाद अहसास हुआ कि यह उनका क्षेत्र नहीं है। अब अवध ओझा फिर से अपनी कोचिंग और मोटिवेशनल स्पीच में पूरी तरह व्यस्त हो चुके हैं। उनके प्रशंसक भी उनकी इस वापसी से खुश हैं, क्योंकि एक बार फिर वही बेबाक, बिंदास और बिना किसी लाइन के बोलने वाला अवध ओझा लौट आया है।

आज के भारतीय तो अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते: मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने मातृभाषाओं के उपयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। नागपुर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर बोलते हुए भागवत ने कहा, कि आज बहुत से भारतीय अपनी मातृभाषा के शब्द भी नहीं जानते हैं और अंग्रेजी के मिश्रण से संवाद करते हैं। उनका कहना है कि इस प्रकार हमारी भाषायी विरासत का क्षय हो रहा है।

यहां भागवत ने कहा, एक समय था जब रोजमर्रा की भाषा में संस्कृत का प्रयोग आम था। अब हाल यह है कि अमेरिका के प्रोफेसर हमें संस्कृत पढ़ाते हैं। उन्होंने मातृभाषा के अभ्यास और ज्ञान पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को अपनी भाषा की समझ होनी चाहिए। भागवत ने उदाहरण देते हुए कहा कि संत ज्ञानेश्वर ने भगवद्गीता को मराठी में प्रचारित किया, जिससे भाषा और

संस्कृति की गहराई समझ में आती है। आरएसएस प्रमुख ने अंग्रेजी शब्दों की सीमा पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भावनाओं और सांस्कृतिक अर्थों की गहराई को पकड़ नहीं पाती। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कल्पवृक्ष के लिए अंग्रेजी में कई शब्द हैं, लेकिन कोई भी इसका वास्तविक अर्थ नहीं बता सकता। उनका कहना है कि विदेशी भाषाएं हमारी संस्कृति की पूर्ण गहराई तक नहीं पहुंच सकतीं। इसी के साथ भागवत ने मातृभाषाओं को सीखने और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन विविधता में एकता की भावना को महत्व देता है, और इसी आधार पर भाषायी चेतना को बढ़ावा देना जरूरी है।

चुनाव आयोग और टीएमसी में टकराव: पश्चिम बंगाल में सियासी जंग का जरिया बना एसआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अब पूरी तरह राजनीतिक जंग का मैदान बन चुका है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर खुलेआम हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर राज्य में लाखों वैध मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, खासकर सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की आड़ में अल्पसंख्यक और गरीब वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है।

टीएमसी का सबसे गंभीर आरोप यह है कि एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक राज्य में 40 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) भी शामिल हैं। पार्टी ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

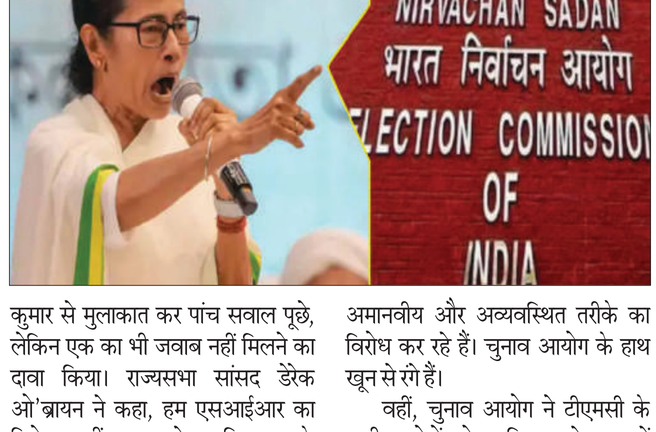

कुमार से मुलाकात कर पांच सवाल पूछे, लेकिन एक का भी जवाब नहीं मिलने का दावा किया। राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, हम एसआईआर का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि इसके अमानवीय और अव्यवस्थित तरीके का विरोध कर रहे हैं। चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे हैं।

वहीं, चुनाव आयोग ने टीएमसी के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ कहा कि बीएलओ पर दबाव काम का नहीं, बल्कि स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं की धमकियों और दबाव का नतीजा है। आयोग का दावा है कि तृणमूल नहीं चाहती कि मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अवैध (खासकर बांग्लादेशी) मतदाताओं के नाम हटाए जाएं, क्योंकि ये उनके वोट बैंक का हिस्सा हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर को तुरंत पत्र लिखकर सभी बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। हाल ही में सीईओ कार्यालय में सुरक्षा चूक की घटना के बाद आयोग ने कार्यालय को अधिक सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने और मौजूदा भवन की सुरक्षा बढ़ाने को कहा है।

टकराव को और गहरा करने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्ता (1990 बैच, पश्चिम बंगाल कैडर) को 'स्पेशल रोल ऑब्ज़र्वर' नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 12 अन्य आईएएस अधिकारियों को 'इलेक्टोरल रोल ऑब्ज़र्वर' बनाया गया है। ये अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र (विदेशी) व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि स्लम, ऊंची इमारतों और कॉलोनियों में भी मतदान केंद्र बनाए जाएं, जैसा पूरे देश में होता है। टीएमसी की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए आयोग ने चेतावनी दी है कि निर्देशों का पालन न करने पर कठोर कार्रवाई होगी। सीमावर्ती जिलों से लगातार वीडियो और तसवीरें वायरल हो रही हैं, जिनमें लोग कथित तौर पर भारत-बांग्लादेश सीमा पार करते दिख रहे हैं। टीएमसी इसे ÷वोट काटने की साजिश÷ बता रही है, जबकि ईसी का कहना है कि यह घुसपैठिए वापस अपने देश जा रहे हैं, क्योंकि अब उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं रहेगा। फिलहाल दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह अड़े हुए हैं। एक तरफ ममता बनर्जी और टीएमसी सड़क से संसद तक आंदोलन की धमकी दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ चुनाव आयोग संविधान के अनुच्छेद 326 का हवाला देकर साफ कर रहा है - वोट का अधिकार सिर्फ भारतीय नागरिक को है, किसी विदेशी को नहीं। आने वाले दिनों में यह टकराव और भयंकर रूप ले सकता है।

रेपो दर में कटौती कर सकता है रिजर्व बैंक

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की इस सप्ताह होने वाली बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है। रेपो दर वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। एमपीसी की बैठक 03 से 05 दिसंबर को होने वाली है। इससे पहले अक्टूबर को हुई बैठक में रेपो तथा अन्य नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पिछली बार आरबीआई गर्वनर ने कहा था कि मुद्रास्फीति की कम दरों को देखते हुए रेपो दरों में कटौती की गुंजाइश है, लेकिन केंद्रीय बैंक और आंकड़ों का इंतजार करेगा। वह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में की गयी कटौती तथा अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर उच्च आयात के प्रभाव को देखना चाहेगा।

चीन की कारखाना गतिविधियों में नवंबर में लगातार आठवें महीने गिरावट

हांगकांग चीन की कारखाना गतिविधियों में नवंबर में लगातार आठवें महीने गिरावट आई है। एक आधिकारिक सर्वे में यह जानकारी दी गई है। हालांकि, अमेरिका-चीन के बीच व्यापार के मोर्चे पर समझौता हो गया है, लेकिन इसके बावजूद चीन की चुनौतियां बनी हुई हैं। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने कहा कि आधिकारिक विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर में थोड़ा बढ़कर 49.2 हो गया, जो अक्टूबर में 49 था। पीएमआई के 50 से नीचे होने का आशय गतिविधियों में संकुचन से है। पीएमआई गतिविधियों में यह गिरावट विश्लेषकों के अनुमान के मुताबिक है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी शुल्क में कटौती के बाद अमेरिकी बाजार में चीन का निर्यात प्रतिस्पर्धा हासिल कर सकता है। लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि व्यापार समझौते के बाद निर्यात ने फिर से रफ्तार पकड़ी है या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका 30 अक्टूबर से चीनी उत्पादों पर शुल्क में कटौती करेगा। इससे चीन के निर्यात और विनिर्माण को लेकर कुछ उम्मीद बंधी है।

एसबीआई को कॉरपोरेट ऋण में दो अंकीय वृद्धि की उम्मीदः चेयरमैन सीएस शेट्टी

आर्थिक सुधार और मजबूत पाइपलाइन से बचे हुए दो तिमाहियों में ऋण में तेजी की संभावना

नई दिल्ली भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की बचे हुए दो तिमाहियों में कॉरपोरेट ऋण में दो अंकीय वृद्धि देखने को मिलेगी। बैंक के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा कि आर्थिक गतिविधियों में सुधार और बैंक की मजबूत ऋण पाइपलाइन के कारण कॉरपोरेट ऋण में तेजी आएगी। शेट्टी ने बताया कि एसबीआई के पास लगभग 7 लाख करोड़ रुपए के मंजूर ऋण हैं, जिनमें बिना इस्तेमाल की गई कार्यशील पूंजी सीमा और मियादी ऋण शामिल हैं। ये ऋण वर्तमान में वितरण प्रक्रिया में हैं। इसके अलावा कई परियोजना ऋण पर अभी बातचीत चल रही है, जो भविष्य में बैंक की ऋण वृद्धि को और मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से कॉरपोरेट ऋण पिछड़ रहा था, लेकिन दूसरी तिमाही में इसमें 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। शेष दो तिमाहियों में बैंक नीचे दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद कर रहा है। आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ कार्यशील पूंजी का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जो हर तिमाही के साथ और मजबूत हो रहा है। एसबीआई चेयरमैन ने यह भी स्पष्ट किया कि बैंक को ऋण वृद्धि बढ़ाने और अगले पांच-छह साल में 15 प्रतिशत का पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखने के लिए अतिरिक्त इक्विटी पूंजी की आवश्यकता शायद नहीं पड़ेगी।

आरबीआई पॉलिसी से पहले बैंकों ने सस्ते किए होम लोन

▸▸कई बैंकों ने ब्याज दरें घटाकर 7 फीसदी से शुरू कीं

नई दिल्ली

आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति की घोषणा से ठीक पहले देशभर के बैंकों ने होम लोन की ब्याज दरों में कमी कर दी है। इसका सीधा फायदा उन ग्राहकों को मिलेगा जो नया घर खरीदने या निर्माण करने के लिए किफायती फाइनेंस की तलाश में थे। मौजूदा हालात में कई बैंक न्यूनतम 7 प्रतिशत तक की सालाना ब्याज दर पर लोन उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे मासिक किस्तों में उल्लेखनीय कमी आएगी। पब्लिक सेक्टर बैंकों में बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और बैंक ऑफ इंडिया ने नवंबर 2025 तक के लिए 7.35 प्रतिशत की शुरुआती दरों की घोषणा की है। केनरा बैंक 7.40 प्रतिशत और देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई 7.50 प्रतिशत सालाना से ब्याज दरें ऑफर कर रहा है। एसबीआई का रेपो-लिंक्ड बेंचमार्क रेट 1 अगस्त 2025 से लागू है, जिसके आधार पर ग्राहकों की क्रेडिट प्रोफाइल के मुताबिक ब्याज तय किया जाता है। दूसरी ओर, प्राइवेट सेक्टर में एचडीएफसी बैंक 7.90 प्रतिशत,

एक्सिस बैंक 8.35 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 8.75 प्रतिशत से होम लोन दे रहे हैं। ये सभी बैंक 30 साल तक की लंबी अवधि के साथ अधिकतम 90 प्रतिशत तक फाइनेंस उपलब्ध करा रहे हैं।

डालमिया सीमेंट को 266.3 करोड़ के कर नोटिस

नई दिल्ली डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड (डीसीबीएल), जो डालमिया भारत की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है, को बिक्री कर कार्यालय से कुल 266.3 करोड़ रुपये के नोटिस प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि ये नोटिस सेंट्रल जीएसटी/तमिलनाडु जीएसटी कानून 2017 की धारा 74 के तहत आकलन वर्ष 2019-20 और 2022-23 के लिए लालगुडी, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु के अधिकारी द्वारा जारी किए गए हैं। आकलन वर्ष 2019-20 के लिए, अधिकारियों ने 128.39 करोड़ रुपये का कर और 19.25 करोड़ रुपये का जुर्माना मांगा है, जबकि 2022-23 के लिए 59.32 करोड़ रुपये का कर और समान राशि का जुर्माना निर्धारित किया गया है। कंपनी ने बताया कि यह नोटिस कर योग्य कारोबार और इनपुट टैक्स क्रेडिट में अंतर से संबंधित हैं। कंपनी ने कहा कि उसे ये आदेश 28 नवंबर, 2025 को मिले हैं।

दो माह में दो दर्जन कंपनियां आईपीओ लाने की तैयारी में, 40,000 करोड़ जुटाएंगी

पिछले साल 91 आईपीओ के जरिए कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे

नई दिल्ली भारतीय शेयर बाजार में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का आकर्षण इस साल तेजी से बढ़ रहा है। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार, अगले दो महीनों के दौरान आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी, मीसो और जू नियर ग्रीन इनर्जीसमेत लगभग 24 कंपनियां अपने आईपीओ लाने की तैयारी में हैं। इन आईपीओ के जरिए लगभग 40,000 करोड़ रुपये जुटाने की संभावना है। इस समय की मजबूत पाइपलाइन में कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी फ्रेक्टल एनालिटिक्स, होम और स्लीप समाधान ब्रांड वाके फिट, टेक्नोलॉजी आधारित सुरक्षा और निगरानी कंपनी इनोवे टिव व्यू इें डिया और हॉस्पिटल श्रृंखला पार्क मे डि वर्ल्ड जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। यह संकेत देता है कि कंपनियों का भरोसा मजबूत है और निवेशक न केवल सूचीबद्धता के दिन लाभ के लिए बल्कि लंबी अवधि के निवेश के लिए भी उत्सुक हैं। विशेष रूप से, बड़ी, मझोली और छोटी सभी आकार की कंपनियां आईपीओ ला रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तेजी का श्रेय बढ़ती खुदरा भागीदारी और घरेलू निवेश प्रवाह को जाता है। इस साल अब तक 96 कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई हैं और उन्होंने आईपीओ के माध्यम से कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इनमें से 40 से अधिक कंपनियां केवल पिछले तीन महीनों में सूचीबद्ध हुई हैं, जो प्राथमिक बाजार में बढ़ती गतिविधियों को दर्शाता है। पिछले साल, 2024 में 91 आईपीओ के जरिए कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 96,201 करोड़ बढ़ा

सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस, सबसे अधिक गिरावट भारती एयरटेल में रही

नई दिल्ली

बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 96,200.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस को हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 28,282.86 करोड़ रुपये बढ़कर 21,20,335.47 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 20,347.52 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,676.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 13,611.11 करोड़ रुपये बढ़कर 15,48,743.67 करोड़ रुपये हुआ, जबकि आईसीआईसीआई बैंक 13,599.62 करोड़ रुपये बढ़कर 9,92,725.97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 7,671.41 करोड़ रुपये बढ़कर 5,79,644.16 करोड़ रुपये हुआ। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 6,415.28 करोड़ रुपये बढ़कर 9,04,185.15 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का मूल्यांकन 6,273.15 करोड़ रुपये बढ़कर 6,47,961.98 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के उलट भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 35,239.01 करोड़ रुपये घटकर 11,98,040.84 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का मूल्यांकन 4,996.75 करोड़ रुपये घटकर 5,65,581.29 करोड़ रुपये और टीसीएस का पूंजीकरण 3,762.81 करोड़ रुपये घटकर 11,35,952.85 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

भारत 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने की राह पर

8.2 फीसदी रियल जीडीपी ग्रोथ ने बढ़ाई उम्मीदें, नॉमिनल ग्रोथ 12 फीसदी तक पहुंची

नई दिल्ली

भारत ने 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनने का बड़ा लक्ष्य तय किया है, और ताज़ा आर्थिक संकेतक बताते हैं कि यह लक्ष्य अब पहले से अधिक संभव नजर आ रहा है। दूसरी तिमाही के वित्त वर्ष 26 में देश की रियल जीडीपी ग्रोथ 8.2 फीसदी दर्ज की गई, जो बताती है कि अर्थव्यवस्था मजबूत रफ्तार से आगे बढ़ रही है। भारत की मौजूदा नॉमिनल जीडीपी लगभग 4.15 ट्रिलियन डॉलर है और लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पूरे 25 साल का समय उपलब्ध है। आर्थिक गणनाओं के अनुसार, यदि भारत लगातार 8.23 फीसदी नॉमिनल ग्रोथ रेट बनाए रखता है, तो 2050 तक 30 ट्रिलियन डॉलर का स्तर हासिल किया जा सकता है। मौजूदा परिदृश्य में 8.2 फीसदी रियल ग्रोथ के साथ इन्फ्लेशन जोड़ने पर नॉमिनल ग्रोथ 12 फीसदी से अधिक रहती है, यानी भारत लक्ष्य के लिए आवश्यक ग्रोथ से भी तेज़ चल रहा है। विश्लेषण बताते हैं कि अगर भारत अगले 25 वर्षों तक 8.2 फीसदी रियल ग्रोथ बनाए रखता है, तो 2050 में जीडीपी लगभग 30 ट्रिलियन डॉलर के पास पहुंच सकती है। वहीं यदि नॉमिनल ग्रोथ 12 फीसदी पर बनी रहती है, तो भारत 70 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था भी बन सकता है।

एपिस इंडिया का बड़ा बोनस इश्यू, निवेशकों के लिए खास मौका

24:1 रेशियो में बोनस शेयर, रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर

मुंबई एपिस इंडिया लिमिटेड (सिक्योरिटी कोडः 506166), जो हनी, फूड प्रोडक्ट्स और एफएमसीजी सेक्टर में काम करती है, इस हफ्ते अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा अवसर लेकर आ रही है। कंपनी ने 24:1 के बेहद बड़े अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि निवेशकों के पास जितने भी शेयर हैं, उन्हें हर 1 शेयर पर 24 नए बोनस शेयर मिलेंगे। कंपनी ने 5 दिसंबर को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इस तारीख तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे इस बोनस का लाभ उठा सकेंगे। बोनस इश्यू का मुख्य उद्देश्य कंपनी के मजबूत रिजर्व और वित्तीय स्थिति का संकेत देना होता है। यह निवेशकों के लिए फ्री शेयर पाने का मौका है और इसे अक्सर सकारात्मक संकेत माना जाता है। बोनस शेयर मिलने के बाद निवेशकों की होल्डिंग बढ़ जाती है, हालांकि शेयर की कीमत अपने अनुपात में एडजस्ट हो जाती है। इससे कुल वैल्यू लगभग वही रहती है, लेकिन शेयर की संख्या बढ़ने से लिक्विडिटी तेज होती है और नए निवेशकों के लिए प्रवेश आसान हो जाता है।

तेल-तिलहन बाजार में सुधार के बावजूद सोयाबीन तिलहन दाम में गिरावट

सरसों, मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, पामतेल/पामोलीन और बिनौला तेल के दाम बढ़े

▸▸स्थानीय मांग में सुधार होने के बावजूद मूंगफली की खपत सीमित

नई दिल्ली

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में मिश्रित रुझान दिखा। सरसों, मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, पामतेल और पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ, जबकि सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सोयाबीन डी-आयल्ड केक की कमजोर स्थानीय मांग के कारण मिल वालों की खरीदारी प्रभावित रही, जिससे सोयाबीन तिलहन पर दबाव बना। सरसों के भाव में सुधार हुआ है। दाना 7,110-7,160 रुपये प्रे ति क्विंटल, दादरी तेल 14,725 रुपये प्रे ति क्विंटल और पक्की व कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,470-2,570 और 2,470-2,605 रुपये प्रे ति टिन पर बंद हुए। सरसों के दाम एमएसपी से ऊपर चल रहे हैं, लेकिन आगामी दो-तीन महीनों में नई फसल आने की संभावना और आयातित तेलों से दबाव का असर हो सकता है। सोयाबीन की स्थिति कमजोर बनी हुई है। दाना 4,550-4,600 रुपये और लूज 4,250-4,300 रुपये प्रे ति क्विंटल पर बंद हुए, जो एमएसपी से काफी नीचे हैं। सोयाबीन तेल में दिल्ली 13,450 रुपये और इंदौर 13,100 रुपये प्रे ति क्विंटल पर सुधार दिखा। आयातक पहले लागत से 3-3.5 फीसदी कम दाम पर बेच रहे थे, जो अब 6.5-7 प्रे ति तक बढ़ गया है। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम भी सुधार के साथ बंद हुए। तिलहन 6,450-6,825 रुपये प्रे ति क्विंटल, तेल 15,250 रुपये प्रे ति क्विंटल और साल्वेंट रिफाइंड 2,470-2,770 रुपये प्रे ति टिन पर बंद हुए। स्थानीय मांग बढ़ने के बावजूद हाजिर दाम एमएसपी से 10-12 फीसदी नीचे हैं। पामतेल और पामोलीन के भाव में मामूली सुधार हुआ। सीपीओ 11,275 रुपये, पामोलीन दिल्ली 13,125 रुपये और पामोलीन कांडला 12,100 रुपये प्रे ति क्विंटल पर बंद हुए। सरकार ने कच्चे पामतेल का आयात शुल्क घटाया और सोयाबीन डीगम तेल के आयात शुल्क में मामूली बढ़ोतरी की। विशेषज्ञों ने कहा कि आयात पर निर्भरता बढ़ने और हाजिर दाम एवं एमएसपी के बीच अंतर से किसानों और मिलों को नुकसान हो रहा है। बाजार में सुधार सरसों, मूंगफली और पामतेल में दिख रहा है, लेकिन सोयाबीन तिलहन की गिरावट और हाजिर दाम में अंतर चिंता का विषय बने हुए हैं।

एफपीआई ने नवंबर में घरेलू शेयर बाजार से 3,765 करोड़ निकाले

▸▸साल 2025 में अब तक एफपीआई ने शेयरों से कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाले

नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नवंबर 2025 में भारतीय शेयर बाजार में फिर से बिकवाल बन गए हैं। अक्टूबर में 14,610 करोड़ रुपये के निवेश के बाद, विदेशी निवेशकों ने इस महीने शेयरों से 3,765 करोड़ रुपये निकाले। जुलाई से नवंबर तक एफपीआई का रुख अस्थिर रहा; जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार नवंबर में बिकवाल बनने के कारण वैश्विक और घरेलू दोनों कारकों से जुड़े हैं। बाजार के विशेषज्ञों के मुतो बिक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति में अनिश्चितता, डॉलर में मजबूती और उभरते बाजारों में जोखिम लेने की क्षमता कम होना एफपीआई के सतर्क रुख की वजह बने। भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी इसके पीछे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक जोखिम से बचने की धारणा और प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता सेवाओं एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के शेयरों में उतार-चढ़ाव मुख्य कारण हैं। एफपीआई का प्रवाह बदलने योग्य है, क्योंकि कुछ दिन खरीदार और कुछ दिन बिकवाल रहने का रुझान रहा है। साल 2025 में अब तक एफपीआई ने शेयरों से कुल 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाले हैं। इसी दौरान, ऋण बाजार में निवेश 8,114 करोड़ रुपये का रहा, जबकि स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 5,053 करोड़ रुपये की निकासी हुई।

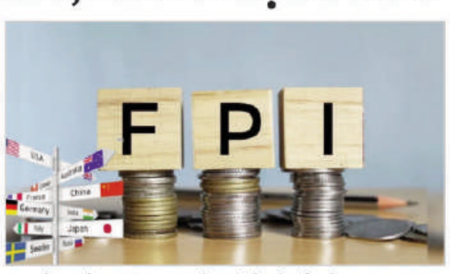

कर्नाटक हाईकोर्ट: मामूली देरी या दस्तावेजों की कमी से मुआवजा हो सकता है रद्द

▸▸एमएसीटी में दावा दर्ज करने और मुआवजा पाने के लिए सावधानी जरूरी

नई दिल्ली

कर्नाटक हाईकोर्ट ने हाल ही में मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) के एक फैसले को सही ठहराते हुए स्पष्ट किया कि मामूली देरी, दस्तावेजों की कमी या सबूतों में खामियां भी सड़क दुर्घटना मुआवजे के हक को प्रभावित कर सकती हैं। मामले में, शिकायत दर्ज कराने में 24 दिन की देरी और आरोपी वाहन के शामिल होने को साबित न कर पाने के कारण एमएसीटी ने दावे को खारिज किया था। हाईकोर्ट ने भी इसे सही माना। एमएसीटी, मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 की धारा 165 के तहत स्थापित है और यह मृत्यु, चोट या तीसरे पक्ष की संपत्ति को हुए नुकसान के मामलों में मुआवजा प्रदान करता है। यह सामान्य सिविल कोर्ट की लंबी प्रक्रिया नहीं अपनाता और धारा 168 के तहत संक्षिप्त प्रक्रिया में जांच कर फैसला सुनाता है। दावा दर्ज करने के लिए आवेदन में दुर्घटना का पूरा विवरण, चोट या नुकसान और मुआवजे की मांग लिखना आवश्यक है। इसे पीड़ित, मृतक के कानूनी प्रतिनिधि, संपत्ति के मालिक या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा दाखिल किया जा सकता है। दावा उस एमएसीटी में दाखिल किया जा सकता है, जहां दावेदार या आरोपी का निवास या व्यवसाय है। आम तौर पर यह दावे दुर्घटना के 6 महीने के भीतर दाखिल किए जाते हैं, हालांकि सुप्रीम कोर्ट में इस सीमा को चुनौती दी गई है। मुआवजा तय करने में उम्र, आय, कमाई की क्षमता, भविष्य की आय के नुकसान, मेडिकल बिल, लंबी अवधि के इलाज की जरूरत और आश्रितों की निर्भरता जैसे फैक्टर्स को ध्यान में रखा जाता है। दर्द और तकलीफ जैसी गैर-आर्थिक क्षतियां भी मुआवजे में शामिल होती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि मजबूत दावा करने के लिए तुरंत एफआईआर दर्ज कराना, दुर्घटना स्थल से सबूत जुटाना, इलाज कराना और एमएलसी दर्ज कराना जरूरी है। देरी या दस्तावेजों में खामियां मामले को कमजोर कर सकती हैं, जैसा कि कर्नाटक हाईकोर्ट के हालिया फैसले में देखा गया।

1 दिसंबर से बदल जाएंगे कई नियम, आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर

सीएनजी-पीएनजी, एलपीजी, बैंकिंग, पेंशन और टैक्स से जुड़े नियम किए गए संशोधित

मुंबई

दिसंबर की शुरुआत के साथ ही कई बड़े आर्थिक और प्रशासनिक बदलाव लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पडने वाला है। हर महीने की तरह इस बार भी गैस, बैंकिंग, पेंशन और टैक्स से जुड़े नियमों में संशोधन किए गए हैं। आइए जानते हैं 1 दिसंबर से क्या-क्या बदलने वाला है।

1. सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में संभावित बदलाव- ऑयल कंपनियां हर महीने सीएनजी, पीएनजी और जेट फ्यूल के दाम में संशोधन करती हैं। 1 दिसंबर को भी नई दरें जारी हो सकती हैं। कीमतों में बढ़ोतरी या कमी का असर सीधे घरेलू बजट पर पड़ेगा, खासकर उन परिवारों पर जो पीएनजी गैस से खाना पकाते हैं या सीएनजी वाहनों का उपयोग करते हैं।

2. एलपीजी सिलेंडर की कीमतें भी होंगी अपडेट- सरकार हर महीने घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के रेट में बदलाव करती है।

नवंबर में दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 5 रुपए की कमी की गई थी। दिसंबर में फिर से नई कीमतें जारी की जाएंगी, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और आम उपभोक्ताओं का खर्च प्रभावित होगा।

3. पेंशनरों के लिए जरूरी निर्देश- पेंशन प्राप्त करने वाले बुजुर्गों के लिए दिसंबर बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार ने सभी पेंशनरों को 30 नवंबर या दिसंबर तक जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के निर्देश दिए हैं। समय पर प्रमाण पत्र जमा न करने पर जनवरी से पेंशन रोक दी जाएगी। अच्छी बात है कि यह प्रक्रिया अब ऑनलाइन भी पूरी की जा सकती है।

4. ऑनलाइन बैंकिंग और कार्ड नियमों में बदलाव- 1 दिसंबर से कई बैंक ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई, क्रेडिट व डेबिट कार्ड से जुड़े नियम अपडेट कर रहे हैं। कुछ बैंकों में सुरक्षा सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं, वहीं कार्ड चार्ज और ट्रांजैक्शन फीस में बदलाव संभव है। ग्राहकों को अपने बैंक के नोटिफिकेशन पर नजर बनाए रखना चाहिए।

5. टैक्स फाइलिंग की अंतिम तिथि और बैंक हॉलिडे- अक्टूबर महीने की टीडीएस फाइलिंग की आखिरी तारीख 30 नवंबर तय की गई है। वहीं दिसंबर में लगभग 18 दिन बैंक हॉलिडे रहेंगे, इसलिए किसी भी बैंकिंग कार्य की पहले से योजना बनाना जरूरी है।

विराट कोहली ने रचा इतिहास: एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

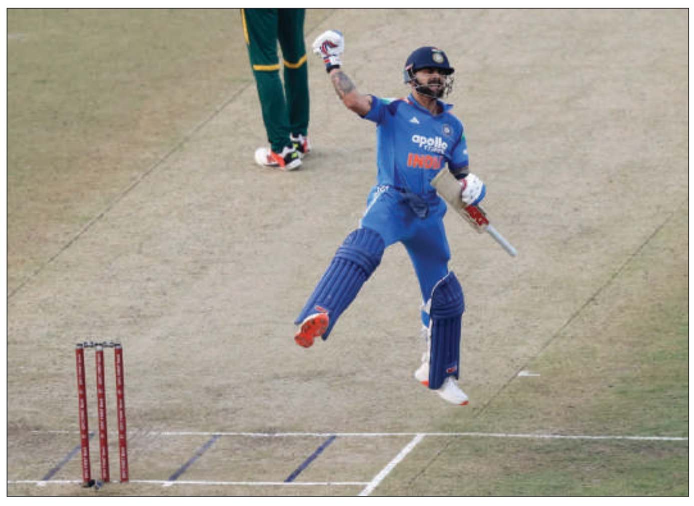

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एक बार फिर दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को रांची में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले ODI में अपना 52वां एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शतक जड़ दिया। यह शतक पुरुषों के क्रिकेट में 7000वां अंतर्राष्ट्रीय शतक भी है।

भारत ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (51 गेंदों पर 57 रन) को एक शानदार अर्धशतक के बाद खो दिया था। रोहित-कोहली की जोड़ी ने 109 गेंदों पर 136 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने भारत के लिए मजबूत आधार तैयार किया। रोहित ने अपनी पारी में तीन छक्के भी लगाए।

रोहित के आउट होने के बाद, भारत की पारी थोड़ी लड़खड़ाई, जब रुतुराज गायकवाड़ और वाशिंगटन सुंदर सस्ते में आउट हो गए। रन रेट धीमा हुआ और साउथ अफ्रीका ने वापसी की कोशिश की।

हालांकि, कोहली अडिग रहे। उन्होंने चुपचाप शुरुआत की, लेकिन फिर जरूरत पड़ने पर गियर बदला और एक-एक ईंट से अपनी पारी को बनाया। यह शतक 38वें ओवर में आया, जब उन्होंने ऑलराउंडर मार्को जेनसन की गेंद को बेहतरीन तरीके से थर्ड मैन के ऊपर से गाइड किया।

गेंद बाउंड्री के पार चली गई और कोहली ने हवा में मुक्का मारते हुए ज़ोरदार जश्न मनाया। दूसरे छोर पर, केएल राहुल ने शांत रहकर स्ट्राइक रोटेट की और कोहली को चार्ज लेने दिया। ओवर बाकी रहने और बैटिंग लाइनअप में गहराई होने के साथ, भारत 300 से अधिक रन बनाने की अच्छी स्थिति में दिख रहा है।

रोहित और विराट सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली भारतीय जोड़ी बनी, तेंदुलकर और द्रविड़ को पीछे छोड़ा

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली ने यहां दक्षिण अफीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में उतरने ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। अब विराट और रोहित की जोड़ी भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक मैच खेलने वाली जोड़ी बन गयी है। इससे पहले ये रिकार्ड सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी के नाम था। अब रोहित और विराट ने एक साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 392 मैच खेले हैं। यह संयुक्त रूप से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा खेले गए मैच हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी ने 391 मैच खेले हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने वाली तीसरी जोड़ी राहुल द्रविड़ और गांगुली की है। इस जोड़ी ने 369 मैच खेले हैं। इस मैच से भारतीय प्रशंसकों को रोहित और विराट की जोड़ी को लंबे समय बाद एक साथ घरेलू मैदान पर खेलते हुए देखने का अवसर मिला है। रोहित और विराटने भारत के लिए एक साथ अपना पहला मैच 18 अगस्त 2008 को खेला था। तब से लेकर इन दोनों ने जमकर रन बनाते हुए एक साथ मिलकर टीम इंडिया को कई मैच जिताए। येसीरीज इन दोनो का ही भविष्य तय करेगी।, टेस्ट और टी20 से रोहित–कोहली के संन्यास लेने से टीम प्रबंधन उन्हें अगले विश्व कप के लिए दावेदार नहीं मान रहा था, मगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इन दोनो ने ही जमकर रन बनाकर अपनी दांवेदारी पेश की थी। अब देखना है कि दक्षिण अफीका के खिलाफ ये कितने सफल रहते हैं।

सुल्तान अजलान शाह कप: रोमांचक फाइनल में बेल्जियम से 1-0 से हारा भारत, रजत पदक से करना पड़ा संतोष

मलेशिया। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 के रोमांचक फाइनल में भारत को कड़े मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा और टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बेल्जियम ने अपने इतिहास में पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। मैच का एकमात्र गोल थिबो स्टॉकब्रोक्स ने 34वें मिनट में किया।

भारत, जिसने शनिवार को कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था, बेल्जियम के खिलाफ मिले तीन पेनल्टी कॉर्नर का लाभ नहीं उठा सका। इस टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर अटैक में सफल रहे जगराज सिंह, अमित रोहिदास और संजय बेल्जियम की मजबूत रक्षा को भेद नहीं पाए।

लीग चरण में भी भारत को बेल्जियम ने 3-2 से हराया था और फाइनल में भी वही कहानी दोहराई। मैच में दोनों टीमों ने बेहतरीन रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन किया। मैनप्रीत सिंह और हार्दिक सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी, जिन्होंने विश्व स्तरीय टीम बेल्जियम के खिलाफ कड़ी टक्कर दी।

पहला हाफ गोलरहित रहा, लेकिन इसमें भरपूर ड्रामा देखने को मिला। बेल्जियम ने बेहतर शुरूआत की और गेंद पर अधिक कब्जा जमाए रखा। उनके हमलों ने भारतीय रक्षा को चुनौती दी और भारतीय गोलकीपर ने कुछ अहम बचाव किए। शुरूआती दो ढउ२ को भारत ने सफलतापूर्वक बचाया।

भारत को मैच की लय में आने में समय लगा, जबकि बेल्जियम ने मिडफील्ड में दबदबा बनाए रखा। हालांकि बेल्जियम बार-बार सर्कल में घुसने में सफल रहा, लेकिन भारतीय रक्षा ने उन्हें गोल करने से रोके रखा।

हाफ टाइम के बाद बेल्जियम ने अपने खेल की तीव्रता बढ़ाई और भारत पर दबाव बनाया। भारत ने हाई प्रेस का सहारा लेते हुए सर्कल एंट्री बढ़ाई, लेकिन बेल्जियम की रक्षा को भेदने में कामयाब नहीं हो सके। इसी बीच 34वें मिनट में स्टॉकब्रोक्स ने गोल कर बेल्जियम को बढ़त दिला दी।

अंतिम क्वार्टर में भारत ने बराबरी हासिल करने के लिए लगातार हमले किए, लेकिन बेल्जियम की मजबूत संरचना और समय प्रबंधन ने उन्हें मौका नहीं दिया। अंततः बेल्जियम ने 1-0 की जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अभिषेक ने 12 गेंदों मे ही लगाया अर्धशतक

-सबसे तेज पचास रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बने

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब की ओर से खेलते हुए बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 12 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। अधिषेक ने 425.00 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। इस युवा बल्लेबाज ने हैदराबाद में बंगाल के खिलाफ एलीट ग्रुप सी के मुकाबले में 12 गेंद में 5 चौके और 5 छक्के लगाकर सबको हैरान कर दिया।

पंजाब कप्तानी करते हुए अभिषेक ने बंगाल के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। पहले दो मैचों में वह रन नहीं बना पाये थे पर इस मैच में उन्होंने कोई गलती नहीं की। इस मैच में उन्होंने मोहम्मद शमी की गेंदों पर भी जमकर शॉट लगाये। अभिषेक का 12 गेंदों में लगाया अर्धशतक पुरुष टी20 क्रिकेट में संयुक्त रूप से तीसरा व किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। प्रभसिमरन सिंह के साथ पारी की शुरुआत करते हुए अभिषेक ने शमी और आकाश दीप की गेंदों को जमकर पीटा। उन्होंने साक्षम चौधरी और वृत्तिक चटर्जी के खिलाफ भी तेजी से रन बनाये।

टी20 में सबसे तेज अर्धशतक नेपाल के दिपेंद्र सिंह ऐरी ने सितंबर 2023 में हांगझो एशियन गेम्स के दौरान मंगोलिया के खिलाफ 10 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। वहीं भारत के अशुतोष शर्मा दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 2023-24 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ रेलवे की ओर से खेलते हुए 11 गेंदों में ही पचास रन बना दिये। अब अभिषेक तीसरे नंबर पर आ गये हैं।

चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात

अहमदाबाद (एजेंसी)। चयनकर्ता प्रमुख अजीत अगरकर 26 नवंबर से घरेलू ड्यूटी पर अहमदाबाद में तैनात हैं, जबकि भारतीय क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से घरेलू टेस्ट हार से अभी भी जूझ रहा है। सेलेक्टर्स के चेयरमैन, जिनकी अक्सर घरेलू सर्किट से ज़्यादा इंटरनेशनल गेम को प्राथमिकता देने के लिए आलोचना की जाती है, नेशनल टी20 चैंपियनशिप के ग्रुप डी मैचों की देखरेख कर रहे हैं जो अभी कई शहरों में फैले हुए हैं।

अगरकर की अगुवाई वाला पैनल घरेलू क्रिकेट से दूर रहने, खासकर व्हाइट-बॉल रिटर्न के आधार पर टेस्ट खिलाड़ियों को चुनने और स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों के बजाय ऑलराउंडरों को तरजीह देने के लिए जांच के दायरे में है। साई सुदर्शन और नीतीश रेड्डी के चयन ने ध्यान खींचा है, जबकि सरफराज खान, अभिमन्यु ईश्वरन और करुण नायर को बाहर रखने पर बहस जारी है। हालांकि चयन पांच सदस्यों वाली कमेटी का सामूहिक फैसला है, लेकिन अगरकर की सबसे ज्यादा आलोचना विदेशी दौरों और इंटरनेशनल मैचों में उनकी लगातार मौजूदगी के कारण हुई है।

यह साफ नहीं है कि टेस्ट हार के बाद उनका मौजूदा घरेलू कार्यकाल बीसीसीआई के किसी निर्देश से जुड़ा है या नहीं, लेकिन अगरकर को पिछले कुछ दिनों में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में देखा गया है। दूसरे चयनकर्ताओं में, प्रज्ञान ओझा रविवार (30 नवंबर) से दक्षिण अफ्रीका में शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम के साथ यात्रा करने वाले हैं, जबकि एसएस दास (कोलकाता), आरपी सिंह (लखनऊ) और अजय रात्रा (हैदराबाद) सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी ड्यूटी पर हैं।

टेस्ट सीरीज में हार के बाद रेड-बॉल क्रिकेट को लेकर भी बड़ी चर्चाएं शुरू हो गई हैं जिसमें यह भी शामिल है कि क्या इस फॉर्मेट से हटने वाले सीनियर खिलाड़ियों से दोबारा सोचने के लिए कहा जा सकता है। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि विराट कोहली से संपर्क किया गया है, लेकिन यह विचार फैलने लगा है। किसी भी औपचारिक कदम की कोई निश्चितता नहीं है, हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि हाल ही में रिटायर हुए कम से कम एक खिलाड़ी दोबारा सोचने के लिए तैयार हो सकता है।

कई फ्रेंचाइजी स्काउट्स भी सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी वेन्यू पर पहुंच गए हैं, जिसमें जॉन राइट - भारत के पूर्व कोच और लंबे समय से मुंबई इंडियंस के स्काउट, अहमदाबाद के प्रमुख नामों में से हैं। वरुण एरॉन, पार्थिव पटेल, किरण मोरे और विजय भारद्वाज भी मौजूद हैं। राइट, जो सालों से मुंबई इंडियंस के लिए स्काउट रहे हैं और जिन्हें जसप्रीत बुमराह को खोजने का श्रेय दिया जाता है, 16 दिसंबर को आईपीएल ऑक्शन से पहले एक्शन पर नजर रख रहे हैं। अहमदाबाद ने दूसरे सेंटर्स की तुलना में ज़्यादा ध्यान खींचा है, जहां झारखंड, तमिलनाडु, कर्नाटक, सौराष्ट्र, उत्तराखंड, दिल्ली और त्रिपुरा की टीमें अभी नरेंद्र मोदी स्टेडियम के मैदान में खेल रही हैं।

भारत अंडर–19 और अफगानिस्तान अंडर–19 के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल रद्द

बेंगलुरु । भारत अंडर–19 और अफगानिस्तान अंडर–19 के बीच एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल मैच खराब मौसम की वजह से रविवार को यहां रद्द हो गया। भारत अंडर–19 टीम 19 ओवर में पांच विकेट पर 79 रन बनाकर जूझ रही थी जब बारिश और खराब रोशनी की वजह से खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया। तेज गेंदबाज अब्दुल अजीज ने कप्तान विहान मल्होत्रा ??और वंश आचार्य के विकेट लेकर अफगानिस्तान को शुरुआती सफलताएं दिलाईं जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 24 रन हो गया। निष्क चौहान (नाबाद 28) और अभिज्ञान कुंडू (27) ने पांचवें विकेट के लिए 51 रन जोड़कर विकेटों के पतझड़ पर विराम लगाया लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और अंततः मैच रद्द हो गया।

हरमनप्रीत और युवराज सिंह के नाम के स्टैंड बनाएगी पीसीए

चंडीगढ़ । अब पूर्व ऑलरांउडर युवराज सिंह और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम के स्टैंड मोहाली में मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में बनेंगे। ये घोषणा पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने की है। इसके अलावा, हरमनप्रीत के साथ ही अमनजोर कौर को इनामी राशि भी दी जाएगी। पीसीए के कार्यवाहक सचिव सिद्धार्थ शर्मा ने कहा, इन खिलाड़ियों को विश्वकप जीतने के लिए सम्मानित किया जा रहा है। साथ ही कहा कि हमने उनके नाम पर एक स्टैंड की घोषणा की है। 11 दिसंबर को भारत–दक्षिण अफ्रीका मैच में युवराज और हरमनप्रीत के नाम के स्टैंड का उद्घाटन होगा। यह स्टैंड न्यू मुल्लापुर में नए अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बनेगा। यह उनकी उपलब्धि के लिए हमारी ओर से एक छोटी सी भेंट है। सिद्धार्थ के अनुसार इन महिला खिलाड़ियों को देखकर ही युवा लड़कियां भी इस खेल से जुड़ेंगी। उन्होंने कहा, महिला क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिगेज जैसी खिलाड़ियों को देखकर ही युवा सामने आएंगी। साथ ही कहा कि जब युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी, तभी महिला क्रिकेट आगे बढ़ेगा। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने महिला विश्व कप 2025 के फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर खिताब जीता था। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 45.3 ओवरों में महज 246 रन ही बना पायी। वहीं युवराज सिंह ने भारत को टी20 विश्व कप 2007 और एकदिवसीय विश्व कप 2011 का खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप : भारत की ओमान पर 17-0 से शानदार जीत, क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के करीब

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने चेन्नई के एग्मोर में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में अपने दूसरे पूल बी मैच में ओमान को 17-0 से हराकर पुरुषों के हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में अपनी लगातार दूसरी जीत हासिल की। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में चिली को 7-0 से हराया था। अर्शदीप सिंह (4‘, 33‘, 40‘), मनमीत सिंह (17‘, 26‘, 36‘) और दिलराज सिंह (29‘, 32‘, 58‘) ने हैट्रिक बनाई, जबकि अजीत यादवल (34‘, 47‘), गुरजोत सिंह (39‘, 45‘) और लुवांग थोनाओजम इंगालेम्बा (43‘, 50‘) ने दो-दो गोल किए।अ नमोल एक्का (29‘) और शारदा नंद तिवारी (55‘) ने मैच के बाकी दो गोल किए।

अर्शदीप ने चौथे मिनट में गोल किया, लेकिन यह पहले क्वार्टर का एकमात्र गोल साबित हुआ, क्योंकि ओमान ने अपनी किस्मत और आखिरी समय में कुछ अच्छे डिफेंस के दम पर स्कोर 1-0 पर बनाए रखा। लेकिन, दूसरे पीरियड में मनमीत सिंह के दो गोल से भारत ने बढ़त बना ली, जिसके बाद दिलराज सिंह और अनमोल एक्का ने हाफ-टाइम तक भारत को 5-0 से आगे कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में जोरदार वापसी की, जिसमें मेज़बान टीम ने मेहमान टीम पर आठ गोल किए, जिसमें मनमीत और अर्शदीप ने अपनी-अपनी हैट्रिक पूरी कीं।

भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी चार और गोल करके अच्छा प्रदर्शन किया, जब दिलराज सिंह ने 58वें मिनट में अपने हैट्रिक गोल से शानदार स्कोरलाइन को खत्म किया। भारत के पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए, जबकि शारदा नंद तिवारी ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। बाकी 11 गोल ओपन प्ले से आए।

इस जीत की वजह से, भारत अभी चल रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के ग्रुप बी में बेहतर गोल डिफरेंस के आधार पर टॉप पर है। इस नतीजे का यह भी मतलब है कि अगर भारत मंगलवार को अपने आखिरी ग्रुप बी मैच में स्विट्जरलैंड से हार से बचता है, तो वह पूल विनर के तौर पर सीधे मेन्स हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच जाएगा। अगर भारत स्विट्जरलैंड से हार जाता है जिसने भी दो मैचों में दो जीत हासिल की हैं, तो उसे क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए छह रनर-अप टीमों में टॉप दो टीमों में शामिल होना होगा।

MLS CUP: मेस्सी की इंटर मियामी टीम ने न्यूयॉर्क सिटी FC को 5-1 से हराकर फाइनल में एंट्री की

फोर्ट लाउडरडेल । लियोनेल मेस्सी की टीम इंटर मियामी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूयॉर्क सिटी स्रष्ट को 5–1 से हराकर ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस खिताब जीत लिया और इसके साथ ही एमएलएस कप फाइनल में जगह पक्की कर ली। इस जीत के बाद मेस्सी का एक और बड़े खिताब के लिए खेलना लगभग तय हो गया है। इंटर मियामी की जीत के हीरो रहे मेस्सी के अर्जेंटीनी साथी तादेओ अलेंदे, जिन्होंने बेहतरीन हैट्रिक जमाई। वहीं, जॉर्डी अल्बा और सर्जियो बुस्केट्स ने भी एक–एक गोल दागा। मेस्सी के लिए यह मैच व्यक्तिगत रूप से खास नहीं रहा, लेकिन उन्होंने शुरुआती दो गोल में महत्वपूर्ण असिस्ट दिए। यह क्लब और देश के लिए मिलाकर मेस्सी के करियर का 405वां असिस्ट था, जो फुटबॉल इतिहास में सर्वाधिक माने जाते हैं। इंटर मियामी अब एमएलएस कप फाइनल में वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस के विजेता—सैन डिएगो या वैंकूवर की मेजबानी आगामी शनिवार को करेगी।

इमोशनल कोच होना हमेशा फायदेमंद नहीं, गौतम गंभीर पर डिविलियर्स का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 की शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम और मुख्य कोच गौतम गंभीर लगातार आलोचना के केंद्र में हैं। सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट विश्लेषकों तक, गंभीर पर भारत के टेस्ट क्रिकेट को गलत दिशा में ले जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन पर लगातार प्रयोग करने, बैटिंग ऑर्डर में अनिश्चित बदलाव, स्पेशलिस्ट खिलाड़ियों को नज़रअंदाज़ करने और ऑलराउंडरों को लेकर अतिशय लगाव दिखाने की बातें तेजी से सामने आ रही हैं। हालांकि गंभीर साफ कह चुके हैं कि टीम ट्रांजिशन के दौर में है और बदलाव का ये ही सही समय होता है, चाहे उसे लेकर कितनी भी आलोचना क्यों न झेलनी पड़े। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल से बातचीत में डिविलियर्स ने कहा कि टीम का कोच बहुत ज्यादा इमोशनल हो, तो यह हमेशा सकारात्मक साबित नहीं होता। उन्होंने कहा, 'मैं गौतम गंभीर को एक बेहद भावुक खिलाड़ी के रूप में जानता आया हूं। अगर ड्रेसिंग रूम में भी वही भावुकता हावी रहती है, तो आमतौर पर इमोशनल कोच का होना अच्छी बात नहीं माना जाता।'

डिविलियर्स और गंभीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साथ लंबा वक्त बिताया है और कई बार एक-दूसरे के खिलाफ बड़े मुकाबले खेले हैं। आईपीएल में भी दोनों कई साल प्रतिद्वंद्वी रहे। इन्हीं अनुभवों की वजह से डिविलियर्स गंभीर की कोचिंग स्टाइल को समझने की कोशिश करते दिखाई दिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भावुक खिलाड़ी होना जरूरी नहीं कि वही शख्स भावुक कोच भी हो। डिविलियर्स ने कहा, 'हर खिलाड़ी की जरूरत अलग होती है। कुछ लोग ऐसे कोच के साथ ज्यादा सहज महसूस करते हैं जो खुद महान खिलाड़ी रहा हो, जबकि कुछ ऐसे कोच के साथ बेहतर खेलते हैं जिनके पास वर्षों का कोचिंग अनुभव हो, भले उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न खेला हो।' उन्होंने बताया कि उन्हें गैरी कर्स्टन जैसे शांत और संतुलित कोच के तहत खेलना बेहद पसंद था, और यह उनके प्रदर्शन के लिए फायदेमंद साबित हुआ। भारत में टेस्ट सीरीज की हार के बाद अगले साल गंभीर के लिए बड़ा इम्तिहान होगा और टीम के प्रदर्शन से ही तय होगा कि उनका प्रयोगात्मक दृष्टिकोण सही दिशा में है या नहीं। आलोचनाओं के बावजूद डिविलियर्स ने संकेत दिया कि नए बदलावों को समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि हर टीम कभी न कभी बदलाव के दौर से गुजरती है।

डब्ल्यूबीबीएल 2025 : पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंची मेलबर्न स्टार्स

मेलबर्न । विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के 28वें मुकाबले में शनिवार को मेलबर्न स्टार्स ने जंक्शन ओवल में खेले गए मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स पर 45 रन की शानदार जीत दर्ज की। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ मेलबर्न स्टार्स ने प्वाइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल कर लिया है। स्टार्स ने अब तक खेले गए 7 मुकाबलों में से 5 में जीत दर्ज की है, जबकि एक मैच में हार का सामना करना पड़ा और एक मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। दूसरी ओर मेलबर्न रेनेगेड्स ने अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम ने 4 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार झेलनी पड़ी है। अंक तालिका में रेनेगेड्स वर्तमान में तीसरे स्थान पर है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेलबर्न स्टार्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज 14 रन पर रिस मैककेना का विकेट गंवा दिया, जो सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुईं। शुरुआती झटके के बाद मेग लैनिंग और एमी जोन्स ने मिलकर टीम को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 51 गेंदों में 62 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। एमी जोन्स ने 33 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 43 रन की उपयोगी पारी खेली। इसके बाद कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने लैनिंग का साथ देते हुए तीसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 70 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सदरलैंड ने 16 गेंदों में 27 रन का योगदान दिया, जबकि मेग लैनिंग अंत तक नाबाद रहीं और 58 गेंदों में 1 छक्का और 7 चौकों की मदद से शानदार 73 रन बनाए। निर्धारित 20 ओवर में मेलबर्न स्टार्स ने 5 विकेट पर 160 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। रेनेगेड्स की ओर से मिली इलिंगवर्थ ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए, जबकि जॉर्जिया वेयरहैम ने 2 विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम कभी भी लय में दिखाई नहीं दी और 16.3 ओवरों में 115 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए डिएंड्रा डॉटिन और निकोल फाल्टम ने सर्वाधिक 23–23 रन बनाए, जबकि इसी वोंग ने 20 रन का योगदान दिया। मेलबर्न स्टार्स के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें मैसी गिब्सन ने 3 विकेट चटकाए और किम गार्थ ने 2 सफलताएं हासिल कीं।

रसेल अब आईपीएल में नहीं खेलेंगे, सहयोगी स्टाफ के तौर पर उतरेंगे

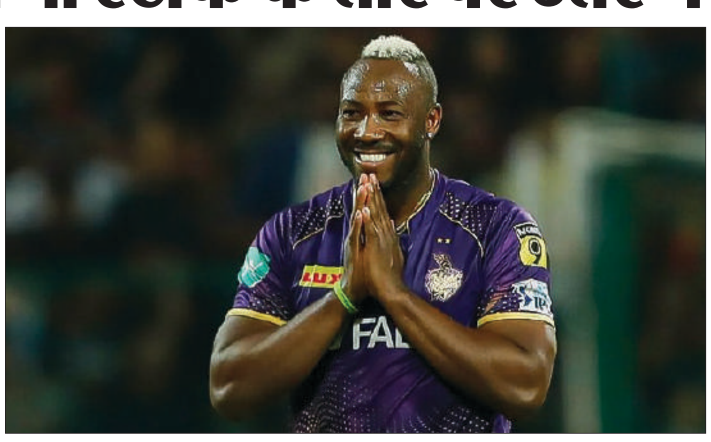

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब आईपीएल में खेलते हुए नहीं दिखेंगे। इसका कारण है कि रसेल ने आईपीएल से संन्यास ले लिय है।

रसेल के इस फैसल से उनकी टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के प्रशंसक हैरान हैं। रसेल अचानक ही संन्यास ले लेंगे। इसका अंदेशा उन्हें नहीं था। वह अभी विश्वभर की टी20 लीग्स में अपने प्रदर्शन से छाये हुए हैं। इस कारण आईपीएल में भी उनकी अच्छी मांग हैं। रसेल ने यह फैसला केकेआर द्वारा उन्हें आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही रिलीज करने के बाद लिया। रसेल ने आईपीएल को अलविदा कह दिया है पर कहा है कि वह सहयोगी स्टाफ के तौर पर उतरेंगे।

रसेल ने कहा कि वह केकेआर के साथ बने रहेंगे। वह आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के सहयोगी स्टाफ के रूप में टीम के साथ बने रहेंगे।

रसेल ने अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'ढ्ढक्क से संन्यास ले रहा हूं। साथ ही कहा कि इसमें शानदार सफर रहा है। सीज़न की यादें, और केकेआर परिवार से काफी प्यार मिला। मैं दुनिया भर की हर दूसरी लीग में छक्के मारता रहूंगा और विकेट लेता रहूंगा। और सबसे अच्छी बात? मैं घर नहीं छोड़ रहा हूं। इस बार मैं नई भूमिका में नजर आउंगा।।'

रसेल ने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत केकेआर नहीं बल्कि दिल्ली कैपिटल्स के साथ 2012 में की थी। दो सत्र दिल्ली से खेलने के बाद वह 2014 में केकेआर के साथ जुड़े और अपने पहले ही सीजन में उन्होंने टीम को विजेता बनाया। साल 2014 के बाद 2025 तक वह लगातार 12 साल कोलकाता की टीम का हिस्सा रहे। रसेल ने आईपीएल में कुल 140 मैच खेले जिसमें उन्होंने 2651 रन बनाने के साथ-साथ 123 विकेट लिए। ऐसे में एक खिलाड़ी के तौर पर लीग में उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गिनी बिसाऊ में इलिडियो विएरा नए प्रधानमंत्री

बिसाऊ, एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश- गिनी-बिसाऊ में हालिया चुनाव के कुछ दिनों के भीतर ही तख्तापलट के बाद सेना ने शुक्रवार को इलिडियो विएरा ते को नया प्रधानमंत्री नियुक्त नियुक्त किया है। विएरा ते हटाए गए राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो के करीबी सहयोगी हैं। उन्होंने रविवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उनके कैंपेन डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। देश के नए मिलिट्री लीडर जनरल होर्ता इंटा-आ ने एक आदेश कर उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त करने की घोषणा की है। गौरतलब है कि, बुधवार को राष्ट्रीय चुनावों के तीन दिन बाद सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। अपदस्थ राष्ट्रपति उमारो सिस्सोको एम्बालो पड़ोसी सेनेगल चले गए हैं। इस बीच, विपक्ष ने कहा कि चुनाव में हार से बचने के लिए एम्बालो ने तख्तापलट की साजिश रची थी। सेना के जरिये कर्फ्यू हटाए जाने के बाद राजधानी बिसाऊ में शांति लौट आई है। लोग और गाड़ियां शहर की सड़कों पर घूम रही हैं। मुख्य स्टॉक एक्सचेंज और बाहरी ज़िलों के बाजार, बैंक भी फिर से खुल गए हैं। गिनी-बिसाऊ दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है।

ब्रिटेन में कुल प्रवासन घटकर 2.04 लाख पर पहुंचा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में कुल प्रवासन जून 2025 तक तेजी से घटकर 2,04,000 रह गया है। देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) के अनुसार यह गिरावट मुख्यत: नए अप्रवासियों में कमी और देश छोड़ने वालों की संख्या में हल्की बढ़ोतरी के कारण हुई। जून 2023 में कुल प्रवासन 9.06 लाख के उच्च स्तर पर था। रिपोर्ट में बताया गया कि जून 2025 तक ईयू और यूके दोनों नागरिक समूहों में शुद्ध बाहर जाने वालों की संख्या अधिक रही। इनमें देश छोड़ने वाले अधिकांश ब्रिटिश नागरिक 35 वर्ष से कम आयु के थे।

गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ वापस ली शिकायत

लंदन, एजेंसी। गूगल ने माइक्रोसॉफ्ट के क्लाउड व्यवसाय के खिलाफ दायर अपनी यूरोपीय यूनियन से प्रतिस्पर्धा रोधी शिकायत वापस ले ली है। यह कदम ऐसे समय आया है, जब यूरोपीय आयोग ने हाल ही में क्लाउड सेक्टर में माइक्रोसॉफ्ट की जांच शुरू की है। गूगल ने पिछले साल आरोप लगाया था कि माइक्रोसॉफ्ट अपने एज्यूर प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों को बांधकर प्रतिस्पर्धा घटा रहा है। क्लाउड बाजार में अमेजन 30 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर है, जबकि माइक्रोसॉफ्ट 20 फीसदी और गूगल 13 फीसदी पर है।

अफगान सरकार की ईंधन की खपत कम करने की अपील

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के काबुल में नगर पालिका ने सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए निवासियों से ईंधन की खपत कम करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि छोटे घरों में चलने वाले स्टोव व चूल्हे इसके प्रमुख स्रोत हैं। शहर में प्रदूषण पिछले साल की तुलना में अधिक दर्ज किया गया है, जिससे लोगों की सेहत पर असर पड़ रहा है। विशेषतौर से सुबह और शाम के समय धुआं व धूल आंखों व सांस लेने में परेशानी पैदा कर रहे हैं।

यूरोप और अमेरिका में बर्ड फ्लू के मामले बढ़े, 3 महीने में 1.6 करोड़ मुर्गियां मारी गई

बर्लिन, एजेंसी। यूरोप और उत्तरी अमेरिका में बर्ड फ्लू (हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लुएंजा) तेजी से फैल रहा है। जंगली पक्षियों और मुर्गी फार्मों में तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। अमेरिका में 18 नवंबर तक 107 जगहों पर बर्ड फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। बर्ड फ्लू के कारण सितंबर से अब तक अमेरिका और कनाडा में करीब 1 करोड़ 60 लाख मुर्गियां मारनी पड़ी हैं। सितंबर से नवंबर तक 26 यूरोपीय देशों में जंगली पक्षियों में 1,443 फ्लू के मामले दर्ज किए गए, जो पिछले साल से 4 गुना ज्यादा और 2016 के बाद सबसे अधिक है। जर्मनी में तीन साल में सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। वहीं, फ्रांस ने अक्टूबर में ही पूरे देश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया था।

श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' : राहत कार्यों के लिए कोलंबो पहुंची एनडीआरएफ टीमें, ऑपरेशन सागर बंधु जारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में चक्रवात 'दित्वाह' तबाही मचा रहा है। शनिवार को यह तूफान तमिलनाडु की तरफ बढ़ रहा है। चेन्नई के दक्षिण में चक्रवात दित्वाह 430 किलोमीटर की दूरी पर है। रविवार सुबह तक इसके उत्तरी तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तटवर्ती इलाकों में पहुंचने की आशंका है। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में यह चक्रवात बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है।

पाकिस्तान की चाल नाकाम, ऑक्सफोर्ड में बहस से भागकर भारतीयों पर आरोप, खुली पोल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में भारत और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों के बीच होने वाली एक बहस रद्द कर दी गई है। इस बहस के रद्द होने का दुनिया के ज्यादातर लोगों को कोई पता नहीं चला। लेकिन झूठे पाकिस्तान को यह कहां बर्दाश्त था। भारत के खिलाफ मिली हर हार को अपनी जीत बनाकर पेश करने वाले पाकिस्तान ने यहाँ पर भी बहस से भागकर इसे जीत बनाने की कोशिश करनी शुरू कर दी। ब्रिटेन स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग ने ट्वीट करके दावा किया कि ऑक्सफोर्ड में होने वाली बहस से भारतीय प्रतिनिधि पीछे हट गए हैं। बाद में भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साई दीपक ने पाकिस्तान के इस झूठ का सबूतों के साथ पर्दाफाश कर दिया। पाकिस्तानी उच्चायोग की तरफ से ट्वीट करके कहा गया कि ऑक्सफोर्ट यूनिवर्सिटी में 'भारत की पाकिस्तान नीति एक सुरक्षा नीति के रूप में बेची गई जनप्रिय रणनीति है।' नामक शीर्षक पर बहस होनी थी, लेकिन भारतीय वक्ता अंतिम समय पर इस बहस से पीछे हट गए। पाकिस्तानी उच्चायोग ने इस बहस के लिए भारत की तरफ से जिन वक्ताओं के नाम बताए उनमें पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाणे, सुब्रमण्यम स्वामी और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का नाम था। वहीं, पाकिस्तान की तरफ से पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार, ब्रिटेन में पाकिस्तान के उच्चायुक्त मोहम्मद फैसल और पाकिस्तानी सेना के पूर्व जनरल जुबैर महमूद हयात शामिल थे।

जे साई दीपक ने खोली पोल : पाकिस्तान के ब्रिटेन स्थित हाईकमीशन द्वारा फैलाए जा रहा यह झूठ जब तक दुनिया तक पहुंचता उससे पहले भी भारतीय सुप्रीम कोर्ट के वकील जे साई दीपक ने इसकी बखियां उधेड़ दीं। उन्होंने पाकिस्तानी दावों का खंडन सबूतों के साथ किया। उन्होंने कहा ऑक्सफोर्ड द्वारा भेजी गई अपनी भागीदारी की पुष्टि वाली ईमेल को भी साझा करते हुए लिका कि उनके साथ पूर्व सेना प्रमुख नरवाने और स्वामी भी भारतीय पक्ष की तरफ से वक्ता थे। उन्होंने लिखा, 'पाकिस्तानी लोग ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को भी गड़बड़ कर देते हैं और हमेशा की तरह इस बार भी वह सच बोलने की ताकत नहीं रखते। दीपक ने कहा, 'इस ईमेल के बाद यूनिवर्सिटी की तरफ से बताया गया कि नरवाने और स्वामी इस कार्यक्रम में नहीं आ सकते हैं। उन्होंने मुझसे कोई नए नाम भेजने के लिए कहा। लेकिन जब तक मैं विकल्प भेज पाता उससे पहले ही मुझे बताया गया कि इस बहस के लिए सुहेल सेठ और राज्य सभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी से संपर्क किया गया है और उन्होंने शामिल होना स्वीकार किया है। मुझे लगा की ठीक है मामला खत्म हुआ। लेकिन इसके बाद मुझे बताया गया कि दोनों ने एक दम से नोटिस देने की वजह से इस कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार कर दिया है। '

प्रियंका चतुर्वेदी ने भी की पुष्टि : प्रियंका चतुर्वेदी ने भी सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें जुलाई में ही इसका आमंत्रण मिल गया था लेकिन उसके बाद कोई संपर्क नहीं किया गया। इसलिए मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। लेकिन हाल ही में एक दम उनका फोन आया। इसलिए उन्होंने इनकार कर दिया। दीपक अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि इसके बाद भी अंतिम समय पर मैं लंदन पहुंच कर बहस में शामिल होने के लिए तैयार था। यहां पर उन्होंने मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा के साथ मिलकर एक टीम भी तैयार कर ली। लेकिन बहस के तीन घंटे पहले उन्हें बताया गया कि बहस रद्द कर दी गई है क्योंकि पाकिस्तानी दल लंदन पहुंचा ही नहीं है। दीपक ने लिखा, 'इस बात में मैं गुस्सा था, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगी थी।' इतना ही नहीं दीपक ने सबूत के तौर पर इस पूरी बहस के आयोजक मूसा हरराज की कॉल लॉग भी साझा की।

पाकिस्तान को दी चुनौती : इसके बाद दीपक ने पाकिस्तान की पोल खोलते हुए लिखा कि बाद में मुझे पता चला कि इस बहस के आयोजक मूसा हरराज, जिनके पिता पाकिस्तान में मंत्री हैं। उन्होंने इस पूरी झूठी कहानी को गढ़ा है। पाकिस्तान की टीम लंदन में ही मौजूद थी। लेकिन बहस नहीं करना चाहती थी। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान की टीम तैयारी के साथ है तो फिर बहस के लिए सामने आ जाए। उन्हें इसमें आतंकियों की तरह छिपने की जरूरत नहीं है। डिबेट से तीन घंटे पहले पाकिस्तानी स्पीकर के नहीं आने की जानकारी मिली इसके बाद साई दीपक खुद ब्रिटेन पहुंचे और आखिरी मौके पर ब्रिटेन में रहने वाले दो भारतीय मूल के स्पीकर मनु खजूरिया और पंडित सतीश शर्मा को टीम में शामिल कर लिया। यानी भारतीय टीम पूरी तरह तैयार थी।

मौत और तबाही लेकर आया चक्रवाती तूफान सेन्यार, इन देशों में मरने वालों का आंकड़ा 300 के पार

जकार्ता, एजेंसी। चक्रवाती तूफान सेन्यार ने कमजोर होने से पहले इंडोनेशिया और थाईलैंड जैसे देशों में भारी तबाही मचाई है। बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से मरने वालों का आंकड़ा 300 तक पहुंच गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि इंडोनेशिया के सुमात्रा आइलैंड पर अचानक आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 174 हो गई। वहीं दर्जनों लोग अभी भी लापता हैं। इस बीच शुक्रवार को दक्षिणी थाईलैंड में आई भारी बाढ़ में कम से कम 145 लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की मौसम संबंधी एजेंसी ने बताया है कि चक्रवाती तूफान दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों को कई दिनों तक प्रभावित कर सकता है। एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि मलक्का स्ट्रेट में बना ट्रॉपिकल साइक्लोन सेन्यार खराब मौसम की वजह बन रहा है। उन्होंने कहा है कि खराब मौसम संबंधी चेतावनी बढ़ा दी है। तूफान के बाद आए मूसलाधार बारिश और बाढ़ की वजह से नॉर्थ सुमात्रा प्रांत में 3,200 से ज़्यादा घर और इमारतें डूब गई हैं। हजारों लोगों को सरकारी राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है। वहीं वेस्ट सुमात्रा में, 17,000 से ज्यादा घर डूब गए, और लगभग 23,000 लोगों को टेम्परारी शेल्टर में ले जाया गया है। इस बीच खराब मौसम की वजह से बचाव कार्य में भी मुश्किलें आ रही हैं। नॉर्थ सुमात्रा रीजनल पुलिस के स्पोक्सपर्सन फेरी वुलंटुकन ने बताया है कि मिट्टी धंसने, बिजली ना होने और टेलीकम्युनिकेशन की बाधा की वजह से सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में रुकावट आ रही है। थाईलैंड में भी बाढ़ ने भीषण तबाही मचाई है। पानी कम होने पर रेस्क्यू टीमें पहले डूबे हुए इलाकों में पहुंच रही हैं, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही नजर आ रही है। 12 दक्षिणी प्रांतों में 1.2 मिलियन से ज्यादा घर और 36 लाख लोग लगातार भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। वहीं बाढ़ और भूस्खलन की वजह से क्षतिग्रस्त सड़कों और संचार लाइनों के कारण कई इलाके बड़े पैमाने पर कट गए हैं। उत्तरी सुमात्रा प्रांत के मध्य टापानुली जिले और क्षेत्र के अन्य जिलों में राहत विमान की मदद से सहायता और आपूर्ति पहुंचाया जा रहा है। उत्तरी सुमात्रा पुलिस के प्रवक्ता के अनुसार सड़कों, बिजली और फोन नेटवर्क के पूरी तरह बंद होने के कारण बचाव दलों को बड़ी परेशानी हो रही है।

अमेरिका ने अफगानियों को वीजा जारी करने पर लगाई रोक, वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के बाद ट्रंप सरकार का फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ट्रंप सरकार ने वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना के बाद शुक्रवार से अप्रवासियों के खिलाफ जांच तेज और सघन कर दी है। साथ ही अमेरिकी विदेश विभाग ने अफगान नागरिकों के लिए वीजा जारी करने पर भी रोक लगा दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में लिखा कि 'राष्ट्रपति ट्रंप के विदेश विभाग ने अफगानिस्तान के सभी लोगों को वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है।'

अमेरिकी अप्रवासन विभाग ने जारी किए निर्देश : विदेश विभाग के फैसले के बाद अमेरिकी सरकार ने देशभर में सभी शरण संबंधी फैसलों को भी तुरंत प्रभाव से रोक दिया है। बीते बुधवार को अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में बेहद सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में हुई गोलीबारी के बाद ट्रंप प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है। इस गोलीबारी में नेशनल गार्ड्स की एक महिला सैनिक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल है। इससे पहले अमेरिका के अप्रवासन विभाग के निदेशक जोसेफ एल्डो ने भी पुष्टि की थी कि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अगले आदेश तक अफगानिस्तान के नागरिकों को वीजा जारी न करें। यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक अमेरिकी सरकार अमेरिका में मौजूद हर अफगान नागरिक की पूरी तरह से सुरक्षा जांच नहीं कर लेती।

ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की भी जांच के आदेश : वॉशिंगटन डीसी में गोलीबारी के आरोपी की पहचान अफगान मूल के रहमानुल्ला लकनवाल के रूप में हुई थी, जो साल 2021 में अमेरिका आया था। रहमानुल्ला को इसी साल अमेरिका में शरण दी गई थी। गोलीबारी की घटना से नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रंप प्रशासन ने 19 देशों के ग्रीन कार्ड धारकों के दस्तावेजों की सघन जांच का भी आदेश दिया है। ट्रंप सरकार के इस फैसले से ग्रीन कार्ड धारकों में डर का माहौल पैदा हो गया है। जिन 19 देशों के ग्रीन कार्ड होल्डर्स के दस्तावेजों की जांच का फैसला किया गया है, उनमें अफगानिस्तान, बर्मा, चाड, कांगो गणतंत्र, इक्वेटोरियल गिनी, एरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, यमन, बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला का नाम शामिल है।

ट्रंप के 'शांति सूत्रधार' डैन ड्रिस्कॉलः सबसे युवा आर्मी सेक्रेटरी, रूस-यूक्रेन प्रस्ताव के मुख्य वास्तुकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। नॉर्थ कैरोलिना की ब्लू रिज पर्वत शृंखला अपनी धुंध भरी सुबहों, सरसराते चीड़ के जंगलों और धीमी रफ्तार से चलने वाले छोटे-छोटे कस्बों के लिए मशहूर है। इन्हीं शांत पहाड़ियों के बीच बसे एक छोटे-से शहर बैनर एल्क में एक लड़का पला-बढ़ा था। वह बोलने से ज्यादा देखने-समझने में विश्वास रखता था। पर उसके अंदर एक अनोखी स्पष्टता थी। जहां बाकी बच्चे खेल, फिल्मों या रोमांच की बातें करते थे, वहीं उसने बचपन से ही फौज में शामिल होकर देश की सेवा करने का सपना संजो लिया था। उसके शिक्षक अक्सर उसके धैर्य, सूझ-बूझ वाले सवालों और काम खत्म करने की तेजी से प्रभावित होते थे। आगे चलकर वह लड़का न सिर्फ सबसे कम उम्र का अमेरिका का आर्मी सेक्रेटरी बना, बल्कि वर्तमान में दुनिया की सबसे जटिल राजनीतिक और सैन्य चर्चा के केंद्र में भी है। ये हैं डैनियल 'डैन' पैट्रिक ड्रिस्कॉल, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति का ड्रोन मैन भी कहा जाता है। फिलवक्त, वह कीव और मॉस्को के बीच ट्रंप के शांति प्रस्ताव के वास्तुकार बनने की वजह से सुर्खियों में हैं।

शुरुआत और परिवार : ड्रिस्कॉल का नॉर्थ कैरोलिना से गहरा नाता है, जहां दुनिया के सबसे बड़े मिलिट्री ठिकानों में से एक फोर्ट ब्रैग समेत दस और मिलिट्री ठिकाने हैं। उन्होंने बैनर एल्क की पहाड़ियों में अपना बचपन बिताया। ड्रिस्कॉल अपने परिवार में तीसरी पीढ़ी के सैनिक हैं। उनके पिता वियतनाम युद्ध में शामिल थे, जबकि दादा द्वितीय विश्वयुद्ध में आर्मी डिकोडर रहे थे। उनकी मां गृहिणी थीं। ड्रिस्कॉल ने अपनी स्कूली शिक्षा वाटौगा हाई स्कूल से पूरी की। सेना में जल्दी शामिल होने की चाह थी, इसलिए उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना, चैपल हिल से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री सिर्फ तीन साल में हासिल कर ली। उन्होंने प्रतिष्ठित येल लॉ स्कूल से ज्यूरिस डॉक्टर की डिग्री भी हासिल की है। कॉलेज के दिनों में ही उन्होंने येल के वेटरंस लीगल सर्विसेज क्लिनिक में भी काम किया, सीनेट कमेटी ऑन वेटरंस अफेअर्स व नाइंथ सर्किट के चीफ जज एलेक्स कोजिंस्की के लिए इंटर्नशिप की। ड्रिस्कॉल ने अपनी हाई स्कूल की दोस्त, कैसी ड्रिस्कॉल से शादी की है, जो एक प्लास्टिक सर्जन हैं। इस दंपती के दो बच्चे, डैनियल जूनियर और लीला, हैं।

ट्रंप के भरोसेमंद : अपने ज्यादातर कॅरिअर में, डैन ड्रिस्कॉल ने निजी क्षेत्रों में काम किया। तकनीकी और साइबर सुरक्षा फर्मों में वरिष्ठ पेशेवर के तौर पर उन्होंने न केवल डाटा स्ट्रेटजी और कॉरपोरेट रिस्क असेसमेंट में काम किया, बल्कि क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन जैसे संवेदनशील विषयों को भी बड़े कौशल के साथ संभाला। वह 20 करोड़ डॉलर के वेंचर कैपिटल फंड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में भी काम कर चुके हैं। ड्रिस्कॉल सबसे नाजुक मुद्दों को भी बिना किसी हंगामे के शांत और असरदार ढंग से हल करने में माहिर हैं। उनकी इसी क्षमता ने राष्ट्रपति ट्रंप का भरोसा जीत लिया।

ट्रंप की पहल से रुकेगा एक और संघर्ष, अफ्रीकी देश अमेरिका में शांति समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक और संघर्ष विराम कराने जा रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अफ्रीकी देश कांगो और रवांडा के राष्ट्रपति अमेरिका में 4 दिसंबर को मिलेंगे और शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। दोनों देशों के बीच संघर्ष रुकवाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन द्वारा कई महीनों से बातचीत की जा रही थी। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स शीसेकेडी ने बताया कि कांगो किसी भी शांति समझौते पर तभी हस्ताक्षर करेगा, जब इस बात की गारंटी मिले की रवांडा की सरकार एम23 विद्रोही संगठन को कोई समर्थन नहीं देगी।

पूर्वी कांगो में छिड़ा है संघर्ष : कांगो के राष्ट्रपति ने 4 दिसंबर को रवांडा के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि की है। वहीं रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे ने भी इसकी उम्मीद जताई। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि पूर्वी कांगो में शांति तभी संभव है, जब विवाद से सीधे तौर पर जुड़े लोग शांति के पक्ष में हों। पूर्वी कांगो में बीते कई महीनों से संघर्ष छिड़ा हुआ है। यह संघर्ष कांगो सरकार की सेना और 100 से ज्यादा विद्रोही संगठनों के बीच हो रहा है। इस विद्रोही संगठनों में सबसे ताकतवर एम23 समूह है, जिसे रवांडा की सरकार का समर्थन हासिल है। इस साल संघर्ष उस समय तेज हो गया, जब एम23 ने कांगो के दो बड़े शहरों गोमा और बुकावु पर कब्जा कर लिया।

रवांडा के सैनिक विद्रोही संगठन के साथ मिलकर पूर्वी कांगो में लड़ रहे : संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों का दावा है कि रवांडा की सेना के 3000-4000 जवान पूर्वा कांगो में मौजूद हैं और एम23 समूह के साथ मिलकर लड़ रहे हैं। हालांकि रवांडा ने इन दावों को खारिज कर दिया है। दावा किया जा रहा है कि यह संघर्ष पूर्वी कांगो की खनिज संपदा और कथित तौर पर अपने-अपने इलाकों की रक्षा के लिए है। इससे पहले जून में भी कांगो और रवांडा के विदेश मंत्रियों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसमें रवांडा के सैनिकों की पूर्वी कांगो से वापसी की बात पर सहमति बनी थी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि वे आठ युद्ध रुकवा चुके हैं। इस सूची में कंबोडिया और थाईलैंड, सर्बिया, इस्राइल और ईरान, मिस्त्र और इथयोपिया, आर्मेनिया और अजरबैजान जैसे देशों का संघर्ष शामिल है। ट्रंप भारत और पाकिस्तान का संघर्ष रुकवाने का भी दावा करते हैं, लेकिन भारत ने ट्रंप के दावे को खारिज कर दिया है। बीते दिनों उन्होंने कहा कि आठ में से पांच युद्ध तो उन्होंने टैरिफ की धमकी देकर रुकवाए।

चिली में प्रवासियों के खिलाफ चल रहा अभियान, पलायन बढ़ते ही पेरू ने की सीमा पर आपातकाल के एलान की तैयारी

सैंटियागो, एजेंसी। पेरू के राष्ट्रपति जोस जेरी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार देश की दक्षिणी सीमा पर आपातकाल का एलान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इलाके में ज्यादा सशस्त्र बलों को तैनात करेगी, क्योंकि बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी चिली से उत्तर की ओर बढ़ रहे हैं, जहां अप्रवासी विरोधी भावनाएं बढ़ गई हैं। अपने देश में संकट से बचने या विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में लाखों प्रवासी लंबे समय से महाद्वीप और पेरू की सीमा पार कर चिली में नया जीवन बसर करने के लिए आ रहे हैं, जो लैटिन अमेरिका के सबसे स्थिर और समृद्ध देशों में से एक है। चिली में कानूनी दर्जा न रखने वाले बहुत से लोग हैं, इनमें ज्यादातर वेनेजुएला के हैं। ये लोग हाल के वर्षों में अपने देश की आर्थिक बर्बादी और सत्तावादी शासन से बचकर भागे हैं। हालांकि, अब ये दूसरी दिशा में जा रहे हैं, क्योंकि चिली आव्रजन के खिलाफ अपना रुख सख्त करने की तैयारी कर रहा है। 14 दिसंबर को चिली में होने वाले राष्ट्रपति पद के दूसरे चरण के चुनाव में जीत के प्रबल दावेदार अति-रूढ़िवादी वकील जोस एंटोनियो कास्ट ने अपना अभियान वेनेजुएला से आने वाले अप्रवासियों और संगठित अपराध में वृद्धि को लेकर लोगों के डर के इर्द-गिर्द बुना है। उन्होंने पिछले हफ्ते पेरू से लगी चिली की रेगिस्तानी सीमा पर एक अभियान वीडियो फिल्माया, जिसमें बिना औपचारिक दर्जा वाले अप्रवासियों को चेतावनी दी गई है आपके पास अपनी इच्छा से चिली छोड़ने के लिए 111 दिन हैं। दिनों की यह मोहलत मौजूदा वामपंथी राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक के बाद नए प्रशासन के कार्यभार संभालने तक की है। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हम आपको रोकेंगे, आपको हिरासत में लेंगे, आपको निष्कासित कर देंगे। आप सिर्फ अपने तन पर पहने कपड़ों के साथ ही बाहर निकलेंगे।' जल्द ही पेरू का मीडिया उन प्रवासी परिवारों की तस्वीरों से भर गया जो चिली से पेरू की ओर भाग रहे थे, उनका सामान बैग और कचरे के थैलों में भरा हुआ था। कुछ ही दिनों के भीतर जारी ने सीमा नियंत्रण का निरीक्षण करने के लिए उसी क्षेत्र का दौरा किया और सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बल भेजे। चिली के उत्तरी सीमावर्ती कस्बों के निवासियों ने बढ़ती अराजकता की सूचना दी है, क्योंकि चिली छोड़कर पेरू में प्रवेश की अनुमति न मिलने पर भी लोगों की भीड़ अनिश्चितता में फंसी हुई है। शुक्रवार को जारी ने क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा करने के लिए अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बात का कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है कि कास्ट की सामूहिक निर्वासन की धमकियों और आव्रजन वकीलों के अनुसार, 18.5 मिलियन की आबादी वाले दक्षिण अमेरिकी देश में विदेशी लोगों के प्रति बढ़ती नफरत की पृष्ठभूमि में कितने लोगों ने चिली छोड़ने का फैसला किया है। शुक्रवार को कास्ट ने एक नया वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने अप्रवासियों के लिए अपनी चेतावनी दोहराई और बोरिक से दखल देने का आग्रह किया।

ट्रम्प ने बाइडेन के 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स रद्द किए:बोले- इन पर मशीन से दस्तखत थे, पूर्व राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं थी, इसलिए ये अवैध

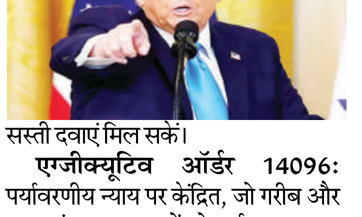

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में जारी किए गए 92% एग्जीक्यूटिव ऑर्डर्स को रद्द कर दिया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर इसकी जानकारी दी। ट्रम्प ने का दावा है कि ये सभी ऑटोपेन (मशीन से दस्तखत) से साइन किए गए थे, जो बिना बाइडेन की मंजूरी के अवैध हैं। इस कदम से बाइडेन के कई महत्वपूर्ण एक्जीक्यूटिव ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े नियम शामिल हैं। उन्होंने बाइडेन को 'स्लीपी (सुस्त) जो' और 'क्रुक्ड (चालाक) जो' कहते हुए धमकी दी कि अगर बाइडेन इन दस्तावेजों पर अपनी सहमति का दावा करेंगे तो उन पर 'झूठे बयान' के आरोप लगेंगे। ट्रम्प का यह फैसला व्हाइट हाउस के पास हुए नेशनल गार्ड्स पर हुए हमले के बाद आया है।

बाइडेन के कई एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर रद्द होने का खतरा : बाइडेन ने चार साल (2021-25) के कार्यकाल में कुल 162 एक्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किए, साथ ही सैकड़ों ज्ञापन और नोटिस भी साइन किए थे। ट्रम्प ने पद संभालने के बाद जनवरी में ही करीब 80 बाइडेन-युग के ऑर्डर रद्द कर दिए थे, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण ऑर्डर अभी भी लागू हैं। इनमें से कुछ अब रद्द होने के खतरे में हैं।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14087: अमेरिका में प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की कीमतें कम करने से जुड़ा। यह दवा कंपनियों पर नियंत्रण लगाता है, ताकि आम नागरिकों को सस्ती दवाएं मिल सकें।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14096: पर्यावरणीय न्याय पर केंद्रित, जो गरीब और अल्पसंख्यक समुदायों को पर्यावरण प्रदूषण से बचाने के उपाय करता है।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14110: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और उपयोग पर सख्ती, जिसमें जोखिमों को कम करने और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करने के नियम शामिल हैं। ट्रम्प के इस कदम से इन नीतियों पर असर पड़ सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि सभी दस्तावेजों के हस्ताक्षरों की वैधता साबित करना मुश्किल होगा। अभी यह साफ नहीं है कि कौन इन साइन की जांच करेगा।

क्या ट्रम्प बाइडेन के आदेशों को रद्द कर सकते हैं : कार्यकारी आदेश अमेरिकी राष्ट्रपति के जारी किए गए ऑर्डर होते हैं, जो संघीय एजेंसियों को कानूनों को लागू करने या नीतियां बनाने में मदद करते हैं। अमेरिकी कानून के अनुसार, कोई भी राष्ट्रपति अपने पिछले राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेशों को रद्द, संशोधित या अमान्य कर सकता है। हालांकि, इसकी अपनी सीमाएं भी हैं। खासकर क्षमादान, माफी और सजा में कमी के मामलों में, जिन्हें एक बार दिए जाने के बाद वापस नहीं लिया जा सकता। ट्रम्प का मुख्य दावा ऑटोपेन पर आधारित है। वे कहते हैं कि बाइडेन के 92% आदेश ऑटोपेन से हस्ताक्षरित थे, जो बिडेन की मंजूरी के बिना अवैध हैं। लेकिन कानूनी रूप से, ऑटोपेन का उपयोग पूरी तरह वैध है। जस्टिस डिपार्टमेंट के ऑफिस ऑफ लीगल काउंसल ने 2005 में (जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के समय) कहा था कि राष्ट्रपति को बिल या आदेश साइन करने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर करने की जरूरत नहीं है, बशर्ते उनकी मंजूरी हो।

ट्रम्प ने बाइडेन पर झूठी गवाही का आरोप लगाने की धमकी दी : ट्रम्प ने बाइडेन पर परजरी (झूठी गवाही) का आरोप लगाने की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर बाइडेन ने कहा कि उन्होंने ऑटोपेन वाले दस्तावेदो को खुद अप्रूव किया था, तो उन पर परजरी के आरोप लगेंगे।

चक्रवाती तूफान दित्वा से तमिलनाडु में तीन मौतें, उड़ानें-ट्रेनें रद्द, 57 हजार हेक्टेयर फसल जलमग्न

एजेंसी

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान दित्वा से श्रीलंका के बाद तमिलनाडु के कई हिस्सों में रविवार को भी लगातार भारी बारिश जारी रही, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। राज्य सरकार ने बताया कि बारिश से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई क्षेत्रों में पानी भरने से स्थिति गंभीर बनी हुई है। कावेरी डेल्टा के रामनाथपुरम और नागपट्टिनम जैसे जिलों में भारी बारिश के चलते निचले इलाके जलमग्न हैं और यातायात बाधित हुआ है।

क्षेत्रीय मौसम विभाग के अनुसार तूफान लगभग 7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा है और यह तनिलनाडु के कुड्डालोर से 100 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, कराईकल से 100 किलोमीटर उत्तरपूर्व, पुडुचेरी से 110 किलोमीटर दक्षिणपूर्व तथा चेन्नई से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में केंद्रित है। उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी तटों से

इसकी न्यूनतम दूरी करीब 70 किलोमीटर बताई जा रही है। विभाग ने आशंका जताई है कि अगले 24 घंटों तक यह तटों के समानांतर आगे बढ़ता रहेगा और 30 नवंबर तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में तटरेखा से 30 से 60 किलोमीटर की दूरी पर सक्रिय रहेगा। चक्रवात के प्रभाव से तमिलनाडु के कुड्डालोर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवारूर, चेन्नई, तिरुवल्लूर और कांचीपुरम समेत कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। तटीय हिस्सों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति बढ़कर 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। समुद्र में खराब मौसम को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। विभाग के अनुसार समुद्र की स्थिति 1 दिसंबर की सुबह तक धीरे-धीरे सुधर सकती है।

राज्य के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन ने बताया कि राज्य सरकार ने एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की कुल 38 टीमों को अलर्ट मोड पर रखा है। अन्य राज्यों से आई 10 अतिरिक्त टीमें भी राहत और पुनर्वास कार्य में जुटी हुई हैं। मंत्री ने बताया कि अब तक तीन लोगों की मौत, 149 मवेशियों की मृत्यु और करीब 57 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचने की खबर है, जिससे डेल्टा जिलों के किसानों को भारी क्षति का सामना करना पड़ रहा है। तूफान के कारण हवाई और रेल सेवाओं पर भी बड़ा असर पड़ा है। चेन्नई एयरपोर्ट पर शनिवार को 35 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि रविवार को 47 उड़ानें स्थगित की गईं।

केंद्र सरकार ने रेलवे तैयारियों की समीक्षा की है और रेलवे बोर्ड से लेकर डिवीजन स्तर तक वॉर रूम सक्रिय कर दिए गए हैं। कई ट्रेनों को भी सुरक्षा कारणों से रद्द किया गया है।

उल्लेखनीय है कि श्रीलंका में दितवाह ने व्यापक तबाही मचाई है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक तूफान की वजह से वहां 123 लोगों की जान चली गई है और बड़े पैमाने पर जन-धन का नुकसान हुआ है।

बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आज से

पांच दिवसीय सत्र में अनुपूरक बजट सहित नए अध्यक्ष का होगा चुनाव

एजेंसी

पटना। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनने के बाद अब 18 वीं विधानसभा का पहला सत्र सोमवार यानी 01 दिसंबर से शुरू होगा। शीतकालीन सत्र में पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण होगा। दूसरे दिन विधानसभा अध्यक्ष का निर्वाचन होगा। तीसरे दिन राज्यपाल दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित करेंगे और द्वितीय अनुपूरक बजट पेश होगा।

राज्यपाल के अभिभाषण पर उसके बाद चर्चा होगी और उसे सदन से पास कराया जाएगा।

द्वितीय अनुपूरक बजट पर भी चर्चा के बाद सरकार उसे सदन से पास करायेगी। विधानसभा सत्र को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारी चल रही है। इस बार विधानसभा को हाईटेक बनाया गया है। विधानसभा को सजाया संवारा जा रहा है। विधानसभा में बड़ी संख्या में नए विधायक चुन कर आए हैं, तो वहीं पुराने चेहरे भी देखने को मिलेंगे।

पांच दिवसीय विधानसभा सत्र को लेकर विधानसभा की ओर से अधिसूचना जारी हो गई है।

विधानसभा की ओर से जारी की गई सूचना के अनुसार विधानसभा की कार्यवाही में 01 दिसंबर को नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण होगा, 02 दिसंबर को विधानसभा के नए अध्यक्ष का निर्वाचन, 03 दिसंबर को 11:30 से बिहार विधान मंडल के विस्तारित भवन सेंट्रल हॉल में बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के एक साथ बैठक में राज्यपाल का अभिभाषण। इसके बाद राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित अध्यादेशों की प्रमाणीकृत प्रतियों को सभापति पर रखा जाएगा।

तीन दिसंबर को ही सरकार की ओर से द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा और अंत में विधानसभा अध्यक्ष शोक प्रस्ताव पढ़ेंगे। 04 दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी और चर्चा के बाद सरकार का उत्तर होगा। फिर सरकार धन्यवाद प्रस्ताव सदन से पास करायेगी। और आखिरी दिन पांच दिसंबर को द्वितीय अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी जिसमें विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्य भाग लेंगे और फिर चर्चा के बाद सरकार का उत्तर होगा सरकार द्वितीय अनुपूरक बजट उत्तर के बाद पास करायेगी।

नरेंद्र नारायण यादव बने हैं प्रोटेम स्पीकर

नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने के लिए प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति हो गई है। राज्यपाल ने शपथ भी दिल दी है। जदयू के वरिष्ठ नेता और मधेपुरा के आलमगंज से लगातार आठवीं बार विधानसभा चुनाव जीतने वाले नरेंद्र नारायण यादव के जिम्मे प्रोटेम स्पीकर की जिम्मेदारी है। विधानसभा चुनाव में इस बार राजग को 202 सीटों पर जीत मिली है। 243 सदस्य विधानसभा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और उसे 89 सीटों पर जीत मिली है। जदयू दूसरे नंबर पर है और उसे 85 सीटों पर जीत मिली है। राजद तीसरे नंबर पर है और उसे 25 सीटों पर जीत मिली है। इसके अलावा कांग्रेस को 6, हम को 5, एआईएमआईएम को 5, राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 4, बसपा को एक सीट पर जीत मिली है। वामपंथी दलों में माले को दो सीटों पर, माकपा को एक सीट पर और भाकपा का इस बार खाता नहीं खुला है। आईआईपी को एक सीट पर जीत मिली है तो वहीं जन सुराज सहित कई दलों का खाता नहीं खुला है।

चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को एक सप्ताह बढ़ाया

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने देश के 12 राज्यों में जारी मतदाता सूची को अपडेट करने से जुड़ी प्रक्रिया एसआईआर की तिथियों में बदलाव करते हुए इन्हें एक सप्ताह आगे बढ़ाया है। चुनाव आयोग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अब मसौदा मतदाता सूची 9 के बजाय 16 दिसंबर और अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी की बजाय 14 फरवरी को प्रकाशित होगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन आयोग ने सभी गतिविधियों की समय-सीमा एक सप्ताह बढ़ा दी है। नए कार्यक्रम के तहत गणना अवधि और मतदान केंद्रों के पुनर्गठन की प्रक्रिया अब 11 दिसंबर 2025 तक पूरी की जाएगी। नियंत्रक तालिका के अद्यतन और ड्राफ्ट मतदाता सूची की तैयारी का कार्य 12 से 15 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा, जबकि ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 16 दिसंबर 2025 को होगा। दावों और आपत्तियों को जमा करने की अवधि 16 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। नोटिस चरण, जिसमें जारी करना, सुनवाई, सत्यापन तथा गणना प्रपत्रों और दावों-आपत्तियों पर निर्णय शामिल हैं, 16 दिसंबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक चलेगा। मतदाता सूची के स्वास्थ्य मानकों की जांच और अंतिम प्रकाशन की अनुमति 10 फरवरी 2026 तक पूरी की जाएगी, जबकि अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

बेकाबू ट्रक ने 8 बाईक और एक ई-रिक्शा को रौदा, 5 की मौत आधा दर्जन घायल

पूर्वी चंपारण। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा थाना क्षेत्र स्थित एनएच-27 के दीपऊ मोड़ पर रविवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि करीब आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल है,जिनमे कई लोगो की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना को लेकर बताया गया कि एक तेज रफ्तार अनियंत्रित यूपी नंबर के ट्रक ने आठ बाइक और एक ई-रिक्शा को रौंद दिया। हादसा इतना भयावह था कि सड़क पर कई शव क्षत-विक्षत अवस्था में बिखर गये। प्रत्यक्षदर्शियो के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक के नीचे बाइक फंसने के कारण ही ट्रक कुछ दूरी पर रुक पाया,वरना हादसे में कई और मारे जाते। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। प्रशासन की मदद से घायलों को सदर अस्पताल और अन्य निजी हॉस्पिटल में इलाज के लिए भेजा गया। हादसे के बाद लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया और एनएचएआई की एक गाड़ी में आग लगा दी। लोगों का कहना है इसी गाड़ी के चालक की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। इधर, हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर कैंप कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहे है।

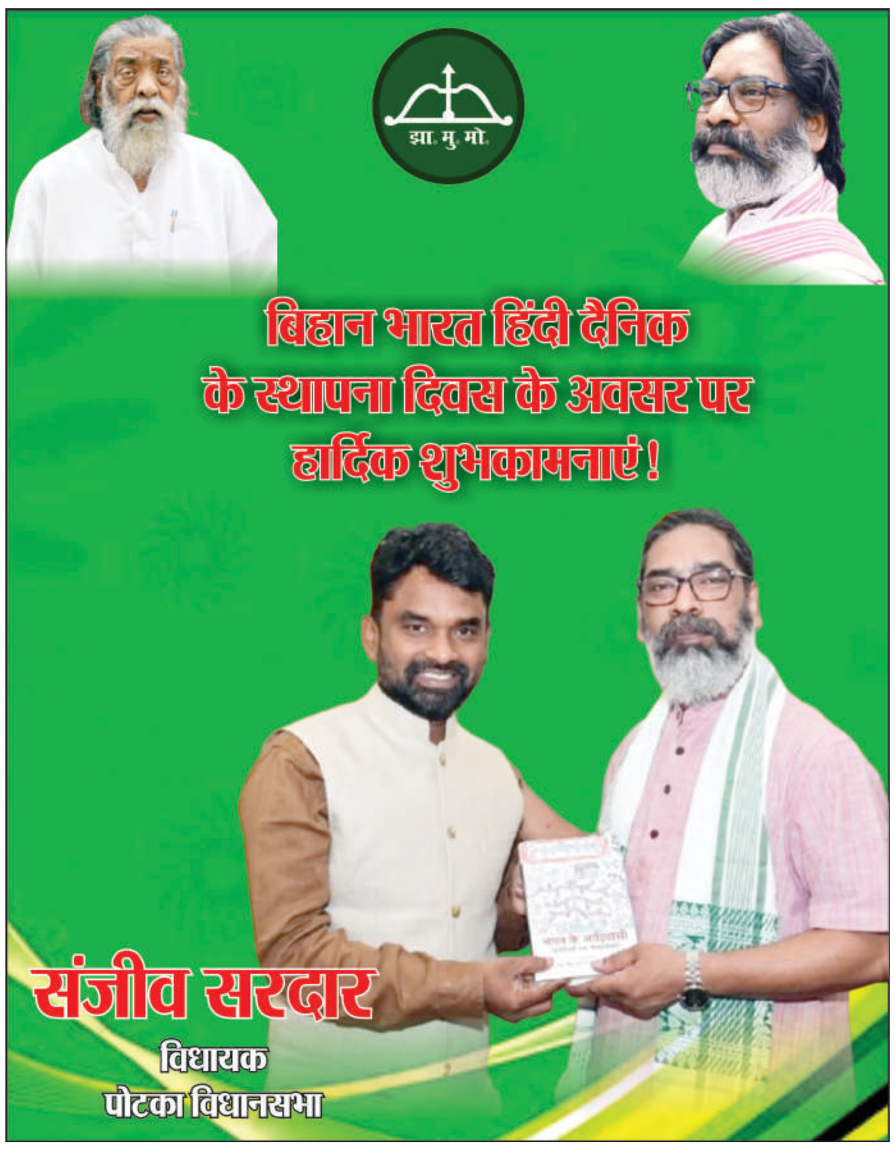

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com